Website : www.mantrabharat.com
जुनून है सच लिखने का
E-Mail : mantrabharatmumbai@gmail.com, Mo. 7007837917

संस्करण : मुंबई
वर्ष : 10
अंक : 278
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
मंगलवार, 14 अक्टूबर, 2025

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

मुंबई, लखनऊ, प्रयागराज एवं ग्वालियर से एक साथ प्रकाशित एवं ठाणे, नवी मुम्बई, पालघर, नासिक एवं पुणे से प्रसारित

3 नीदरलैंड के प्रतिनिधिमंडल ने नवी मुंबई नगर ...
4 क्या है लाल मस्जिद कांड की कहानी? ..
7 इंग्लैंड के खिलाफ टी20 आई सीरीज के ...

संक्षिप्त न्यूज

दुर्गापुर दुष्कर्म मामलाः महिला आयोग ने सीएम ममता को लिखा पत्र, पीड़िता को राहत देने के लिए की सिफारिश

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल के दुर्गापुर में निजी मेडिकल कॉलेज में छात्रा के साथ हुए दुष्कर्म मामले में पीड़िता के परिवार के साथ-साथ पूरा देश न्याय का इंतजार कर रहा है। ऐसे में अब राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) ने सोमवार को गहरी चिंता जताई और पीड़िता की पढ़ाई बाधित न हो, इसके लिए कई अहम सिफारिशें कीं। आयोग की अध्यक्ष विजया रहाटकर ने पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को पत्र भेजकर कहा कि पीड़िता को शिक्षा में आ रही बाधा और मानसिक आघात को देखते हुए तुरंत राहत दी जाए।

विजया रहाटकर ने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं हो सकता। हमें पीड़िता को न्याय मिलने तक इस मामले की निगरानी करनी होगी। उन्होंने कहा कि न्याय में देरी होना, न्याय से इनकार करने के बराबर है। बता दें कि इससे पहले एनसीडब्ल्यू की सदस्य अर्चना मजूमदार ने हाल ही में दुर्गापुर जाकर मामले की जांच की थी।

दुर्गापुर गैंगरेप मामले में राष्ट्रीय महिला आयोग ने कई अहम सिफारिशें की हैं। आयोग ने कहा कि अगर पीड़िता मानसिक स्थिति के कारण परीक्षा नहीं दे पाती, तो नेशनल मेडिकल कमीशन (एनएमसी) और विश्वविद्यालय विशेष परीक्षा आयोजित करें। यदि वह मौजूदा मेडिकल कॉलेज में सुरक्षित महसूस नहीं करती, तो उसका ट्रांसफर किसी अन्य कॉलेज में कराया जाए।

आयोग ने ये भी सिफारिश में अस्पताल से सुरक्षा ऑडिट रिपोर्ट मांगी गई है और कॉलेज परिसर में सुरक्षा मानकों की एक महीने के भीतर जांच कराने को कहा गया है। साथ ही कैंपस में पुलिस चौकी स्थापित करने, रास्तों पर उचित लाइटिंग और सीसीटीवी कैमरे लगाने, पीड़िता को मुफ्त और सर्वोत्तम इलाज देने तथा आरोपियों के खिलाफ तेज ट्रायल की सिफारिश की गई है।

पीएम मोदी का 'मिशन बिहार'

15 अक्टूबर को बूथ कार्यकर्ताओं को देंगे जीत का मंत्र

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 15 अक्टूबर को 'मेरा बूथ सबसे मज़बूत' अभियान के तहत बिहार के बूथ-स्तरीय पार्टी कार्यकर्ताओं से बातचीत करेंगे और आगामी विधानसभा चुनावों से पहले उनके सुझाव मांगेंगे। एक्स पर एक पोस्ट में, प्रधानमंत्री मोदी ने लिखा कि बिहार में भाजपा-एनडीए की जीत के लिए हमारे समर्पित कार्यकर्ता पूरी ऊर्जा से जुट गए हैं। ऐसे समर्पित कार्यकर्ताओं से बातचीत करने से हमेशा नई प्रेरणा मिलती है। 15 अक्टूबर को मुझे ऐसे कार्यकर्ताओं से सीधे संवाद करने का अवसर मिलेगा।

भागीदारी का आह्वान करते हुए, प्रधानमंत्री ने आगे कहा कि मेरा अनुरोध है... आप सभी 'मेरा बूथ सबसे मज़बूत' अभियान से जुड़ें और आज ही अपने सुझाव साझा करें। मैं उनके सुझावों के आधार पर कुछ चुनिंदा कार्यकर्ताओं से सीधे चर्चा भी करूँगा। 'मेरा बूथ सबसे मज़बूत' पहल एक दीर्घकालिक, संवादात्मक

आउटरीच कार्यक्रम है जिसका उद्देश्य जमीनी स्तर पर पार्टी के कार्यकर्ताओं और समर्थकों के साथ जुड़ाव को मज़बूत करना है। बिहार विधानसभा चुनाव सभी 243 सीटों के लिए 6 और 11 नवंबर को होने हैं, जबकि मतगणना 14 नवंबर को होगी।

कई दौर की चर्चाओं के बाद, सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (ॐ) - जिसमें जनता दल (यूनाइटेड), भारतीय जनता पार्टी (ँव्ह), लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास), हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (सेक्युलर) और राष्ट्रीय लोक मोर्चा शामिल हैं - रविवार को अपने सीट बंटवारे के फॉर्मूले की घोषणा कर सकता है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष जे.पी. नड्डा सहित गठबंधन के वरिष्ठ नेताओं ने सीट बंटवारे और चुनाव के लिए उम्मीदवारों के चयन को अंतिम रूप देने के लिए नई दिल्ली में व्यापक बैठकें की हैं।इस बीच, महागठबंधन–जिसमें राष्ट्रीय जनता दल (राजद), कांग्रेस, वामपंथी दल और विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) शामिल हैं–अभी तक सीटों के बंटवारे पर आम सहमति नहीं बना पाया है। गठबंधन के सहयोगियों के बीच अपने फॉर्मूले और उम्मीदवारों की सूची को अंतिम रूप देने के लिए चर्चा जारी है।

हवाई किराए में उतार-चढ़ाव के तनाव से मिलेगी मुक्ति, एलायंस एयर की नई योजना का किया शुभारंभ

नई दिल्ली।विमानन मंत्रालय ने सोमवार को हवाई किराए से जुड़ी एक नई पहल शुरू की। सरकारी स्वामित्व वाली क्षेत्रीय विमानन कंपनी एलायंस एयर ने सोमवार को हवाई किराया योजना 'फेयर से फुर्सत' का एलान किया। इसका मकसद यात्रियों को हवाई किराए में उतार-चढ़ाव के तनाव से मुक्ति दिलाना है।

विमानन मंत्री के. राममोहन नायडू ने सरकारी स्वामित्व वाली क्षेत्रीय एयरलाइन एलायंस एयर की 'किराए से फुर्सत' (किराए के तनाव से मुक्ति) योजना का शुभारंभ किया। प्रेस विज्ञप्ति के मुताबिक, इसका मकसद यात्रियों को हवाई किराए में उतार-चढ़ाव के तनाव से मुक्ति दिलाना और देश में उड़ान सेवा को आसान बनाना है। इस मौके पर विमानन सचिव समीर कुमार सिन्हा, एलायंस एयर के प्रमुख अमित कुमार और सीईओ राजर्षि सेन भी मौजूद थे। योजना की व्यवहार्यता और यात्रियों की राय जानने के लिए 'किराए से फुर्सत' को आज से 31 दिसंबर 2025 तक कुछ खास मार्गों पर पायलट आधार पर लागू किया गया है।

स्थिर किराया प्रणाली हवाई किराए में उतार-चढ़ाव से जुड़ी अनिश्चितता और तनाव को खत्म करेगी। किराया योजना के बारे में बताते हुए मंत्री ने कहा, यह योजना उड़ान योजना के मूल सिद्धांतों को देखते हुए बनाई गई है। वह नरेंद्र मोदी सरकार की 'उड़े देश का आम नागरिक' योजना का जिक्र कर रहे थे। एक अधिकारी ने बताया कि राममोहन नायडू की ओर से विमानन सचिव समीर कुमार सिन्हा, एलायंस एयर के अध्यक्ष अमित कुमार और एयरलाइन के सीईओ राजर्षि सेन की मौजूदगी में शुरू की गई। इस पहल के तहत बुकिंग की तिथि किसी भी प्रस्थान के दिन भी स्थिर रहेगा।

बिहार चुनावः पप्पू यादव बोले- राहुल गांधी के प्यार, विकास और संघर्ष से जीतेगा महागठबंधन

पूर्णिया । पूर्णिया से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने महागठबंधन के महत्व पर ज़ोर दिया और बिहार विधानसभा चुनाव को विनाश और विकास के बीच का मुकाबला बताया। उन्होंने कांग्रेस सांसद की मतदाता अधिकार यात्रा का ज़िक्र करते हुए कहा कि इंडिया ब्लॉक अपने चुनाव प्रचार के दौरान लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की ताकत का भरपूर इस्तेमाल करेगा। पत्रकारों से बात करते हुए पप्पू यादव ने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी अपनी पार्टी और कार्यकर्ताओं के सम्मान के लिए जीते हैं। गठबंधन का सिद्धांत सर्वोपरि है, चाहे वह छोटी पार्टी हो या बड़ी। गठबंधन महत्वपूर्ण है, बिहार की जनता महत्वपूर्ण है, और इंडिया गठबंधन की जीत महत्वपूर्ण है; सीटें महत्वपूर्ण नहीं हैं। यह चुनाव विनाश बनाम विकास पर आधारित है... यह चुनाव राहुल गांधी के प्रेम, विकास और संघर्ष के बल पर लड़ा जाएगा।

पप्पू यादव ने आरोप लगाया कि सरकार धीरे-धीरे आम आदमी के रोज़मर्रा के मुद्दों से कटती जा रही है और ऐसी गलतियाँ न करने की चेतावनी दी। उन्होंने कहा, 'अब पार्टियाँ 'तकनीकी' होती जा रही हैं। सरकार ज़मीन से कम जुड़ी हुई है। हमें ऐसी बातों से बचना चाहिए और पार्टी कार्यकर्ताओं का सम्मान करना चाहिए।' इससे पहले, कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कहा कि आगे की सीटों के बंटवारे की घोषणा एक बैठक के बाद की जाएगी, क्योंकि बिहार विधानसभा के सभी 243 निर्वाचन क्षेत्रों के लिए दो चरणों में 6 नवंबर और 11 नवंबर को चुनाव होने हैं। उन्होंने आगे कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) राज्य में मिलकर चुनाव लड़ेगी। महागठबंधन में सीटों के बंटवारे पर, खेड़ा ने संवाददाताओं से कहा कि एक बैठक होगी, और उसके बाद ही आगे की सीटों के बंटवारे की घोषणा की जाएगी...

उपशामक देखभाल मामले में 'सुप्रीम' फैसला, केंद्र को तीन हफ्ते में रिपोर्ट सौंपने का दिया आदेश

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने विशेष उपचार विधि उपशामक देखभाल (दर्द और तकलीफ कम करने वाली देखभाल) के मामले में अहम सुनवाई करते हुए केंद्र सरकार को अहम निर्देश दिए हैं। कोर्ट ने सोमवार को केंद्र सरकार को 2017 में स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी उपशामक देखभाल के दिशा-निर्देशों के पालन के बारे में तीन हफ्ते में जानकारी देने का आदेश दिया है।

मामले में न्यायाधीश विक्रम नाथ और संदीप मेहता की पीठ ने यह आदेश एक याचिका पर सुनवाई के दौरान दिया, जिसमें यह मांगा गया था कि गंभीर और जानलेवा बीमारियों से जूझ रहे मरीजों को राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत उपशामक देखभाल मुहैया कराई जाए। अब इस मामले में अगली सुनवाई 25 नवंबर को होगी।

सीनियर अधिवक्ता जयंना कोठारी ने बताया कि 2017 के इन दिशा-निर्देशों के अनुसार, हर जिले में उपशामक देखभाल टीम बनानी है और हर राज्य में एक उपशामक देखभाल सेल भी स्थापित करनी है।

अपने पुराने बैंक खाते में पैसे जमा करके भूल गए?

जो आपका है उसे वापस दिलाने में आरबीआई आपकी मदद करेगा।

आपके बैंक के निष्क्रिय खाते (2 वर्ष से ज़्यादा और 10 वर्ष तक असक्रिय) में जमा पैसे / दावा न की गई जमा राशि (10 वर्ष से अधिक) को आरबीआई के डीईए फंड में ट्रांसफर कर दिया जाता है। आप या आपके क़ानूनी वारिस उसे कभी भी वापस ले सकते हैं।

जमाकर्ता शिक्षा और जागरूकता निधि
दीया फंड
DEPOSITOR EDUCATION AND AWARENESS FUND

आपके पैसे वापस पाने के 3 आसान चरण

1. आपके बैंक की किसी भी शाखा में जाएं, भले ही वो आपकी नियमित शाखा न हो।
2. केवाईसी दस्तावेजों (आधार, पासपोर्ट, मतदाता पहचान पत्र या ड्राइविंग लाइसेंस) के साथ फॉर्म जमा करें।
3. सत्यापन के बाद ब्याज समेत, यदि है तो, अपने पैसे वापस पाएं।

दावा न की गई संपत्ति के संबंध में आयोजित विशेष शिविरों में जाएं, जिसे देशभर के सभी ज़िलों में अक्तूबर से दिसंबर 2025 के बीच लगाए जाएँगे।

आपके दावा न किए गए पैसे के बारे में जानने के लिए

आपके बैंक की वेबसाइट पर खोजें या आरबीआई के UDGAM पोर्टल **(https://udgam.rbi.org.in)** पर देखें, जिसमें फ़िलहाल 30 बैंक शामिल हैं।

क्यूआर कोड स्कैन कीजिए
अधिक जानकारी के लिए **https://rbikehtahai.rbi.org.in** देखिए
प्रतिक्रिया के लिए **rbikehtahai@rbi.org.in** पर लिखिए
आधिकारिक व्हॉट्सऐप नंबर 99990 41935

जनहित में जारी
भारतीय रिज़र्व बैंक
RESERVE BANK OF INDIA
www.rbi.org.in

कर्नाटक में मंत्रिमंडल फेरबदल की अटकलें तेज, सिद्धारमैया बोले- रात्रिभोज सामान्य

बैंगलुरू। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने सोमवार को मंत्रिमंडल में फेरबदल की अफवाहों को खारिज करते हुए स्पष्ट किया कि कैबिनेट सहयोगियों के साथ उनकी रात्रिभोज बैठक एक नियमित बैठक थी और इसका किसी राजनीतिक कदम से कोई लेना-देना नहीं है। सिद्धारमैया ने बेंगलुरु में मीडिया को संबोधित करते हुए कहा इस रात्रिभोज का मंत्रिमंडल में फेरबदल से कोई लेना-देना नहीं है। मैं अक्सर रात्रिभोज का आयोजन करता हूँ। मैंने काफी समय से इसकी मेज़बानी नहीं की है, इसलिए मैंने आज आमंत्रित किया। इस रात्रिभोज में कुछ खास नहीं है। यह केवल आपके और भाजपा के लोगों के लिए खास है।

कांग्रेस सरकार अगले महीने अपने कार्यकाल के 2.5 वर्ष पूरे करने जा रही है, ऐसे में मंत्रिमंडल में संभावित बदलाव और यहां तक ??कि 'नवंबर क्रांति' की अटकलें लगाई जा रही हैं। कुछ लोग इस मुहावरे का इस्तेमाल राज्य में सत्ता परिवर्तन का संकेत देने के लिए कर रहे हैं। क्या हमें मिलना नहीं चाहिए? मुझे समझ नहीं आ रहा। भाजपा की बात मानकर, आपने (मीडिया ने) हमारी डिनर पर हुई मुलाकात को अपराध बना दिया है। मुख्यमंत्री ने इस आयोजन के पीछे राजनीतिक महत्व की बातों को खारिज करते हुए कहा हम अक्सर मिलते रहते हैं। पार्टी सूत्रों ने बताया कि बैठक में आगामी तालुका, जिला पंचायत और शहरी स्थानीय निकाय चुनावों की तैयारियों पर ध्यान केंद्रित किए जाने की संभावना है।

कांग्रेस नेता प्रियांक खरगे ने आरएसएस पर फिर साधा निशाना, बोले- संघ के हाथों की कठपुतली है भाजपा

बंगलूरू। कर्नाटक सरकार में मंत्री और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के बेटे प्रियांक खरगे ने सोमवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर कई सारे गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने आरोप लगाते हुए पूछा कि आरएसएस दुनिया का सबसे गुप्त संगठन है, जो न तो रजिस्टर्ड है और न ही पारदर्शिता दिखाता है, फिर भी इसे हर साल सैकड़ों करोड़ रुपये कहा से मिलते हैं? खरगे ने कर्नाटक मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को पत्र लिखकर मांग की है कि राज्य की सभी सरकारी इमारतों और संस्थानों में आरएसएस की गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाया जाए। उनका कहना है कि आरएसएस की सोच संविधान और भारत की एकता के खिलाफ है।

पत्रकारों से बातचीत के दौरान प्रियांक खरगे ने सवाल किया कि आरएसएस ने 100 साल में देश के लिए क्या योगदान दिया है? क्या कारण है कि इसका प्रमुख इतना सुरक्षा घिरा लेकर चलता है? अगर यह ऊ्ध है तो पंजीकरण दस्तावेज क्यों नहीं दिखाए जाते? 300 से 400 करोड़ रुपये कहां से और कैसे आ रहे हैं?

भाजपा आरएसएस की कठपुतली- खरगे

कांग्रेस नेता प्रियांक खरगे ने यह भी कहा कि भाजपा, आरएसएस की कठपुतली है। अगर आरएसएस नहीं रहेगा तो भाजपा भी खत्म हो जाएगी। उन्होंने कहा कि वे हिंदू धर्म के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन आरएसएस की विचारधारा के खिलाफ हैं।

धामी सरकार ने यूसीसी में ऑनलाइन विवाह पंजीकरण में संशोधन को दी मंजूरी

देहरादून। उत्तराखंड मंत्रिमंडल ने सोमवार को समान नागरिक संहिता (यूसीसी) के तहत ऑनलाइन विवाह पंजीकरण में नेपाल, भूटान और तिब्बती मूल के नागरिकों के लिए उनके देश के नागरिकता प्रमाणपत्रों तथा नेपाली एवं भूटानी मिशन द्वारा जारी प्रमाणपत्रों को अनुमन्य किए जाने सहित कई फैसले किए।

यहां मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में हुई राज्य मंत्रिमंडल की बैठक के बाद, प्रदेश के गृह सचिव शैलेश बगोली ने बताया कि यूसीसी के तहत होने वाले ऑनलाइन विवाह पंजीकरण में के लिए आधार कार्ड की व्यवस्था है लेकिन उत्तराखंड में नेपाली, भूटानी एवं तिब्बती मूल के लोगों से भी शादी होती है जिसके मददेनजर इसमें संशोधन को मंजूरी दी गयी है।

उन्होंने बताया कि अब आधार कार्ड के अलावा नेपाल, भूटान के नागरिकों के लिये नेपाली एवं भूटानी नागरिकता प्रमाण पत्र एवं 182 दिनों से अधिक के प्रवास के लिए भारत में नेपाली मिशन या रॉयल भूटान मिशन की ओर से जारी प्रमाणपत्र तथा तिब्बती मूल के व्यक्तियों के लिए विदेशी पंजीकरण अधिकारी द्वारा जारी वैध पंजीकरण प्रमाण पत्र को अनुमन्य किया जाएगा।

एक अन्य फैसले में, बगोली ने बताया कि राज्य मंत्रिमंडल ने प्रस्तावित विधान परिसर के लिए रायपुर और उसके आसपास के क्षेत्रों में घोषित फ्रीज जोन में आंशिक संशोधन करते हुए वहां छोटे मकानों और छोटी दुकानों के निर्माण की अनुमति दे दी है।

उन्होंने बताया कि इसके मानक आवास विकास विभाग द्वारा निर्धारित किए जाएंगे। इसके अलावा, मंत्रिमंडल ने राज्य सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों को कर के बाद के लाभ (प्रॉफिट आफ्टर टैक्स) की 15फीसदी धनराशि को राज्य सरकार को देने के प्रस्ताव को भी अपनी मंजूरी दे दी।

महाराष्ट्र में सियासी हलचल तेजः MVA में मनसे की एंट्री! राज ठाकरे की ये शर्त

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

संजय राउत ने संकेत दिया है कि आगामी महाराष्ट्र स्थानीय निकाय चुनावों में मनसे, महा विकास अघाड़ी का हिस्सा बन सकती है, जिसमें राज ठाकरे कांग्रेस को भी शामिल करना चाहते हैं। हालांकि, अभी तक कोई औपचारिक निर्णय नहीं हुआ है और कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व से इस संभावित गठबंधन पर चर्चा जारी है, जो महाराष्ट्र की राजनीति में नए समीकरणों को जन्म दे सकता है।

शिवसेना सांसद संजय राउत ने सोमवार को संकेत दिया कि आगामी महाराष्ट्र स्थानीय निकाय चुनावों में विपक्षी महा विकास अघाड़ी में मनसे की भूमिका हो सकती है। उन्होंने राज ठाकरे के इस विचार का भी ज़िक्र किया कि कांग्रेस को भी इसमें शामिल किया जाना चाहिए। हालाँकि, राउत ने स्पष्ट किया कि अभी तक कोई औपचारिक निर्णय नहीं लिया गया है। उन्होंने

संवाददाताओं से कहा कि राज ठाकरे भी चाहते हैं कि कांग्रेस को भी साथ लिया जाए। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि इस पर कोई निर्णय लिया गया है।

राउत ने कहा कि उन्होंने एआईसीसी महासचिव केसी वेणुगोपाल के साथ कुछ मुद्दों पर चर्चा की है और विपक्षी नेता राहुल गांधी से मिलने की योजना बना रहे हैं। उद्धव ठाकरे के कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से भी मिलने की उम्मीद है। कुछ राज्य कांग्रेस नेताओं ने मनसे के साथ किसी भी तरह के सहयोग का विरोध किया है, खासकर बिहार विधानसभा चुनावों से पहले। इसके बावजूद, राउत ने कहा कि मनसे, राकांपा, वामपंथी दलों और शिवसेना (यूबीटी) सहित हर पार्टी की राज्य की राजनीति में भूमिका है। राउत ने विपक्षी नेताओं राज ठाकरे, उद्धव ठाकरे और शरद पवार के एक प्रतिनिधिमंडल का ज़िक्र किया, जो मंगलवार को महाराष्ट्र के मुख्य निर्वाचन अधिकारी से चुनावी मुद्दों पर चर्चा करने के लिए मुलाकात करेगा। कभी अलग-थलग रहे ये चचेरे भाई, 2024 के महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में अपनी पार्टियों के खराब प्रदर्शन के बाद पिछले कुछ महीनों में कम से कम छह बार मिल चुके हैं, जो रिश्तों में नरमी का संकेत है। हालाँकि शिवसेना (यूबीटी) और मनसे ने अभी तक आधिकारिक तौर पर निकाय चुनावों के लिए गठबंधन की घोषणा नहीं की है, लेकिन उनके नेताओं ने पुष्टि की है कि बातचीत जारी है।

भाजपा और एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के नेताओं ने सवाल उठाया कि क्या हिंदुत्व पर ज़ोर देने वाले राज ठाकरे, वीर सावरकर पर कांग्रेस के रुख से सहमत हैं। मनसे नेता और प्रवक्ता संदीप देशपांडे ने कहा कि पार्टी चुनाव पारदर्शिता के मुद्दे पर राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी से मुलाकात करेगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का शामिल होना केवल प्रतिनिधिमंडल से संबंधित है, चुनावी गठबंधन से नहीं, और राज ठाकरे गठबंधन के संबंध में उचित निर्णय लेंगे।

मुंबई में बहुमंजिला व्यवसायिक इमारत में आग लगी

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई के घाटकोपर इलाके में सोमवार

दोपहर नौ मंजिला बिजनेस पार्क में भीषण आग लग गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अब तक किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

अधिकारी ने बताया कि घाटकोपर (पश्चिम) में श्रेयस टॉकीज के पास एलबीएस रोड पर स्थित नौ मंजिला बिजनेस पार्क में अपराह्न 2:35 बजे आग लगने की सूचना मिली। नगर निगम के एक अधिकारी ने बताया कि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार आग व्यावसायिक इमारत के भूतल तक ही सीमित रही। दमकल विभाग के एक अधिकारी ने कहा, 'दमकल की सात गाड़ियों को घटनास्थल पर भेजा गया। विस्तृत जानकारी की प्रतीक्षा है।

संपत्ति विवाद में बुजुर्ग व्यक्ति की हत्या के आरोप में छह रिश्तेदार गिरफ्तार

बीड जिले में संपत्ति विवाद को लेकर अपने 72 वर्षीय करीबी रिश्तेदार की कथित तौर पर हत्या करने को लेकर छह लोगों को गिरफ्तार किया गया है। एक पुलिस अधिकारी ने सोमवार को

यह जानकारी दी।

अंभोरा पुलिस थाने के अधिकारी ने बताया कि आष्टी तहसील के लोनी (सैयदमीर) निवासी छब्बू देवकर पर शनिवार शाम उनके तीन भतीजों और इनकी पत्नियों ने हंसिया एवं सरिया से हमला कर दिया, जिसके बाद बुजुर्ग व्यक्ति की मौत हो गई।

अधिकारी ने बताया, परिवार के सदस्यों के बीच पिछले कई दिनों से चारदीवारी और पानी की पाइपलाइन को लेकर विवाद चल रहा था। विवाद में देवकर गंभीर रूप से घायल हो गए और रविवार दोपहर अहिल्यानगर के एक अस्पताल में उनकी मौत हो गई। इस दौरान उनके बेटे पर भी हमला किया गया था।

उन्होंने बताया कि मामले में गिरफ्तार लोगों में रामदास देवकर, राहुल देवकर और संतोष देवकर के अलावा उनकी पत्नियां क्रमशः कविता देवकर, मनीषा देवकर और लता देवकर शामिल हैं।

एसटी कर्मचारियों को 6,000 रुपये का दिवाली उपहार - उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे

वेतन वृद्धि के अंतर की किस्त के साथ वेतन के रूप में 12,500 रुपये दिवाली अग्रिम

मुंबई। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने एसटी के 85,000 कर्मचारियों और अधिकारियों को दिवाली उपहार के रूप में 6,000 रुपये का अनुदान देने की घोषणा की। वेतन के साथ वेतन वृद्धि के अंतर का भुगतान करने और पात्र कर्मचारियों को दिवाली अग्रिम के रूप में 12,500 रुपये देने के लिए निगम को प्रति माह 65 करोड़ रुपये देने का भी निर्णय लिया गया।

सभी एसटी कर्मचारी संगठनों और कार्य समिति की सह्याद्री अतिथि गृह में एक बैठक हुई। उस समय उपमुख्यमंत्री शिंदे बोल रहे थे। इस बैठक में परिवहन मंत्री और एसटी निगम के अध्यक्ष प्रताप सरनाईक, उपमुख्यमंत्री के प्रधान सचिव नवीन सोना, वित्त विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव ओमप्रकाश गुप्ता, परिवहन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव संजय सेठी, एसटी निगम के प्रबंध निदेशक डॉ. माधव कुसेकर, संयुक्त सचिव राजेंद्र होलकर और विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री शिंदे ने कहा, 'भारी बारिश के कारण राज्य में विकट स्थिति उत्पन्न हो गई है। सरकार किसानों के साथ मजबूती से खड़ी है। एसटी कर्मचारियों की दिवाली

भी मीठी हो, इसलिए सरकार ने यह निर्णय लिया है। एसटी को आर्थिक रूप से समृद्ध बनाना आवश्यक है। एसटी निगम की आय बढ़ाने के लिए विभिन्न उपाय किए जा रहे हैं। इसके लिए उन्होंने यह भी कहा कि एसटी निगम की भूमि का विकास निजी-सरकारी भागीदारी के आधार पर किया जाएगा।'

सरकार ने सभी कर्मचारियों और अधिकारियों को दिवाली उपहार के रूप में 6,000 रुपये देने के लिए 51 करोड़ रुपये का अनुदान देने पर सहमति व्यक्त की है। साथ ही, 2020-24 के बीच वेतन अंतर की वृद्धि कर्मचारियों को उनके मासिक वेतन के साथ दी जाएगी, जिसके लिए सरकार ने 65 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। इसके साथ ही, जो पात्र कर्मचारी त्यौहार अग्रिम लेने के इच्छुक हैं, उन्हें भी पहले की तरह 12,500 रुपये दिए जाएँगे, जिसके लिए एसटी महामंडल ने सरकार से 54 करोड़ रुपये की मांग की है, ऐसा परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने बताया।

परिवहन सेवाओं को सक्षम बनाने के निर्देश

सिंधुदुर्ग जिले में बसों की संख्या बढ़ाई जाए- परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक

मुंबई। सिंधुदुर्ग जिले में राज्य परिवहन निगम के बुनियादी ढाँचे को मज़बूत किया जाए। जिले के भौगोलिक विस्तार को देखते हुए, उसी अनुपात में बसें उपलब्ध कराकर परिवहन सेवा को सक्षम बनाया जाए, परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने निर्देश दिए हैं।

सिंधुदुर्ग जिले के राज्य परिवहन निगम से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर मंत्रालय में एक बैठक आयोजित की गई। इस अवसर पर परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक बोल रहे थे।

बैठक में विधायक नीलेश राणे, राज्य परिवहन निगम के प्रबंध निदेशक डॉ. माधव कुसेकर और अधिकारी उपस्थित थे।

परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने कहा कि वेंगुर्ला और कुडाल आगार को पाँच-पाँच बसें उपलब्ध कराई जाएँ। ओरोस में यात्रियों की संख्या और सरकारी कार्यालयों को ध्यान में रखते हुए, बस स्टेशन का विस्तार किया जाए। बस स्टेशन को सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) के आधार पर विकसित किया जाए और एक विशाल बस स्टेशन बनाया जाए।

कर्मचारियों की संख्या और बसों की संख्या को ध्यान में रखते हुए योजना बनाई जानी चाहिए। कर्मचारियों की कमी के कारण बसें न रुकें और यात्रियों को असुविधा न हो, इसका ध्यान रखा जाना चाहिए। परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने यह भी निर्देश दिया कि सिंधुदुर्ग जिले में मंडल नियंत्रक के रिक्त पद पर एक अधिकारी की नियुक्ति की जाए।

पश्चिम रेलवे विभिन्न गंतव्यों के लिए चलाएगी आठ जोड़ी अनारक्षित फेस्टिवल स्पेशल ट्रेनें

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा दिवाली एवं छठ पूजा के त्योहारी सीज़न के दौरान उनकी यात्रा माँग को पूरा करने के उद्देश्य से बांद्रा टर्मिनस-बरौनी, वलसाड-बरौनी, उधना-भागलपुर, उधना-समस्तीपुर, प्रताप नगर-कटिहार, प्रतापनगर-जयनगर, साबरमती-गोरखपुर और साबरमती-बेगूसराय स्टेशनों के बीच विशेष किराए पर आठ जोड़ी अनारक्षित फेस्टिवल स्पेशल ट्रेनें चलाई जाएंगी।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इन ट्रेनों का विवरण इस प्रकार हैः

1. ट्रेन संख्या 09079/09080 बांद्रा टर्मिनस - बरौनी अनारक्षित स्पेशल ट्रेन (26 फेरे)

ट्रेन संख्या 09079 बांद्रा टर्मिनस-बरौनी अनारक्षित स्पेशल ट्रेन प्रतिदिन बांद्रा टर्मिनस से 20:30 बजे प्रस्थान करेगी और तीसरे दिन 12:15 बजे बरौनी पहुँचेगी। यह ट्रेन 15 अक्टूबर से 27 अक्टूबर, 2025 तक चलेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09080 बरौनी - बांद्रा टर्मिनस अनारक्षित विशेष ट्रेन प्रतिदिन बरौनी से 15:05 बजे प्रस्थान करेगी और तीसरे दिन 11:00 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुँचेगी। यह ट्रेन 17 अक्टूबर से 29 अक्टूबर 2025 तक चलेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, बोइसर, वापी, वलसाड, भेस्तान, चलथान, नंदुरबार, अमलनेर, भुसावल, खंडवा, इटारसी, जबलपुर, कटनी, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, पंडित दीन दयाल उपाध्याय, बक्सर, आरा, दानापुर, पाटलिपुत्र, सोनपुर, हाजीपुर और शाहपुर पटोरी स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में जनरल सेकेंड क्लास कोच होंगे।

2. ट्रेन संख्या 09089/09090 वलसाड-बरौनी अनारक्षित स्पेशल (28 फेरे)

ट्रेन संख्या 09089 वलसाड-बरौनी अनारक्षित स्पेशल प्रतिदिन वलसाड से 12:50 बजे प्रस्थान करेगी और तीसरे दिन 06:05 बजे बरौनी पहुँचेगी। यह ट्रेन 14 अक्टूबर से 27 अक्टूबर, 2025 तक चलेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09090 बरौनी-वलसाड अनारक्षित स्पेशल प्रतिदिन बरौनी से 11:00 बजे प्रस्थान करेगी और तीसरे दिन 04:30 बजे वलसाड पहुँचेगी। यह ट्रेन 16 अक्टूबर से 29 अक्टूबर 2025 तक चलेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में नवसारी, उधना, सायण, भरूच, वडोदरा, गोधरा, दाहोद, रतलाम, उज्जैन, मक्सी, संत हिरदाराम नगर, बीना, सागर, दमोह, कटनी मुरवारा, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, मिर्ज़ापुर, पंडित दीन दयाल उपाध्याय, बक्सर, आरा, दानापुर, पाटलिपुत्र, हाजीपुर, मुजफ्फरपुर और समस्तीपुर स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में जनरल सेकेंड क्लास कोच होंगे।

3. ट्रेन संख्या 09081/09082 उधना-भागलपुर अनारक्षित विशेष ट्रेन (28 फेरे)

ट्रेन संख्या 09081 उधना-भागलपुर अनारक्षित स्पेशल प्रतिदिन 11:15 बजे उधना से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 20:00 बजे भागलपुर पहुंचेगी। यह ट्रेन 14 अक्टूबर से 27 अक्टूबर, 2025 तक चलेगी। इसी तरह, ट्रेन संख्या 09082 भागलपुर-उधना अनारक्षित स्पेशल प्रतिदिन 22:50 बजे भागलपुर से प्रस्थान करेगी और तीसरे दिन 09:00 बजे उधना पहुंचेगी। यह ट्रेन 15 अक्टूबर से 28 अक्टूबर 2025 तक चलेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में चलथान, व्यारा, नंदुरबार, दोंडाइचा, अमलनेर, भुसावल, खंडवा, इटारसी, जबलपुर, कटनी, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, पंडित दीन दयाल उपाध्याय, बक्सर, आरा, पटना, बख्तियारपुर, मोकामा, किऊल, अभयपुर, जमालपुर और सुल्तानगंज स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में जनरल सेकेंड क्लास कोच होंगे।

4. ट्रेन संख्या 09091/09092 उधना - समस्तीपुर अनारक्षित स्पेशल (28 फेरे)

ट्रेन संख्या 09091 उधना - समस्तीपुर अनारक्षित स्पेशल प्रतिदिन उधना से 22:00 बजे प्रस्थान करेगी और तीसरे दिन 11:35 बजे समस्तीपुर पहुँचेगी। यह ट्रेन 14 अक्टूबर से 27 अक्टूबर, 2025 तक चलेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09092 समस्तीपुर - उधना अनारक्षित स्पेशल प्रतिदिन समस्तीपुर से 14:30 बजे प्रस्थान करेगी और शनिवार को 04:33 बजे उधना पहुँचेगी। यह ट्रेन 16 अक्टूबर से 29 अक्टूबर, 2025 तक चलेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में सयाण, भरूच, वडोदरा, गोधरा, दाहोद, रतलाम, उज्जैन, मक्सी, संत हिरदाराम नगर, बीना, सागौर, दमोह, कटनी मुरवारा, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, पंडित दीन दयाल उपाध्याय, बक्सर, आरा, दानापुर, पाटलिपुत्र, हाजीपुर और मुजफ्फरपुर स्टेशनों पर रुकेगी। ट्रेन संख्या 09092 का सूरत स्टेशन पर अतिरिक्त ठहराव होगा।

इस ट्रेन में जनरल सेकेंड क्लास कोच होंगे।

5. ट्रेन संख्या 09123/09124 प्रतापनगर-कटिहार (साप्ताहिक) अनारक्षित स्पेशल (04 फेरे)

ट्रेन संख्या 09123 प्रतापनगर-कटिहार साप्ताहिक अनारक्षित स्पेशल बुधवार, 15 और 22 अक्टूबर, 2025 को 16:30 बजे प्रतापनगर से प्रस्थान करेगी और शुक्रवार को 07:15 बजे कटिहार पहुंचेगी। इसी तरह, ट्रेन संख्या 09124 कटिहार - प्रतापनगर साप्ताहिक अनारक्षित स्पेशल शुक्रवार, 17 और 24 अक्टूबर, 2025 को 11:15 बजे कटिहार से प्रस्थान करेगी और रविवार को 02:30 बजे प्रतापनगर पहुंचेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में वडोदरा, छायापुरी, गोधरा, दाहोद, रतलाम, नागदा, उज्जैन, संत हिरदाराम नगर, बीना, कटनी मुरवारा, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, मिर्ज़ापुर, पंडित दीन दयाल उपाध्याय, बक्सर, आरा, दानापुर, पाटलिपुत्र, सोनपुर, हाजीपुर, बरौनी और खगड़िया स्टेशनों पर रुकेगी।

पश्चिम रेलवे के मुंबई सेंट्रल मंडल के प्रमुख स्टेशनों पर प्लेटफ़ॉर्म टिकटों की बिक्री पर अस्थायी प्रतिबंध

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

आगामी त्योहारी सीज़न के दौरान होने वाली भारी भीड़ के मद्देनज़र पश्चिम रेलवे द्वारा मुंबई सेंट्रल मंडल के अंतर्गत चुनिंदा प्रमुख स्टेशनों पर प्लेटफ़ॉर्म टिकटों की बिक्री पर अस्थायी प्रतिबंध लगाने का निर्णय लिया गया है। इसका उद्देश्य प्लेटफॉर्मों पर भीड़ को नियंत्रित करना और स्टेशन परिसर में यात्रियों की सुचारू आवाजाही सुनिश्चित करना है।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, प्लेटफ़ॉर्म टिकटों की बिक्री पर प्रतिबंध 15 अक्टूबर 2025 से 31 अक्टूबर 2025 तक निम्नलिखित स्टेशनों पर लागू रहेगाः

बांद्रा टर्मिनस
वापी
उधना
सूरत

विनीत ने आगे बताया कि वरिष्ठ नागरिकों, महिला यात्रियों, निरक्षर, दिव्यांगजनों या विशेष देखभाल की आवश्यकता वाले यात्रियों की सहायता करने वाले व्यक्तियों जैसे वास्तविक मामलों में आवश्यक छूट दी जाएगी, ताकि यात्रा में आसानी हो और असुविधा

से बचा जा सके।

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों से अपील की गई है कि वे अपनी यात्रा की योजना तदनुसार बनाएँ और त्योहारों के दौरान सुरक्षा और व्यवस्थित भीड़ प्रबंधन के व्यापक हित में अस्थायी प्रतिबंध का पालन करके रेलवे कर्मचारियों के साथ सहयोग करें।

होटल एवं रेस्टोरेंट एसोसिएशन के अमृत महोत्सव के अवसर पर दो दिवसीय क्षेत्रीय सम्मेलन

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। होटल एवं रेस्टोरेंट एसोसिएशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया का 20वां क्षेत्रीय सम्मेलन अपने अमृत महोत्सव के अवसर पर बांद्रा स्थित ताज लैंड्स एंड में आयोजित किया गया। यह दो दिवसीय क्षेत्रीय सम्मेलन पर्यटन क्षेत्र को बढ़ावा देने की दृष्टि से महत्वपूर्ण साबित हुआ। इस दो दिवसीय क्षेत्रीय सम्मेलन में पर्यटन से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा हुई।

पर्यटन क्षेत्र के गणमान्य व्यक्तियों ने सम्मेलन में भाग लिया और पर्यटन को और बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण मुद्दे उठाए। सम्मेलन में आयोजित संवाद महाराष्ट्र के पर्यटन क्षेत्र को वैश्विक पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण रहा।

महाराष्ट्र पर्यटन विकास निगम के प्रबंध निदेशक नीलेश गत्ने ने कहा, 'महाराष्ट्र पर्यटन, पर्यटन क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए एक नए युग की शुरुआत कर रहा है। हाल ही में, महाराष्ट्र के किलों को यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल किया गया है। हम आतिथ्य क्षेत्र को इन स्थलों को पर्यटन के क्षेत्र में वैश्विक दर्जा दिलाने के लिए हमारे साथ मिलकर काम करने के लिए आमंत्रित कर रहे हैं।'

महाप्रबंधक चंद्रशेखर जायसवाल ने बताया कि ब्लू फ्लैग समुद्र तटों की सूची में महाराष्ट्र के पाँच समुद्र तट शामिल हैं, जिनमें दहानु में परनाका, रायगढ़ जिले में श्रीवर्धन और नागांव, तथा रत्नागिरी जिले में गुहागर और लाडघर शामिल हैं। सिंधुदुर्ग में एक अंडरवाटर पर्यटन परियोजना का भी अनावरण किया गया है। उन्होंने यह भी बताया कि सेवानिवृत्त युद्धपोत आईएनएस गुलदार का एक अंडरवाटर संग्रहालय और एक कृत्रिम द्वीप बनाया जाएगा।

पर्यटन निदेशालय की ओर से इस क्षेत्रीय सम्मेलन में सहायक निदेशक सुशील पवार और विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया।

एचआरएडब्ल्यूआई के अध्यक्ष जिमी शॉ ने कहा कि एसोसिएशन की स्थापना 1951 में हुई थी। एसोसिएशन ने पश्चिमी भारत में अपनी स्थिति मजबूत की है। इस 75वीं वर्षगांठ पर, हम महाराष्ट्र सरकार के साथ मिलकर पर्यटन उद्योग को और अधिक गति और मजबूती देने का प्रयास करेंगे।

इस अवसर पर, अभिनेता और निर्देशक बोमन ईरानी ने एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया।

पश्चिम रेलवे

सीसीटीवी के लिए सीएएमसी

वरिष्ठ डीएमई/(कंपनी)/बीसीटी ई-निविदा सूचना संख्याः एम-137-सीसीटीवी-एएमसी-2025, दिनांकः 08.10.2025 आमंत्रित करता है। **कार्य का नामः** सूरत, उधना और वलसाड में अनुरक्षित कोचों में सीसीटीवी के लिए दो वर्ष की अवधि हेतु व्यापक वार्षिक रखरखाव अनुबंध (सीएएमसी)। **कार्य की अनुमानित लागतः** 48,52,226.46 (सभी सहित)। **बोली सुरक्षाः** 97,100/-। **निविदा जमा करने की अंतिम तिथि और समयः** 06.11.2025 को 15:00 बजे। अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in देखें। मैन्युअल प्रस्ताव पर विचार नहीं किया जाएगा। 0697

हमें फॉलो करें facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे

सामग्री प्रबंधन विभाग

विभिन्न सामग्री आपूर्ति

ई-खरीद निविदा सूचना संख्याःएस/66/2025 दिनांक 09.10.2025

अ.क्र.	आइटम का संक्षिप्त विवरण	मात्रा	टीओडी
591	22.22 मिमी व्यास, माल स्टॉक के लिए लॉक बोल्ट और कॉलर	146972 Nos	06-Nov-25
592	4.5 किलोवाट अंडरस्लंग स्थिर वोल्टेज	116 Nos	06-Nov-25
593	कंप्रेसर और स्कैवेंजर ब्लोअर के लिए संपर्ककर्ता	560 Nos	10-Nov-25
594	आरडीएसओ ड्रग संख्या टी-5916 के अनुसार 60 किग्रा/60E1 रेल के लिए 1 मीटर लंबी फिश प्लेट की आपूर्ति हेतु एक वर्ष का चालू अनुबंध।	1522 Set	11-Nov-25
595	110 वोल्ट ब्रशलेस डीसी पंखा निश्चित प्रकार	4250 Nos	11-Nov-25
596	कम रखरखाव वाला लेड एसिड	1161 Nos	13-Nov-25
597	इंटर व्हीकल कपलर	1 Set	17-Nov-25
598	इंटर व्हीकल कपलर	1 Set	17-Nov-25
599	6V मोनो ब्लॉक के VRLA सेल	2798 Set	20-Nov-25
600	4.5 किलोवाट का ब्रशलेस अल्टरनेटर	78 Nos	24-Nov-25
601	कमिन्स के लिए रेडिएटर	10 Nos	25-Nov-25
602	केबल के साथ जम्पर प्लग असेंबली	2534 Nos	27-Nov-25
603	110V, 70AH VRLA बैटरी का सेट	1469 Set	09-Dec-25
604	लॉकिंग के साथ कपलिंग सॉकेट असेंबली	4163 Nos	16-Dec-25
605	माइक्रोप्रोसेसर आधारित नियंत्रण और दोष निदान प्रणाली	80 Set	23-Dec-25

शुद्धिपत्र

कृपया निविदा सूचना संख्याः एस-63-2025 दिनांकः 25-09-2025, क्रम संख्या 568 के लिए मात्रा को '86 सेट' पढ़ें।

कृपया निविदा सूचना संख्याः एस-61-2025 दिनांकः 17.09.2025, क्रम संख्या 538 के लिए नियत तिथि को '15.10.2025' पढ़ें।

विस्तृत सूचना, अग्रिम राशि (EMD), क्रय प्रतिबंध और विस्तृत निविदा शर्तों के संबंध में, कृपया वेबसाइट www.ireps.gov.in और wr.indianrailways.gov.in देखें। 0699

Like us on: facebook.com/WesternRly • Follow us on: X.com/WesternRly

नीदरलैंड के प्रतिनिधिमंडल ने नवी मुंबई नगर निगम का दौरा किया

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

नीदरलैंड के महावाणिज्य दूतावास के नेतृत्व में नवी मुंबई नगर निगम ने नगर मुख्यालय में नीदरलैंड के एक प्रतिनिधिमंडल के साथ जल प्रबंधन और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन पर एक उच्च स्तरीय संवाद का आयोजन किया। इस संवाद में नगर आयुक्त डॉ. कैलाश शिंदे, नीदरलैंड के महावाणिज्य दूतावास के उप-प्रमुख श्री थिएरी वैन हेल्डेन और उनके साथ प्रतिनिधिमंडल में शामिल प्रतिनिधियों ने टिकाऊ शहरी बुनियादी ढाँचे, कचरे से ऊर्जा उत्पादन, चक्रीय अर्थव्यवस्था और जल प्रबंधन में सहयोग के अवसरों जैसे विभिन्न विषयों पर सार्थक चर्चा की।

इस अवसर पर नवी मुंबई नगर निगम के अतिरिक्त आयुक्त श्री सुनील पवार और डॉ. राहुल गेथे, नगर अभियंता श्री शिरीष आर्डवाड, अतिरिक्त नगर अभियंता श्री अरविंद शिंदे, मुख्य लेखा एवं वित्त अधिकारी श्री सत्यवान उबाले और अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

नगर आयुक्त डॉ. कैलाश शिंदे ने प्रतिनिधिमंडल को नवी मुंबई शहर की अनूठी विशेषताओं के बारे में एक प्रस्तुति दी और उन्हें विभिन्न पहलों और परियोजनाओं के बारे में जानकारी दी जो नवी मुंबई को भारत का सबसे नियोजित, टिकाऊ और भविष्योन्मुखी

शहर बना रही हैं।

नीदरलैंड के महावाणिज्य दूतावास के उप-प्रमुख, श्री थिएरी वैन हेल्डेन ने नवीन और समावेशी शहरी सुविधाओं के लिए दोनों क्षेत्रों के साझा दृष्टिकोण को रेखांकित किया। नीदरलैंड वाटर पार्टनरशिप की परियोजना प्रबंधक सुश्री मिरियम वैन बुकम ने जल प्रबंधन की अत्याधुनिक प्रणाली का अवलोकन प्रस्तुत किया और सत्र का संचालन किया। नीदरलैंड एंटरप्राइजेज की सलाहकार सुश्री जैकलीन एकार्ट्ट जेरिसन ने ठोस अपशिष्ट प्रबंधन में महिलाओं की भागीदारी का अवलोकन प्रस्तुत किया। इसके बाद जल उपचार, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, स्वच्छता और शहरी नवाचार जैसे क्षेत्रों में कार्यरत डच कंपनियों द्वारा विस्तृत तकनीकी प्रस्तुतियाँ दी गईं।

प्रस्तुतियों के बाद, नीदरलैंड वाटर पार्टनरशिप की विभिन्न परियोजनाओं और पहलों में डच तकनीक के उपयोग पर एक इंटरैक्टिव सत्र में विस्तृत चर्चा हुई। आयुक्त ने नवी मुंबई के एकीकृत प्रबंधन के बारे में जानकारी देते हुए, डच प्रतिनिधिमंडल से भारत के लिए मापनीय और अनुकरणीय शहरी मॉडल बनाने का आह्वान किया। डच प्रतिनिधियों ने नवी मुंबई नगर निगम की परियोजनाओं और गतिविधियों की सराहना की और विश्वास व्यक्त किया कि नीदरलैंड की तकनीकी विशेषज्ञता के जुड़ने से नवी मुंबई की परियोजनाओं को आधुनिकता मिलेगी।

डच प्रतिनिधिमंडल ने तुर्भे में एकीकृत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन परियोजना और कोपरखैराने में सीवेज उपचार और तृतीयक उपचार परियोजनाओं सहित विभिन्न सुविधाओं का दौरा किया और उनके बारे में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने सीबीडी बेलापुर में वस्त्र पुनर्चक्रण केंद्र का दौरा किया और वहाँ की अवधारणा और प्रणाली की सराहना की।

अध्ययन यात्रा के दौरान, नवी मुंबई नगर निगम के सहयोग से भारत-डच सहयोग के लिए एक संयुक्त कार्य मॉडल विकसित करने और पायलट परियोजना निर्माण के साथ-साथ क्षमता निर्माण और ज्ञान के आदान-प्रदान पर ध्यान केंद्रित करने का निर्णय लिया गया।

मीरा-भायंदर मनपा ठाणे जिले में पशुगणना मे अव्वल

मंत्र भारत। भाईदंर

मीरा-भायंदर मनपा ने ठाणे जिले में पशुगणना में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करके अपनी अग्रणी स्थिति सिद्ध की है। ठाणे जिले की सीमा में कुल 6 मनपा और 2 नगर परिषद हैं, जिनमें से मीरा-भायंदर मनपा ने योजनाबद्ध क्रियान्वयन, सटीक आँकड़ों के संकलन और प्रशासनिक उत्तरदायित्व के बल पर प्रथम स्थान प्राप्त किया है। मीरा-भायंदर मनपा क आयुक्त एवं प्रशासक राधाबिनोद ए. शर्मा (भा.पु.से.) ने इस उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों की प्रशंसा की है।

इस सफलता की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह जनगणना किसी बाहरी संस्था को सौंपे बिना, मनपा के अपने ही कर्मचारियों द्वारा की गई। यह पूरा अभियान मनपा के प्रतिष्ठान में 47 कंप्यूटर ऑपरेटरों और 6 निरीक्षकों के समन्वय से चलाया गया। यह सर्वेक्षण अभियान दिसंबर 2024 में शुरू किया गया था। केवल चार महीनों में - अप्रैल 2025 तक - शत-प्रतिशत (100इ) गणना पूरी कर ली गई। शहर के प्रत्येक वार्ड और अनुभाग के आवारा पशुओं को इसमें शामिल किया गया। इसमें आवारा कुत्तों, गायों, भैंसों, बकरियों, भेड़ों, मुर्गियों और अन्य पशुओं की विस्तृत गणना शामिल थी। इसके परिणामस्वरूप, मनपा शहर में पशुओं की वास्तविक स्थिति का एक अद्यतन और विश्वसनीय डेटाबेस बनाने में सफल रहा है।

इस पहल में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले सभी कर्मचारियों को प्रोत्साहन वेतन के रूप में कुल ?35 लाख की राशि स्वीकृत की गई है। आयुक्त के निर्देश में, अतिरिक्त आयुक्त प्रियंका राजपूत, उपायुक्त डॉ. सचिन बांगर और पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. विक्रम निराटले की देखरेख में पूरा अभियान सुचारू रूप से चलाया गया। आयुक्त के निर्देशानुसार, यह राशि दिवाली की पूर्व संध्या पर अगले दो दिनों में सभी संबंधित कर्मचारियों के खातों में जमा कर दी जाएगी। यह उपलब्धि मीरा-भायंदर मनपा के प्रगतिशील और प्रभावी प्रशासन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है और भविष्य की सभी पहलों के लिए प्रेरणा होगी, ऐसा माननीय आयुक्त और प्रशासक राधाबिनोद ए. शर्मा (भारतीय सेना) ने कहा।

दिव्यांगजनों के लिए भर्ती हेतु सार्वभौमिक पहचान पत्र अनिवार्य

मुंबई। दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम 2016 के अनुसार, राज्य के सभी सरकारी, अर्ध-सरकारी एवं अन्य संस्थानों में विभिन्न पदों के लिए दिव्यांग उम्मीदवारों के लिए सार्वभौमिक पहचान पत्र अनिवार्य कर दिया गया है। इस संबंध में सरकारी निर्णय दिव्यांगजन कल्याण विभाग द्वारा जारी किया गया है।

विभिन्न सरकारी, अर्ध-सरकारी एवं अन्य सभी प्राधिकरणों, संस्थानों आदि में भर्ती हेतु आवेदन प्राप्त करते समय, दिव्यांगजनों के लिए आरक्षित पदों हेतु संबंधित दिव्यांगजनों का सार्वभौमिक पहचान पत्र क्रमांक दर्ज करना और प्रमाण पत्र की प्रमाणित प्रति संलग्न करना आवश्यक है।

सभी मंत्रालयिक विभागों के साथ-साथ उनके प्रशासनिक नियंत्रणाधीन सभी प्रतिष्ठानों, विभागाध्यक्षों, कार्यालयाध्यक्षों और स्वायत्तशासी संस्थाओं को अपने प्रतिष्ठानों में दिव्यांग आरक्षण के अंतर्गत कार्यरत अधिकारियों एवं कर्मचारियों के संबंध में कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। निःशक्तता आरक्षण के अंतर्गत नियुक्ति, पदोन्नति एवं अन्य शासकीय योजनाओं एवं रियायतों का लाभ ले रहे सभी निःशक्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों की जाँच की जाए कि उन्होंने अपना निःशक्तता प्रमाण-पत्र या सार्वभौमिक पहचान-पत्र प्रस्तुत किया है या नहीं तथा उनकी निःशक्तता का सत्यापन किया जाए। जिन निःशक्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने अपना निःशक्तता प्रमाण-पत्र या सार्वभौमिक पहचान-पत्र प्रस्तुत नहीं किया है, उनका सत्यापन कर उनका सत्यापन किया जाए।

यदि शासकीय सेवा में कार्यरत किसी अधिकारी या कर्मचारी के पास गलत या फर्जी निःशक्तता प्रमाण-पत्र/सार्वभौमिक पहचान-पत्र पाया जाता है, तो ऐसे सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के विरुद्ध निःशक्तजन अधिकार अधिनियम 2016 की धारा 91 के अनुसार कार्यवाही की जाए। उनके विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई भी की जाए। साथ ही, उन्हें प्राप्त लाभों की वसूली भी की जाए।

इसके पश्चात, यदि प्रशासकीय विभाग, नियुक्ति प्राधिकारी, स्थापना अधिकारी को किसी निःशक्त अधिकारी या कर्मचारी की निःशक्तता के संबंध में संदेह हो, तो नियुक्ति प्राधिकारी को ऐसे निःशक्त अधिकारी या कर्मचारी की निःशक्तता के साथ-साथ निःशक्तता प्रमाण-पत्र का भी सत्यापन करने का पूर्ण अधिकार होगा।

महाराष्ट्र को औद्योगिक क्षेत्र में प्रथम स्थान पर बनाए रखने के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं- उद्योग मंत्री डॉ. उदय सामंत

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई।उद्योग मंत्री उदय सामंत ने आश्वासन दिया कि राज्य सरकार महाराष्ट्र को औद्योगिक क्षेत्र में स्थायी रूप से 'प्रथम स्थान' पर बनाए रखने के लिए उद्यमियों को हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए तत्पर है।

वर्ष 2022-23 और 2023-24 के लिए 'महाराष्ट्र राज्य निर्यात पुरस्कार 2025' मराठी भाषा एवं उद्योग मंत्री डॉ. उदय सामंत द्वारा वितरित किए गए। वे इस अवसर पर बोल रहे थे। पुरस्कार वितरण समारोह में उपमुख्यमंत्री के प्रधान सचिव नवीन कुमार सोना, उद्योग सचिव डॉ. पी. अंबाल्गन, महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के सदस्य सचिव एम. देवेंद्र सिंह, औद्योगिक विकास आयुक्त दीपेंद्र सिंह कुशवाहा, अतिरिक्त विकास आयुक्त वैभव वाघमारे और पुरस्कार विजेता निर्यात उद्यमी उपस्थित थे।

उद्योग मंत्री डॉ. उदय सामंत ने कहा कि राज्य के निर्यात अनुपात को दस गुना बढ़ाने के लिए 12 नई नीतियां शुरू की जा रही हैं। एवीजीसी, जीसीसी, बांस, चमड़ा, एयरोस्पेस, इलेक्ट्रॉनिक्स जैसी नीतियां जल्द ही आने वाली हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि ये नीतियां उद्यमियों को राहत प्रदान करेंगी।

दावोस, जर्मनी और जापान जैसी विदेशी यात्राओं के दौरान हुए समझौतों से महाराष्ट्र में रिकॉर्ड निवेश बढ़ा है, ऐसा बताते हुए उद्योग मंत्री डॉ. सामंत ने कहा कि दावोस में पहले वर्ष 1.70 लाख करोड़ रुपये, दूसरे वर्ष 7 लाख करोड़ रुपये और तीसरे वर्ष 16 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए। उन्होंने गर्व व्यक्त किया कि महाराष्ट्र देश का पहला राज्य है जिसने इन समझौता ज्ञापनों का 80 प्रतिशत कार्यान्वयन किया है।

उद्योग मंत्री डॉ. सामंत ने उद्यमियों से अपील की कि पुरस्कार स्वीकार करते हुए वे महाराष्ट्र और देश की सेवा कर रहे हैं, इसलिए उन्हें इस बात पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए कि धरतीपुत्र को रोजगार कैसे मिले।

उन्होंने कहा कि रत्न एवं आभूषण क्षेत्र के उद्यमियों ने नवी मुंबई में आगामी परियोजना के लिए रत्नागिरी में पहला प्रशिक्षण केंद्र शुरू करने और स्थानीय युवाओं को न्यूनतम 40,000 रुपये वेतन प्रदान करने का सराहनीय कार्य किया है।

उद्योग स्थापित होने के बाद, स्थानीय रोज़गार और भूमि अधिग्रहण - दो कारणों से कानून-व्यवस्था की समस्या उत्पन्न होती है। इस समस्या के समाधान के लिए, उद्यमियों को स्थानीय लोगों की समस्याओं के समाधान हेतु पहल करनी चाहिए और उद्यमी संगठनों को इसमें अग्रणी भूमिका निभानी चाहिए। उन्होंने उम्मीद जताई कि मैत्री पोर्टल और मिलाप प्रणाली के कारण उद्यमियों का काम और अधिक तेज़ी और पारदर्शिता से हो रहा है।

उद्यमियों ने राज्य के विकास में बहुत बड़ा योगदान दिया है और मुख्यमंत्री रोज़गार सृजन योजना के तहत पिछले तीन वर्षों में 57 हज़ार उद्यमी तैयार किए गए हैं। अब जबकि महाराष्ट्र में उद्यमियों को विस्तार के लिए 'लाल कालीन' बिछा दिया गया है, बड़े निवेश केवल महाराष्ट्र में ही हो रहे हैं। इसी प्रकार, उद्योग मंत्री डॉ. सामंत ने पिछले दो वर्षों में 1.5 लाख बेरोज़गार युवाओं को रोज़गार प्रदान करने वाले उद्यमियों के लिए आभार व्यक्त किया।

उद्योग मंत्री डॉ. सामंत ने विभाग को कार्यशालाओं का आयोजन कर उद्यमियों को उद्योगों के लिए बनाई जा रही नीतियों से लाभान्वित करने के निर्देश भी दिए।

इस अवसर पर उद्योग मंत्री ने 'निर्यात रूपांतरण पुस्तिका' का विमोचन किया। साथ ही, निर्यात वृद्धि के लिए उत्कृष्ट कार्य करने वाले रत्नागिरी, नागपुर, गढ़चिरौली और लातूर के जिलाधिकारियों को प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में विकास आयुक्त दीपेंद्र सिंह कुशवाह ने अपने परिचयात्मक भाषण में विभाग के कार्यों की विस्तृत जानकारी दी। साथ ही, उपमुख्यमंत्री के प्रधान सचिव नवीन कुमार सोना, उद्योग सचिव डॉ. पी. अंबाल्गन ने भी अपने विचार प्रस्तुत किए।

रेलवे पुलिस की 39वीं खेलकूद प्रतियोगिता घाटकोपर में - 5 दिवसीय प्रतियोगिता

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

रेलवे पुलिस की 39वीं प्रतियोगिता 'लोहमार्ग खेलकूद प्रतियोगिता 2025' आज (14 अक्टूबर) से 18 अक्टूबर तक घाटकोपर स्थित मुख्यालय मैदान में आयोजित की जाएगी। इसमें मुंबई, पुणे, नागपुर और छत्रपति संभाजी नगर रेलवे पुलिस भाग लेगी। इसमें विभिन्न खेल खेले जाएंगे और बताया गया है कि लगभग 127 प्रतियोगी भाग लेंगे।

इस प्रतियोगिता के अवसर पर घाटकोपर के पूर्व में स्थित मैदान में महाराष्ट्र रेलवे पुलिस - कर्तव्य और खेलकूद का अनूठा संगम होगा।

39वीं क्षेत्रीय खेलकूद प्रतियोगिता केवल एक खेलकूद प्रतियोगिता नहीं है, यह पुलिस बल में एकता, कर्तव्यबोध और देशभक्ति का प्रतीक है। रेलवे पुलिस आयुक्त एम राकेश कलासागर ने कहा कि मैदान पर खेलते समय अधिकारियों और कर्मचारियों के बीच जो टीम भावना, आत्मविश्वास और आपसी सम्मान पैदा होता है, वही असली पुलिस शक्ति है। खेलों के माध्यम से प्रत्येक पुलिसकर्मी मजबूत, फिट और मानसिक रूप से सक्षम बनता है। खेल का अर्थ है आत्मविश्वास, अनुशासन और देश सेवा का एक नया संकल्प,

इस अवधारणा के साथ, रेलवे पुलिस महानिदेशक प्रशांत बुरडे के मार्गदर्शन और मुंबई रेलवे के पुलिस आयुक्त एम. राकेश कलासागर की अध्यक्षता में आज, 14 से 18 अक्टूबर तक इस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है।

इस बीच, इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाली टीमें आज (13 अक्टूबर) पहुँच गईं, और वास्तविक प्रतियोगिता कल से शुरू होगी।

यह भी बताया गया है कि इसमें निम्नलिखित खेल खेले जाएंगेः क्रॉस-कंट्री, ज्यदों, एथलेटिक्स, ताइक्वांदो, तैराकी, कुश्ती, हॉकी, पावर लिफ्टिंग, भारोत्तोलन, फुटबॉल, खो-खो, हैंडबॉल, कबड्डी, मुक्केबाजी, वॉलीबॉल, वुशु, बास्केटबॉल है।

राष्ट्रीय बाल पुरस्कार जीतने वाली त्रिशा का मनपा आयुक्त द्वारा सम्मान

मंत्र भारत। भाईदंर

सोमवार, 13 अक्टूबर को मीरा भयंदर मनपा आयुक्त एवं प्रशासक राधाबिनोद ए. शर्मा (बी.पी.एस.) ने कुमारी त्रिशा थोसर को सम्मानित किया।

त्रिशा ने 71वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों में सर्वश्रेष्ठ बाल कलाकार का पुरस्कार जीतकर मीरा भयंदर शहर का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया है।

आयुक्त ने त्रिशा की प्रतिभा और कड़ी मेहनत की प्रशंसा की और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

डेढ़ करोड़ रुपये की चोरी और गुम हुई कीमती वस्तुएं वापस मिला नागरिकों को

डीसीपी 8 मनीष कलवानिया के नेतृत्व में पुलिस का शानदार प्रदर्शन

मुंबई। पुलिस ने बीकेसी, खेरवाड़ी, विले पार्ले, सहार और हवाई अड्डा क्षेत्र से चोरी और गुम हुई 1 करोड़ 66 लाख 46 हजार 221 रुपये की कीमती वस्तुएं नागरिकों को लौटा दी हैं। यह कीमती वस्तुएं पुलिस परिमंडल 8 से 237 मूल0 यू मालिकों को लौटा दी गई हैं। आज परिमंडल 8 के 7 पुलिस थानों बीकेसी, खेरवाड़ी, निर्मल नगर, वाकोला, विले पार्ले, सहार और हवाई अड्डा द्वारा विभिन्न अपराधों में आरोपियों से जब्त कीमती वस्तुओं को वापस करने के लिए एक सामूहिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। परिमंडल 8 के पुलिस थानों ने सोने की चेन चोरी, जबरन डकैती, चोरी, मोटर वाहन चोरी आदि संपत्ति अपराधों में जब्त किए गए गुम हुए मोबाइल फोन से सीईआईआर प्रणाली का उपयोग करके मोबाइल फोन, कीमती गहने, वाहन, इलेक्ट्रॉनिक सामान, नकदी आदि बरामद किए हैं परिमंडल 8 के पुलिस उपायुक्त मनीष कलवानिया और सभी थानों के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षकों की उपस्थिति में 237 संपत्तियाँ उनके मूल मालिकों को लौटाई गईं। इस कार्यक्रम में लोगों ने पुलिस द्वारा आपराधिक संपत्ति के साथ-साथ गुमशुदा संपत्ति की बरामदगी पर खुशी जताई और पुलिस का आभार व्यक्त किया।

घाटकोपर में भीषण आग लगी, लेकिन कोई नुकसान नहीं

मुंबई। घाटकोपर पश्चिम में एक व्यावसायिक इमारत में भीषण आग लग गई। पुलिस ने कहा कि कोई नुकसान नहीं हुआ है। यह घटना दोपहर 2.35 बजे हुई और महानगर पालिका के कर्मचारियों, पुलिस और दमकल कर्मियों ने आग बुझाने की कोशिश की और आग पर काबू पा लिया गया है।

आग घाटकोपर में गोल्डन क्रश बिजनेस पार्क, एलबीएस मार्ग, श्रेयस टॉकीज के पास लगी। एक व्यक्ति ने संबंधित विभागों को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आग जमीन से नौ मंजिल पर एक व्यावसायिक इमारत के भूतल पर लगी। इस समय, महानगर पालिका के कर्मचारी, 108 एम्बुलेंस और अदानी इलेक्ट्रिसिटी के कर्मचारियों के साथ-साथ दमकल विभाग के कर्मचारी मौके पर पहुंचे और आग पर काबू पाया गया। इसे लेवल-2 घोषित किया गया है।

विश्व आपदा जोखिम न्यूनीकरण दिवस के अवसर पर एनएमएमपी द्वारा आयोजित विशेष कार्यक्रम

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

13 अक्टूबर को पूरे विश्व में विश्व आपदा जोखिम न्यूनीकरण दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस दिवस का लाभ उठाते हुए, आपदा जोखिम न्यूनीकरण के प्रति जागरूकता पैदा करने हेतु, नगर आयुक्त डॉ. कैलाश शिंदे के मार्गदर्शन में विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से विश्व आपदा जोखिम न्यूनीकरण दिवस मनाया गया।

नगर निगम मुख्यालय के ज्ञान केंद्र में अपर आयुक्त श्री सुनील पवार के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम में आपदा प्रबंधन विभाग की उपायुक्त श्री ललिता बाबर, नगर सचिव श्री चित्रा बाविस्कर, शिक्षा विभाग की उपायुक्त श्री संघरत्न खिल्लारे, अतिक्रमण विभाग की उपायुक्त डॉ. कैलाश गायकवाड़, उदयन विभाग की उपायुक्त श्री स्मिता काले, चिकित्सा अधिकारी डॉ. रत्नप्रभा चव्हाण, उप मुख्य अग्निशमन अधिकारी श्री पुरुषोत्तम जाधव, विद्युत विभाग के कार्यपालक अभियंता श्री प्रवीण गाडे, सुरक्षा अधिकारी श्री रामचंद्र वारे एवं अन्य गणमान्य उपस्थित थे।

इस अवसर पर, पिछले वर्ष विभिन्न प्रकार की आपात स्थितियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। उपायुक्त श्री ललिता बाबर और डॉ. कैलाश गायकवाड़ ने आपदाओं के संभावित खतरों और आपदा प्रबंधन विभाग की कार्यप्रणाली के बारे में जानकारी दी।

इसके बाद, सोनी मराठी धारावाहिक महाराष्ट्राची हास्य यात्रा के सुप्रसिद्ध कलाकार श्री कुणाल मेश्राम और उनके सहयोगियों ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से आपातकालीन स्थितियों में सतर्क रहने पर एक मनोरंजक और शिक्षाप्रद प्रस्तुति दी।

नवी मुंबई नगर निगम के आपदा प्रबंधन विभाग के माध्यम से नवी मुंबई नगर निगम के पाँच अग्निशमन केंद्रों को सर्प किट वितरित की गईं और उनके उपयोग के बारे में मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

इसी प्रकार, आपातकालीन स्थिति में क्या करें और क्या न करें, अग्नि से बचाव, सीपीआर, दैनिक जीवन में आपदाओं से खुद को कैसे बचाएं, और आपदाओं से होने वाले आर्थिक और मानसिक नुकसान को कैसे रोकें, इन विषयों पर व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। इस कार्यक्रम में आपदा प्रबंधन विभाग, अग्निशमन विभाग, सफाई कर्मचारी, अधिकारी-कर्मचारी और सुरक्षा विभाग के सुरक्षाकर्मी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

सम्पादकीय

कूटनीति बनाम मूल्यों की लड़ाई – तालिबान से संवाद में महिलाएं दरकिनार क्यों?

भारत में महिला सशक्तीकरण की तस्वीर को सिर्फ इतने से समझा जा सकता है कि आज यहां महिलाएं अमूमन हर क्षेत्र में पुरुषों के समकक्ष खड़ी हैं। वे किसी भी जिम्मेदारी या दायित्व के मामले में बेहतरीन नतीजे दे सकती हैं। मगर चाहे-अनचाहे कई बार ऐसी घटनाएं सामने आती हैं, जिसमें महिलाओं के खिलाफ दुराग्रह आम दिखते हैं।

गौरतलब है कि अफगानिस्तान की तालिबान सरकार के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी ने अपने भारत दौरे के क्रम में नई दिल्ली में शुक्रवार को जो संवाददाता सम्मेलन किया, उससे महिला पत्रकारों को बाहर रखा गया। जिस दौर में भारत की बहुत सारी महिला पत्रकार देश-दुनिया की मुख्यधारा की पत्रकारिता में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कर रही हैं, वैसे समय में किसी देश के विदेश मंत्री से सवाल करने वालों के बीच उन्हें जगह नहीं दी जाए, तो यह न केवल सामान्य औपचारिकता के खिलाफ है, बल्कि पत्रकारिता के मोर्चे पर बेहद सक्षम रही महिलाओं को कमजोर मानने की तरह है।

यह संभव है कि किसी देश के दूतावास के परिसर के संदर्भ में जो नियम-कायदे लागू होते हैं, उसके मुताबिक मेजबान देश के दखल की एक सीमा होगी। मगर यह विचित्र है कि संवाददाता सम्मेलन से महिला पत्रकारों को बाहर रखने के मसले पर सरकार की ओर से कोई औपचारिक विरोध दर्ज नहीं किया गया।

इस मुद्दे के तूल पकड़ने के बाद भारत के विदेश मंत्रालय ने एक स्पष्टीकरण जरूर जारी किया कि इस संवाददाता सम्मेलन में उसकी कोई भूमिका नहीं थी! सवालों से घिरने के बाद रविवार को मुत्ताकी के एक और संवाददाता सम्मेलन में महिला पत्रकारों को भी बुलाया गया। इसे सिर्फ गलती में सुधार की कोशिश ही कहा जा सकता है!

इससे पहले के संवाददाता सम्मेलन में महिलाओं को बाहर रखने के पीछे की मानसिकता सवालों से परे नहीं हो जाती। दुनिया भर में भू-राजनीतिक तकाजों के मुताबिक रणनीतिक रूप से किसी अन्य देश के साथ संवाद और संबंध के ऐसे प्रारूप तय किए जा सकते हैं, जिससे अपने देश के हित सुनिश्चित किए जा सकें। आतंकवाद के मोर्चे पर अफगानिस्तान के साथ संवाद कायम करना भारत के हित में हो सकता है, लेकिन इस क्रम में तालिबान के वैचारिक मानदंडों या मानसिकता को जगह देना कितना सही माना जा सकता है।

अफगानिस्तान में वर्ष 2021 में सत्ता में आने के बाद तालिबान की सरकार की राजनीतिक विचारधारा और सामाजिक सोच से जुड़े पूर्वाग्रह छिपे नहीं रहे हैं। खासतौर पर महिलाओं के जीवन को लेकर उसकी संकीर्णता जगजाहिर रही है। अफगानिस्तान की महिलाओं और उनके मानव अधिकारों पर चोट करने वाली तालिबान की मानसिकता पर भारत में एक ठोस विरोध रहा है।

मगर तमाम प्रगतिशील मूल्यों और अपेक्षाओं को दरकिनार करके तालिबान ने अफगानिस्तान की महिलाओं की शिक्षा और नौकरी से लेकर सार्वजनिक गतिविधियों तक को नियम-कायदे बना कर नियंत्रित किया। सवाल है कि अफगानिस्तान में अपनी वैचारिक राजनीति को मनचाहे तरीके से लागू करने वाले तालिबान को भारत में वैसा कर पाने की सुविधा कैसे मिली।

कायदे से संवाददाता सम्मेलन से महिलाओं को बाहर रखे जाने के मुद्दे पर सरकार से लेकर वहां गए पत्रकारों की ओर से भी आपत्ति उठनी चाहिए थी। महिलाओं के अधिकारों और उनके सशक्तीकरण के सवाल पर प्रगतिशील मूल्यों का वाहक रहे भारत में महिलाओं को दोयम समझने वाले किसी संकीर्ण मानदंडों की जगह नहीं होनी चाहिए।

क्या है लाल मस्जिद कांड की कहानी? जिसका अफगानिस्तान के दिल में है दर्द और पाकिस्तान से शुरू हुई जानी दुश्मनी

साल 1991 में आई फिल्म का एक दृश्य जब राजकुमार यानी ठाकुर साहब विवेक मुस्रान से पूछते हैं कि सबसे खतरनाक दुश्मन कौन होता है, तो जवाब आता है कोई गहरा या पुराना दोस्त। ऐसे ही दो दोस्त अब दुश्मन बन चुके हैं। वो भी एक दौर था जब अफगानिस्तान और पाकिस्तान एक दूसरे के पक्के दोस्त हुआ करते थे। वो भी एक दौर था जब पाकिस्तान अफगानिस्तान की मदद करता था। वो भी एक दौर था जब पाकिस्तान ने पूरी दुनिया के सामने तालिबान को मान्यता देकर उनका सपोर्ट किया था। पाकिस्तान खुफिया संगठन आईएसआई ने तालिबान की सैन्य और आर्थिक तौर पर जमकर मदद भी की थी। पाकिस्तान ने 1996 में तालिबान सरकार को मान्यता दी थी। लेकिन जैसे जैसे वक्त बदला तस्वीर भी बदल गई। जिन दो देशों को एक दूसरे का पक्का दोस्त माना जाता था। आज वो एक दूसरे के जानी दुश्मन बन गए। ऐसे में सवाल है कि ये सब कैसे हुआ? किस कारण दोनों दोस्त एक दूसरे के दुश्मन बन गए। आज हम अफगानिस्तान की पाकिस्तान संग दोस्ती से दुश्मनी तक का एमआरआई स्कैन करते हैं।

ये दुश्मनी साल 2007 से शुरू होती है। दरअसल, पाकिस्तान की लाल मस्जिद के कुछ इस्लामिक कट्टरपंथियों ने इस्लामाबाद के समाज सेंटर पर हमला करके 9 लोगों को किडनैप कर लिया। तीन जुलाई 2007 को पाकिस्तान की सेना ने इसका जवाब देते हुए लाल मस्जिद को घेरते हुए ऑपरेशन साइलेंस शुरू किया। इसके बाद लाल मस्जिद में बवाल शुरू हो गया। लाल मस्जिद के भीतर मौजूद इस्लामिक कट्टरपंथियों ने न सिर्फ फायरिंग की बल्कि कई सरकारी इमारतों को भी फूंक दिया। मस्जिद के भीतर मौजूद कट्टरपंथियों ने पाकिस्तान सेना के कमांडर लेफ्टिनेंट कर्नल हारून उल इस्लाम को गोली मारकर हालात को और बिगाड़ दिया था। इसके बाद दोनों के बीच जमकर गोली बारी शुरू हो गई। पाकिस्तान की तरफ से जारी ऑपरेशन में पाक सैनिकों और मस्जिद के भीतर मौजूद कट्टरपंथियों को मिलाकर करीब 100 से ज्यादा लोग इस ऑपरेशन में मारे गए।

इस ऑपरेशन में पाकिस्तान जीत गया था। लेकिन पाक के इस्लामिक कट्टरपंथी तत्कालीन राष्ट्रपति परवेज मुशर्रफ के खिलाफ हो गए थे। इसी वजह से टीटीपी बनी और जिसे तालिबान ने भी अपना समर्थन दिया। तहरीक ए तालिबान पाकिस्तान बनने के बाद पाकिस्तान के भीतर 88 बम ब्लास्ट हुए थे। जिनमें 1100 से ज्यादा लोग मारे गए थे और 3200 से ज्याादा घायल हुए थे। यहीं से दोनों देशों के बीच तकरार बढ़ती चली गई। देखते ही देखते दोनों देश एक दूसरे के कट्टर दुश्मन बन बैठे। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच इस दुश्मनी को और बढ़ाने का काम पाकिस्तान की एयर फोर्स ने किया। दिसबंर 2024 में पाकिस्तानी एयरफोर्स ने अफगानिस्तान पर एयर स्ट्राइक की और इस एक्शन के बाद दोनों के बीच तनाव बढ़ गया। इसके पीछे की वजह ये थी कि इन हवाई हमले में अफगानिस्तान के 46 लोगों की जान चली गई थी। इस हमले के बाद पाकिस्तान ने दावा किया था कि उन्होंने टीटीपी के आतंकियों को निशाना बनाया था। लेकिन अफगानिस्तान में सत्ता में मौजूद तालिबान ने कहा था कि ये शर्णार्थियों पर हमला है। इस घटना के बाद अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच तल्खियां बढ़ती चली गई।

पाकिस्तान ने काबुल पर एयर स्ट्राइक की, तो तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपीने 24 घंटे के भीतर खैबर पख्तूनख्वा में आत्मघाती हमला कर दिया। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, हमले में 50 से अधिक पुलिसकर्मी मारे जाने की आशंका है। हालांकि अधिकारियों ने सात मौतों की पुष्टि की, 13 लोग घायल बताए। हमला डेरा इस्माइल खान जिले के पुलिस ट्रेनिंग सेंटर पर हुआ। पाक मीडिया के मुताबिक विस्फोट के बाद भारी हथियारों से लैस आतंकियों ने घुसपैठ की कोशिश की, जिसे पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने नाकाम कर दिया।

उधर तालिबान वाला अफगानिस्तान दावा कर ही रहा था कि उसने पाकिस्तान के 58 सैनिक मार दिए। इधर पाकिस्तान ने भी हल्ला मचाया कि उसने अफगानिस्तान के 200 सैनिक मार गए। जवाबी कार्रवाई में 19 अफगान पोस्ट कब्जे में लिए। ये झड़प ऐसे समय हुई जब अफगान विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी भारत के दौरे पर हैं। पाकिस्तानी सेना ने दावा किया कि तालिबान और टीटीपी लड़ाकों ने पहले हमला किया, जिसमें 23 पाक सैनिक मारे गए और 29 घायल हुए। इसके बाद पाक सेना ने , जिनमें 200 तालिबान लड़ाके मारे गए। उधर, कतर के विदेश मंत्रालय ने दोनों पक्षों से बातचीत और संयम को प्राथमिकता देने का आग्रह किया है।

10 जनवरी 2025: पाक ने अफगानिस्तान में एयरस्ट्राइक्स किए, पाकिस्तान ने अफगान से सक्रिय चरमपंथी समूहों को जिम्मेदार बताया।

2 से 4 मार्च 2025: तोरखम/सीमा पर दोनों पक्षों की फायरिंग; दोनों पक्षों से कई घायल।

23 मार्च 2025: वजीरिस्तान में पाक ने 16 लड़ाकों के मारे जाने का दावा किया और अफगान सरकार से सुरक्षा कड़ी करने की मांग दोहराई।

25-28 अप्रैल 2025: वजीरिस्तान के पास बड़े पैमाने पर घुसपैठ की कोशिश नाकाम, पाक सेना ने 71 मिलिटेंट्स के मारे जाने का ब्योरा दर्ज।

28 अगस्त 2025: नंगरहार और खोस्त में पाक एयरस्ट्राइक; 3 नागरिकों की मौत, 7 घायल।

11-12 अक्टूबर 2025: अब नया तनाव।

132 साल पुराना डुरंड लाइन विवाद 1893 में ब्रिटिश राज ने जो सीमा तय की थी, अफगानिस्तान ने उसे कभी मान्यता नहीं दी। करीब 2, 640 किमी लंबी यह लाइन अफगान पश्तून इलाकों को दो हिस्सों में बांटती है। इसी को लेकर दोनों देशों में आए दिन झड़पें होती हैं।पाकिस्तान में करीब 30 लाख अफगान शरणार्थी रह रहे हैं। इनमें से 14 लाख के पास रजिस्ट्रेशन कार्ड हैं, बाकी को 'गैरकानूनी' बताते हुए पाकिस्तान ने निकालने का अभियान चलाया है। तालिबान ने इसे 'मानवीय संकट' कहा और चेतावनी दी कि लाखों लोगों को जबरन लौटाना दुश्मनी बढ़ाएगा।

अफगानिस्तान का लगभग पूरा व्यापार कराची और ग्वादर पोर्ट के जरिये होता है। पाकिस्तान जब चाहे सीमा पार के रास्ते बंद कर सकता है। इससे अफगानिस्तान की अर्थव्यवस्था पर सीधा असर पड़ता है। मेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अफगानिस्तान से बगराम एयरबेस वापस लेने के बयान पर अफगानिस्तान ने आपत्ति जताई है। पाकिस्तान को पाशनी पोर्ट देने की अमेरिकी दिलचस्पी से तालिबान सतर्क हो गया है। अफगान विशेषज्ञों का कहना है कि वॉशिंगटन-इस्लामाबाद की बढ़ती दोस्ती से काबुल को अपनी सुरक्षा और संप्रभुता पर खतरा महसूस हो रहा है।

खुश रहने की असली दवा - भरोसा करना सीखिए इंसानियत की वो सांस, जो दिखती नहीं पर जिंदा रखती है

एक कार्यशील समाज के लिए विश्वास आवश्यक है। जीवन में आगे बढ़ने के लिए हमें मूल रूप से उन लोगों पर भरोसा करने में सक्षम होना चाहिए, जिन्हें हम प्यार करते हैं। अपने दोस्तों और परिवार पर..। साथ ही अपने पड़ोसियों, सहकर्मियों और यहां तक कि उन लोगों पर भी, जिन्हें हम अच्छी तरह से नहीं जानते। मसलन, हमारे किराना दुकानदार और हमें दूध पहुंचाने वाले। शोधकर्ताओं ने दुनिया भर के सभी उम्र के ढाई लाख से अधिक प्रतिभागियों को शामिल करते हुए लगभग पांच सौ अध्ययनों के परिणामों का विश्लेषण किया, ताकि यह देखा जा सके कि भरोसा करने में सक्षम होने से उनके जीवन की संतुष्टि और खुशी पर क्या प्रभाव पड़ा।

उन्होंने पाया कि विश्वास और कल्याण एक साथ चलते हैं। दूसरों पर भरोसा करने से खुशहाली बढ़ी और बेहतर खुशहाली का एहसास किसी और पर ज्यादा भरोसा करने में मदद करता है। शोधकर्ताओं ने यह भी पाया कि जैसे-जैसे हम जीवन के विभिन्न चरणों से गुजरते हैं, भरोसा और उसका महत्त्व बदलता जाता है। बच्चों, किशोरों और बुजुर्गों के लिए भरोसा युवा या मध्यम आयु वर्ग के वयस्कों की तुलना में थोड़ा ज्यादा जरूरी है।

विश्वास का विकास शिशु उम्र से ही शुरू हो जाता है। स्नेहपूर्वक, ध्यानपूर्ण और संवेदनशील देखभाल पाकर शिशु सीखते हैं कि वे अपने आसपास के लोगों पर भरोसा कर सकते हैं और उनकी दुनिया एक सुरक्षित और दयालु जगह है। दूसरी ओर, अगर उन्हें कठोर, अनियमित या उपेक्षापूर्ण देखभाल मिलती है, तो वे इसके विपरीत सीखेंगे, जिससे उन्हें बाद में मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा। जैसे-जैसे बच्चे बड़े होते हैं, वे अनुभव से सीखना शुरू करते हैं कि हर कोई भरोसेमंद नहीं होता।

शोध बताते हैं कि पांच साल की उम्र के बच्चे भी उस वयस्क को पहचान लेते हैं जो उन्हें धोखा देने की कोशिश कर रहा है, और उस व्यक्ति के सच बोलने पर भरोसा नहीं करेंगे। इसका मतलब है कि बच्चों को भरोसा दिलाने के लिए हमें खुद भी भरोसेमंद होना चाहिए। जैसे-जैसे बच्चे किशोरावस्था में प्रवेश करते हैं, दूसरों पर भरोसा करना उनके लिए आवश्यक सहकर्मी संबंधों को विकसित करने के लिए महत्त्वपूर्ण बना रहता है। इस दौरान ऐसे मित्रों और मार्गदर्शकों की आवश्यकता होगी जिन पर वे भरोसा कर सकें।

भले ही किशोर खुद को माता-पिता से अलग करना सीख जाते हैं और अधिक दूर या सहकर्मी-केंद्रित लग सकते हैं, माता-पिता उनके विकास के लिए महत्त्वपूर्ण बने रहते हैं, भले ही इस प्रक्रिया से विश्वास कम हो जाए। हालांकि दूसरों पर भरोसा करना सीखने की शुरुआत बचपन में ही हो सकती है, लेकिन दूसरों पर भरोसा करने की क्षमता और जरूरत, खासकर पारस्परिक संबंधों में, जीवन भर बढ़ती रहती है। चूंकि मधुर, घनिष्ठ संबंध हमारी भलाई के लिए बहुत महत्त्ववपूर्ण हैं और विश्वास मजबूत संबंध बनाने में मदद करता है, इसलिए यह समझ में आता है कि अधिक भरोसेमंद और विश्वसनीय होने से हमारी सकारात्मक भावनाएं और जीवन संतुष्टि बढ़ेगी।

अपने व्यापक समुदाय से जुड़े रहना, इसके लिए थोड़ा अधिक संवेदनशील होना और दूसरों की सामान्य अच्छाई पर भरोसा करना आवश्यक हो सकता है। हालांकि

पूर्वाग्रह हमें उन लोगों पर भरोसा करने से रोक सकते हैं, जो हमसे अलग दिखते, सोचते या कार्य करते हैं। अध्ययनों में पाया गया है कि जिन नागरिकों का अपनी सरकार और अपनी संस्थाओं पर अधिक भरोसा होता है, वे भी अधिक खुश रहते हैं।

वृद्धावस्था में विश्वास और भी महत्त्वपूर्ण हो जाता है। जहां कई बुजुर्गों के लिए अपने परिवार और दोस्तों में से करीबियों पर भरोसा करना सबसे जरूरी है, वहीं दूसरे भरोसेमंद रिश्ते भी मायने रखते हैं। बुजुर्ग लोग अक्सर उम्र बढ़ने के साथ अपने पड़ोसियों और यहां तक कि अजनबियों पर भी ज्यादा भरोसा करते हैं, क्योंकि कमजोर रिश्ते शारीरिक या संज्ञानात्मक गिरावट के दौर में (खासकर अगर उनके करीबी रिश्तेदार चले जाएं या उनका निधन हो जाए) सांत्वना और सहायता का स्रोत बन सकते हैं।

बेशक, बुजुर्गों को दूसरों पर अंधाधुंध भरोसा नहीं करना चाहिए, फिर भी उन्हें दूसरों पर अपना समग्र विश्वास खोने की जरूरत नहीं है। बशर्ते वे किसी पर भरोसा करने से पहले उसकी विश्वसनीयता की जांच कर सकें।

यों तो हर व्यक्ति, चाहे उसकी उम्र या लिंग कुछ भी हो, भरोसेमंद और विश्वसनीय होने से लाभान्वित हो सकता है, लेकिन अविश्वास को बढ़ावा देने वाले समाज में यह बहुत कठिन हो सकता है। अगर हम किसी तानाशाही शासन में रह रहे हैं या जहां राजनीतिक भ्रष्टाचार, हिंसक अपराध या नागरिकों पर अवैध निगरानी का बोलबाला है, तो हमारे लिए दूसरों पर भरोसा करना मुश्किल या खतरनाक भी हो सकता है।

फिर भी, भरोसा न करना हमारे स्वभाव में नहीं है। मनुष्य होने के नाते हम जीवित रहने के लिए एक-दूसरे की सद्भावना पर निर्भर हैं। अपने परिवारों, सामाजिक दायरे, आस-पड़ोस और संस्थाओं में विश्वास को जीवित रखकर हम सभी के लिए एक ज्यादा भरोसेमंद और खुशहाल समाज बनाने में मदद कर सकते हैं।

नोबेल से लेकर मोहल्ला क्लिनिक तक, वैज्ञानिकों ने खोजा शरीर का 'मास्टर स्विच', जो बीमारियों को रोकेगा

अपने भीतर रोगों से बचाव की क्षमता बढ़ाने की चाह कौन नहीं करता? जहां तक भारत का सवाल है, तो यहां देश के कोने-कोने में लोगों को असाध्य रोगों से बचाने के लिए क्षमता विकसित करने के ऐसे प्रयास किए गए कि वह स्वास्थ्य के एक ढांचे के रूप में वास्तविक हितकारी साबित होने के बजाय नेताओं के लिए प्रचार पाने के ही काम आए। फिर भी चिकित्सा के क्षेत्र में हमारा देश किसी से कम नहीं है, लेकिन यह भी तथ्य है कि देश के निर्धन लोगों के लिए बीमार हो जाने पर उनका जीना मुहाल हो जाता है।

सरकार ने केंद्रीय और राज्य स्तर पर बहुत-सी मुफ्त उपचार बीमा योजनाएं भी शुरू कर रखी हैं। वृद्धों को भी उनकी बीमारियों की स्थिति में संरक्षण दिया जा रहा है। वरिष्ठ नागरिक स्वास्थ्य बीमा योजना भी शुरू की जा चुकी है। इससे इतर, पंजाब सरकार ने भी ऐसी चिकित्सा बीमा योजना राज्य के हर परिवार के लिए घोषित कर रखी है। हालांकि देश में जहां वरिष्ठ नागरिकों के लिए योजना के तहत पांच लाख रुपए की राशि तय की गई है, वहीं पंजाब में इसे दस लाख रुपए तक रखा गया है।

जब इस तरह की योजनाएं घोषित होने के बाद लागू होती हैं, तो आम आदमी खुश हो जाता है। उसे लगता है कि निजी क्षेत्र में चलाए जाने वाले बड़े अस्पतालों के भारी-भरकम बिल से उसे छुटकारा मिल जाएगा। वह अपने आप को ऐसा भाग्यवान नागरिक मान सकता है, जिसे कभी कोई रोग लग जाए, तो उसके निदान और उपचार का दायित्व सरकार के ऊपर रहेगा। संबंधित स्वास्थ्य कार्ड दिखाते ही मुफ्त इलाज हो जाएगा। लेकिन जमीनी हकीकत कुछ अलग है।

अब भी सार्वजनिक क्षेत्र में चलने वाले सरकारी अस्पताल या पंजाब में चलाए गए मोहल्ला क्लिनिक बेहतर उपचार का वचन तो देते हैं, लेकिन बहुत बार ऐसे वचन पूरे होते नजर नहीं आते। दरअसल, निजी अस्पतालों का कहना है कि जब वे स्वास्थ्य कार्ड वाले मरीजों का उपचार करते हैं, तो सरकार की ओर से तुरंत भुगतान नहीं किया जाता। इसलिए कई बार निजी अस्पताल मरीजों को दाखिल करने से इनकार कर देते हैं।

कभी तपेदिक यानी टीबी से लोग बहुत डरते थे। इसे जानलेवा समझकर किसी आरोग्य आश्रम में रहने लगते थे। अब यह रोग नियंत्रित हो गया है। बिल्कुल यही हाल डेंगू बुखार का भी हो गया है। कोरोना ने दो साल तक मानव जाति को जिस प्रकार आर्थिक और सामाजिक संकट में डाला, उसे भी कोई भूल नहीं सकता। इस संदर्भ में देखें तो किसी भी नए मौलिक या उपयोगी काम के लिए सबसे बड़ा पुरस्कार नोबेल सम्मान को माना जाता है।

पिछले कुछ वर्षों से जो नोबेल सम्मान घोषित हो रहे हैं, उनमें इस समय मानव जाति के कल्याण को प्रोत्साहित करने वाला चिकित्सा का नोबेल पुरस्कार है। इस बार अमेरिका और जापान के वैज्ञानिकों के नाम 'मेडिसिन' के लिए इस सम्मान की घोषणा हुई। उनके नाम हैं मैरी ई ब्रांको, फ्रैड रैंच डेल और शिमोन साकागुची। इन विद्वान वैज्ञानिकों ने न केवल इंसान के 'इम्यून सिस्टम' यानी रोग प्रतिरक्षा तंत्र को बढ़ाने के मामले में शोध किया है, बल्कि मनुष्य के अंदर प्रतिरक्षा तंत्र से जूझने वाली शत्रु कोशिकाओं को भी बेअसर किया और बाहर से इंसान के प्रतिरक्षा तंत्र पर कोई हमला न कर दे, इसके लिए 'मास्टर स्विच' भी खोजा है।

इन तीनों वैज्ञानिकों का मुख्य शोध या अध्ययन कैंसर और मधुमेह में रहा और वे इसमें नए शोध को सामने लाने का प्रयास भी कर रहे हैं। इस युगांतकारी विश्लेषण को आसान शब्दों में समझने के लिए हम कह सकते हैं कि खास तरह की कोशिका प्रतिरक्षा तंत्र को इंसानी शरीर को अपने अंदर तलाश करना होता है और अगर गलती से कोई कोशिका इस तंत्र की ताकत को समझ न पाने के कारण उस पर हमला कर दे, तो वे उसे रोक सकते हैं। यानी ये खोज बताती है कि हमारे शरीर का प्रतिरक्षा तंत्र और उसकी प्रतिक्रिया कैसे नियंत्रित होती है। साथ ही, कहां यह प्रणाली गड़बड़ हो जाती है और अपने मूल प्रतिरक्षा तंत्र तक कैसे पहुंचा जा सकता है।

यानी यह इलाज का एक नया तरीका है। इसे एक क्रांतिकारी बदलाव भी कह सकते हैं। यह रोग प्रतिरक्षा प्रणाली हमारे शरीर में हजारों किस्म के जीवाणुओं को घुसने से रोकती है। ये जीवाणु मानव कोशिकाओं जैसे होते हैं और यह समझना मुश्किल हो जाता है कि शरीर में हजारों कोशिकाओं में से कौन शरीर का बचाव करेगा और कौन शरीर का दुश्मन बन जाएगा। यों यह प्रतिरक्षा तंत्र को बड़ी सुरक्षा है, जो बाहर से आने वाले रोगों, विषाणु या जीवाणु को रोकता है, मारता है। लेकिन गड़बड़ यह है कि कई बार ये 'सुरक्षा सेना' अपने ही शरीर के छिपे विषाणुओं को पहचान नहीं पाती।

अब पुरस्कार प्राप्त तीनों वैज्ञानिकों की भूमिका पर गौर किया जाए, तो सन् 1995 में शिमोन साकागुची ने शरीर में मौजूद 'शांति रक्षक सैनिक' यानी सुरक्षा कोशिकाओं की तलाश की। इन कोशिकाओं का ताल्लुक लड़ाई शुरू करना नहीं, बल्कि अन्य हमलावर कोशिकाओं को रोकना है।

यह भी देखना है कि ये कोशिकाएं रास्ता भटककर अपने ही शरीर की हानि न पहुंचा दें। यह एक स्थापित ज्ञान को चुनौती थी, क्योंकि प्रायः उपचार विशेषज्ञ यह समझते थे कि जो प्रतिरक्षा तंत्र हमारे शरीर में है, वह हमेशा लाभदायक होता है और उससे संक्रमण का कोई डर नहीं है, बल्कि यह बाहर से होने वाले संक्रमण से बचाता है। इसका अर्थ यह है कि इन तीनों वैज्ञानिकों ने और विशेषकर शिमोन साकागुची ने यह बताया कि हर शरीर में एक सहन करने वाली ताकत भी बन जाती है। यह केंद्रीय सहन करने वाली ताकत है।

यह खोज बहुत समय से हो रही थी। वर्ष 2001 में इसके लिए एक 'मास्टर कवच' खोजा गया, जिसने पाया कि प्रतिरक्षा प्रणाली अगर बेकाबू हो जाए तो अपने ही शरीर को नुकसान पहुंचाने लगती है। अगर यह अनियंत्रित रहे तो इंसानी शरीर में 'आइपैक्स सिंड्रोम' भी पैदा हो सकता है। इन तीनों वैज्ञानिकों का शोध बहुत मूल्यवान है, क्योंकि इसके जरिए बड़ी तेजी से बीमारियों की जड़ तक पहुंचा जा सकता है और इलाज के नए तरीके भी विकसित किए जा सकते हैं।

इस समय इन 'टी सेल' के दो सौ चिकित्सीय परीक्षण चल रहे हैं। इसके निष्कर्ष आने में अभी वक्त है, लेकिन ये परीक्षण निश्चित रूप से इस प्रतिरक्षा प्रणाली की उपादेयता के हक में होंगे। मगर कैंसर की कोशिकाएं जैसी कुछ असाध्य बीमारियां, जो आजकल आदमी को मौत का संदेश लगती हैं, उन्हें 'रेगुलेटरी टी सेल' पहचानने और खत्म करने में भूमिका निभा सकते हैं। एक और बड़ी चुनौती तब आती है, जब अंग प्रत्यारोपण करना पड़ता है। जैसे घुटनों को बदलना या गुर्दा और यकृत के दानकर्ताओं से दान लेकर रोगी व्यक्ति को लगाना।

चिंता की बात यह है कि प्रत्यारोपित गुर्दा या यकृत कई बार नए शरीर को स्वीकारने से इनकार कर देता है। अब अगला कदम इन चिकित्सा विशेषज्ञों का यह है कि अगर ऐसे अंगों का प्रत्यारोपण होता है, तो वह शरीर के साथ पूरी तरह सहज हो जाए। इस तरह, खून या अंगों के न मिलने को विज्ञान की यह प्रगति सहज और सुलभ बना सकती है।

संगीत गायन लोकसमूह में प्रयागराज ने बिखेरी चमक : कला उत्सव कुंभ की धरती पर कला को देगा नया आयाम-महापौर

प्रयागराज प्रथम, इटावा, सोनभद्र ने द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त किया

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। सेंट एंथोनी गर्ल्स कालेज में 18 मंडलों से आई प्रतिभाओं ने हर किसी को आज चमत्कृत किया। तीन दिव्यांग विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों ने भी प्रभावित किया। प्रतिभाओं के मूल्यांकन के लिए अलग, अलग विधाओं के मर्मज्ञ मौजूद रहे। संगीत गायन लोक समूह के मुकाबले में यूं तो कोई किसी से कमतर नहीं था लेकिन, बांध के पिरितिया की डोर चल खेतवा की ओर जहां जोहे चितचोर... की प्रस्तुति जब संगम नगरी की टीम ने दी तो हर कोई भाव विभोर हो उठा। इसी दल ने प्रथम पुरस्कार जीता जबकि इटावा और सोनभद्र के विद्यार्थियों ने क्रमशः द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त किया। नतीजों से इतर देखें तो प्रस्तुतियों ने ढेरों संदेश भी दिए। आजमगढ़ के विद्यार्थियों ने अपने अभिनय से बालिकाओं को बचाने के लिए प्रेरित किया। नघु नाटिका समूह की प्रतिस्पर्धा में चित्रकूट, झांसी और सोनभद्र के छात्र छात्राओं ने क्रमशः पहला,

दूसरा और तीसरा स्थान हासिल किया। नृत्य लोक समूह में आगरा, मीर्जापुर क्रमशः पहले और दूसरे स्थान पर रहे जबकि लखनऊ और जालौन को संयुक्त रूप से तीसरा थान दिया गया। संगीत वादन एकल में मथुरा, बेरली, अमेठी, वाद्य वृंद में वाराणसी, जालौन, गोरखपुर ने क्रमशः पहला, दूसरा और तीसरा स्थान प्राप्त किया।

इससे पूर्व आयोजन की शुरुआत डीआइओएस पीएन सिंह ने अतिथियों के स्वागत से की। यह उत्सव हमारी विरासत को कलाओं से जोड़ते हुए विद्यार्थियों को मंच देने वाला है। मुख्य अतिथि महापौर गणेश केसरवानी थे। उन्होंने कहा कि यह कला उत्सव कुंभ की धरती पर कला को नया आयाम देने वाला है। यह आयोजन प्रदेश की युवा शक्ति के लिए प्रेरणादायी है। इसके जरिए विद्यार्थियों में स्व के भाव को जागृत कर सकते हैं। उन्हें अपनी संस्कृति और संस्कार से जोड़ते हुए लोकरंग को भी जीवंत बना सकते हैं। इस मौके पर बनारस घराने, प्रयागराज घराने, भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय, प्रयाग संगीत समिति, इलाहाबाद विश्वविद्यालय के विशिष्टजन मौजूद रहे।

कला उत्सव में लुप्त होती विधाओं जैसे पारंपरिक कहानी वाचन का कौशल भी विद्यार्थियों ने दिखाया। गोरखपुर प्रथम, अलीगढ़ द्वितीय और मीर्जापुर तृतीय रहा। इस विधा में अन्य मंडलों से आई टीम ने भी छाप छोड़ी। अयोध्या के विद्यार्थी ऋषि व वैशाली ने कर्ण व कुंती की कहानी सुनाकर सब को बांधे रखा। संगीत गायन शास्त्री एकल के मुकाबले में वाराणसी ने सब को पीछे छोड़ दिया। गाजियाबाद और बरेली के विद्यार्थी दूसरी और तीसरे स्थान पर रहे। स्वदेशी खेल खिलौने समूह में अलीगढ़, देवरिया, मेरठ, नृत्य शास्त्रीय एकल में गाजियाबाद, आगरा, लखनऊ, दृष्यय कला त्रिआयामी एकल में झांसी, सहारनपुर, बांदा की चमक दिखाई दी। ये टीमें पहले दूसरे और तीसरे स्थान पर रहीं। दृश्य कला द्विआयामी एकल में जालौन, गाजीपुर, महाराजगंज, संगीत वादन एकल में बरेली, जालौन और बलिया ने क्रमशः प्रथम द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त किया।

समारोह में शामिल होने आए जेडी आगरा मंडल डा. मुकेश अग्रवाल ने आयोजन को सराहते हुए कहा कि मैं यहां देखने आया हूं कि किसी तरह से भव्य आयोजन कराया जा सकता है। अगले सत्र के आयोजन की मेजबानी की इच्छा जाहिर की। इस पर संयुक्त निदेशक, समग्र शिक्षा शांत्वना तिवारी ने उन्हें अगले वर्ष के लिए मेजबानी देने की घोषणा कर दी। समारोह में संयुक्त शिक्षा निदेशक प्रयागराज मंडल आरएन विश्वकर्मा ने कहा कि, यह आयोजन हमारे विद्यार्थियों को सकारात्मक दिशा देने वाला है। संचालन डा प्रभाकर त्रिपाठी ने किया।

लोकधुनों संग झूम उठा दीपावली शिल्प मेला छठवें दिन बैगा परधौनी नृत्य ने बांधा समा

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा एक भारत श्रेष्ठ भारत के अंतर्गत आयोजित दीपावली शिल्प मेले में सोमवार की शाम लोककला और संस्कृति का अद्भुत संगम देखने को मिला। रंगारंग प्रस्तुतियों ने दर्शकों का मन मोह लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि प्रो. जनक पाण्डेय, पूर्व कुलपति (केंद्रीय विश्वविद्यालय, बिहार) एवं केंद्र निदेशक सुदेश शर्मा द्वारा दीप प्रज्ज्वलन से किया गया।

सांस्कृतिक संध्या का आगाज़ कलाकार यज्ञराम ने निर्गुण भजनों से किया। 'भज मन राम नाम सुरददायी', 'जो चाहे आप जगत में अपनी मूढ़ भलाई', 'चुनरी काहे न रंगायू गोरी पाँच रंग मा', 'कोई न होय मोर साथी भजन बिना' जैसे भजनों की भावपूर्ण प्रस्तुति ने श्रोताओं को आत्मिक आनंद से भर दिया। इसके बाद भोजपुरी गायक धर्मेश दीक्षित ने 'पूरबी बयारिया उड़ावेला चुनरिया', 'राजा जनक जी की पतली डगरिया', 'गवना झूठे कईके ले अईलस' और 'इंटरनेशनल लिट्टी चोखा' जैसे लोकप्रिय गीतों से पूरे माहौल को लोकसंगीत के रंग में रंग दिया। लोकनृत्यों की श्रृंखला में मुकेश कुमार एवं दल ने 'रावण वध कर आए, श्रीराम घर लौट आए, चलो घर-घर दिवाली मनाएं' गीत पर आकर्षक फरवही नृत्य प्रस्तुत कर दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। इसके साथ ही पद्मअर्जुन धुर्वे एवं उनके साथी कलाकारों द्वारा कर्मा और बैगा परधौनी नृत्य की प्रस्तुति ने दर्शकों को मध्य भारत की जनजातीय संस्कृति से रूबरू कराया। कार्यक्रम का संचालन अभिजीत मिश्रा ने किया।

पीडीए की एकजुटता से भाजपा घबराई

डॉ राजपाल कश्यप स्नातक एमएलसी चुनाव को लेकर सपा पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ की बैठक में बोले पूर्व मंत्री डॉ कश्यप-महिला सभा ने मतदाता फार्म भराने पर दिया जोर

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। स्नातक एमएलसी चुनाव की तैयारियों को लेकर सपा पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री डॉ राजपाल कश्यप ने आज सपा के जिला कार्यालय जार्ज टाउन में प्रकोष्ठ के पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं की बैठक की।

बैठक को सम्बोधित करते हुए पूर्व मंत्री डॉ राजपाल कश्यप ने कहा की सपा मुखिया मा अखिलेश यादव की अपील पर प्रदेश भर में पीडीए की लगातार एकजुटता से भाजपा पूरी तरह घबराई हुई है।कहा की भाजपा सरकार में पिछड़े, दलित, अल्पसंख्यक, महिलाएं सहित कमजोर लोग शोषण और अत्याचार के शिकार हो रहे हैं, उन्होंने कहा कि सत्ता धारी भाजपा अभी तक कैंडिडेट नहीं घोषित कर पाई जबकि सपा ने उम्मीदवार के नाम की घोषणा कर दी है। उन्होंने कहा कि प्रदेश भर में स्नातक एवं शिक्षक एमएलसी की कुल 11सीटों पर चुनाव होने हैं, जिसमें सर्वाधिक सीटों पर सपा के उम्मीदवार जीतेंगे।बैठक में अभी तक भराये गए मतदाता फार्म की समीक्षा करते हुए अधिक से अधिक फार्म भराये जाने के लिये पदाधिकारियों से अपील की।

सपा महिला सभा की गंगापार इकाई अधिक श्रीमती प्रतिमा रावतएवं महासचिव पद्मा यादव ने भी बैठक कर महिला सभा के पदाधिकारियों से अधिक से अधिक फार्म भरवाने की अपील की।

बैठक में एमएलसी डॉ मानसिंह यादव ने पुनः प्रत्याशी घोषित किये जाने पर राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं प्रदेश अध्यक्ष के प्रति आभार जताते हुए मतदाता फार्म भरे जाने की प्रक्रिया और तकनीकी जानकारी कार्यकर्ताओं को दी।

बैठक में प्रमुख रूप से एम एल सी डॉ मानसिंह यादव, जिलाध्यक्ष अनिल यादव, इफ़्तेख़ार हुसैन, पप्पू लाल निषाद, अमर नाथ मौर्य, रमाकांत पटेल, पार्षद नेम यादव, महेन्द्र निषाद, वजीर खां, मनीष यादव बबलू, पंचू यादव, इन्दु यादव, प्रेम चंद्र, अनिल वर्मा, संदीप बिन्द, प्रतिमा रावत, राकेश वर्मा, मंगला पाल, राजकुमारी, माधुरी गौतम, प्रमिला यादव, सुषमा पासी, सुजीता यादव, रुपाली, आशा त्रिपाठी, जागृति गुप्ता, बृज वासिनी, मीना, अनुराधा अम्बेडकर, कविता, हरेंद्र यादव, राजकुमार यादव, हंसराज बिन्द, रामराज, जोखूलाल बिन्द, रोशन लाल प्रजापति, जितेंद्र बिन्द आदि मौजूद रहे।

त्योहारों को देखते हुए नगर आयुक्त ने किया घाटों का निरीक्षण

स्वच्छता, प्रकाश व्यवस्था एवं संचारी रोग नियंत्रण हेतु दिए निर्देश

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। आगामी दीपावली एवं अन्य त्योहारों को दृष्टिगत रखते हुए आज नगर आयुक्त महोदय साईं तेजा धँए ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों का भ्रमण कर स्वच्छता व्यवस्था का निरीक्षण किया।

नगर आयुक्त ने डोर-टू-डोर कूड़ा संग्रहण एवं पृथक्करण व्यवस्था का जायज़ा लेते हुए सभी जोनल अधिकारियों को निर्देशित किया कि किसी भी परिस्थिति में कूड़ा सड़क पर न आने पाए। उन्होंने कहा कि दीपावली के दौरान घरों एवं बाजारों से निकलने वाले अतिरिक्त कचरे को तत्काल प्रभाव से एकत्र कर निस्तारित किया जाए, इसके लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त वाहन, संसाधन एवं कर्मियों की तैनाती सुनिश्चित की जाए।

इसके उपरांत नगर आयुक्त ने प्राचीन बलुआघाट, काली घाट, मौजगिरी घाट एवं अरेल घाट का स्थल निरीक्षण किया। उन्होंने बाढ़ के बाद घाटों पर जमी मिट्टी को हटाने के लिए अपर नगर आयुक्त दीपेन्द्र कुमार यादव एवं अवर अभियंता राम सक्सेना को निर्देशित किया कि अतिरिक्त रोबोटिक मशीन, जेसीबी एवं डंपर लगाते हुए सभी घाटों की दीपावली के पहले सफाई सुनिश्चित करे। साथ ही घाटों पर प्रकाश व्यवस्था को सुदृढ़ करने, फॉगिंग और एंटी लार्वा छिड़काव कार्यों को और तेजी से संचालित करने के निर्देश भी दिए। नगर आयुक्त ने घाटों एवं आसपास के क्षेत्रों में निरंतर जन जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए, ताकि नागरिकों को स्वच्छता एवं सिंगल यूज़ प्लास्टिक मुक्त घाट बनाने के लिए प्रेरित किया जा सके।

निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त ने अरेल घाट पर स्थित

बायो-सीएनजी गैस प्लांट का भी निरीक्षण किया। उन्होंने गीले कचरे से सीएनजी गैस निर्माण की प्रक्रिया को तेज करने के निर्देश संबंधित वेंडर को दिए। उन्होंने कहा कि प्रयागराज को शून्य कचरा शहर बनाने के लक्ष्य की दिशा में सभी विभाग समन्वय के साथ कार्य करें ताकि शहर स्वच्छ और सुंदर बन सके।

निरीक्षण के दौरान संबंधित पार्षदगण सतीश केसरवानी, सहायक नगर आयुक्त सुदीपशिखा पांडे, संबंधित जोनल अधिकारी संजय ममगाई और अखिलेश त्रिपाठी तथा नगर निगम प्रयागराज के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

बेनी माधव सिंह पीजी कॉलेज में शुरू हुई 69वीं तहसील स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता

31 विद्यालयों की टीमों ने लिया हिस्सा, खिलाड़ियों में उत्साह

मंत्र भारत संवाददाता

थरवई। तहसील स्तरीय माध्यमिक विद्यालयी एथलेटिक्स प्रतियोगिता 2025 का दो दिवसीय कार्यक्रम सोमवार को बेनी माधव सिंह पी.जी. कॉलेज के क्रीड़ा मैदान में आरंभ हुआ। उद्घाटन मुख्य अतिथि कृपा राम मिश्र (अध्यक्ष, बीबीएस ग्रुप ऑफ स्कूल एंड कॉलेज) ने माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन कर किया।कार्यक्रम में मंडलीय क्रीड़ा समिति के सचिव राजकुमार, प्रधानाचार्य वेद प्रकाश मिश्र, अमर सिंह पटेल, राजेश सरोज सहित कई गणमान्यजन मौजूद रहे। अतिथियों का माल्यार्पण एवं स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया गया। प्रतियोगिता में सोरांव तहसील क्षेत्र के 31 विद्यालयों की टीमों ने भाग लिया। पहले दिन विभिन्न वर्गों की 800 मीटर दौड़ और शॉटपुट स्पर्धाएँ हुईं। अंडर-19 वर्ग में आकाश (एमडी इंटर कॉलेज) व खुशी पटेल (रामेश्वर प्रसाद इंटर कॉलेज) ने 800 मीटर दौड़ में बाजी मारी, जबकि शॉटपुट में मो. अब्दुल्ला और खुशबू (शेरवानी इंटर कॉलेज) विजेता रहे।कार्यक्रम के आयोजन सचिव विनोद कुमार पटेल ने अतिथियों का स्वागत किया। प्रधानाचार्या एवं संयोजक उषा सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। प्रतियोगिता का संचालन प्रियांशु विश्वकर्मा ने किया। यह आयोजन सोरांव की खेल परंपरा और युवाओं के उत्साह का प्रतीक बना हुआ है।

यूपीएएस चुनाव में प्रयागराज के डॉ. संतोष सिंह की शानदार जीत, भारी मतों से बने कार्यकारिणी सदस्य

जनसेवा और सर्जरी शिक्षा के क्षेत्र में नई ऊर्जा लाने का संकल्प

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश एसोसिएशन ऑफ सर्जन्स ऑफ इंडिया (यूपीएएस) के हाल ही में सम्पन्न कार्यकारी समिति के सदस्य 2025 में प्रयागराज के प्रसिद्ध शल्य चिकित्सक डॉ. संतोष कुमार सिंह ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कार्यकारी समिति के सदस्य पद पर भारी मतों से जीत दर्ज की।

राज्यभर में कुल 926 सर्जनों ने इस ऐतिहासिक ई-वोटिंग चुनाव में भाग लिया। डॉ. सिंह को 509 मत प्राप्त हुए, जो उन्हें शीर्ष विजेताओं में स्थान दिलाते हैं। यह पहली बार था जब राज्य के सर्जनों के लिए इस स्तर का चुनाव ऑनलाइन प्रणाली से सम्पन्न हुआ।

इस चुनाव में प्रयागराज, गोरखपुर, लखनऊ, आगरा, कानपुर और अन्य शहरों के वरिष्ठ सर्जनों ने बढ़-चढ़कर भागीदारी की।

डॉ. संतोष सिंह वर्तमान में मोतीलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज एवं स्वरूप रानी नेहरू अस्पताल, प्रयागराज के सर्जरी विभाग में सहायक प्राध्यापक के रूप में कार्यरत हैं। वे अपने उत्कृष्ट सर्जिकल कौशल, शिक्षण क्षमता और मरीजों के प्रति समर्पण के लिए चिकित्सा जगत में विशिष्ट पहचान रखते हैं।

साथ ही, वे इलाहाबाद मेडिकल एसोसिएशन के संयुक्त सचिव हैं तथा पूर्व में जूनियर डॉक्टर्स एसोसिएशन उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष भी रह चुके हैं। इन पदों पर रहते हुए उन्होंने चिकित्सकों के अधिकारों और प्रशिक्षण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किए।

अपनी जीत पर प्रतिक्रिया देते हुए डॉ. सिंह ने कहा - 'यह सफलता मेरे सभी वरिष्ठ सर्जनों के

आशीर्वाद, सहकर्मियों के विश्वास और विशेष रूप से आदरणीय प्रो. (डॉ.) प्रबल नियोगी सर के प्रेरणादायक मार्गदर्शन का परिणाम है। उन्होंने सदैव हमें सिखाया है कि सर्जरी केवल तकनीक नहीं, बल्कि मानवता की सेवा का माध्यम है।'

डॉ. सिंह ने कहा कि इस नई जिम्मेदारी के माध्यम से वे चिकित्सा सेवा को ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्रों तक पहुँचाने के लिए प्रयासरत रहेंगे। उन्होंने कहा - 'मेरा लक्ष्य है कि आधुनिक सर्जिकल सुविधाएँ सिर्फ बड़े शहरों तक सीमित न रहें। हर मरीज, चाहे वह किसी भी आर्थिक वर्ग से हो, उसे सम्मानपूर्वक और समय पर इलाज मिले – यही मेरा मिशन है।'

उन्होंने आगे बताया कि आने वाले समय में स्वास्थ्य शिविरों, सर्जिकल जागरूकता अभियानों और युवा डॉक्टरों के प्रशिक्षण कार्यक्रमों की श्रृंखला प्रारंभ की जाएगी, जिससे प्रदेश में चिकित्सा सुविधाओं का स्तर और ऊँचा उठ सके।

डॉ. सिंह ने कहा कि यूपीएएस जैसे प्रतिष्ठित संगठन का उद्देश्य केवल तकनीकी प्रशिक्षण देना नहीं है, बल्कि सर्जनों के बीच संवाद, सहयोग और ज्ञान-साझाकरण को भी बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा कि नई तकनीकों जैसे लैप्रोस्कोपिक, लेज़र और रोबोटिक सर्जरी को राज्य के हर हिस्से तक पहुँचाने का प्रयास किया जाएगा। साथ ही, समाज के गरीब और जरूरतमंद वर्ग को निःशुल्क सर्जरी व परामर्श सुविधा प्रदान करना भी हमारी प्राथमिकता रहेगी।

डॉ. सिंह ने सभी सीनियर डॉक्टरों, सहकर्मियों, विद्यार्थियों और शुभचिंतकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा - 'यह जीत प्रयागराज के सर्जनों और जनता के विश्वास की जीत है। मैं आप सभी का दिल से धन्यवाद करता हूँ और यह भरोसा दिलाता हूँ कि सर्जरी के क्षेत्र में नई ऊर्जा, संवेदना और निष्ठा के साथ कार्य करता रहूँगा।'

मंत्री नन्दी के पहल पर जरूरतमंद मरीजों तक पहुंची 2.26 करोड़ की आर्थिक मदद

मंत्री नन्दी खुद करते हैं लोगों को उपलब्ध कराई जा रही सेवाओं की समीक्षा

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। गम्भीर बीमारियों का ईलाज करा रहे दर्जनों लोगों को उत्तर प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी के प्रयास से हर महीने आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जा रही है, जो आर्थिक रूप से कमजोर लोगों के लिए जीवनदायिनी साबित हो रही है। अप्रैल, मई और जून महीने में मंत्री नन्दी के प्रयास से प्रयागराज व अन्य क्षेत्रों के 107 मरीजों को ईलाज के लिए मुख्यमंत्री राहत कोष से दो करोड़ 26 लाख 14 हजार 102 रूपए की धनराशि उपलब्ध कराई गई। जिससे मरीजों का जहां बेहतर ईलाज सम्भव हो पाया, वहीं कईयों को नया जीवन मिला।

मंत्री नन्दी के प्रयास से कैंसर, किडनी, हड्डी रोग, हृदय रोग, आर्थराइटिस के साथ ही अन्य गम्भीर बीमारियों का ईलाज कराने के लिए अप्रैल महीने में 52 मरीजों को 1, 01, 55, 602 रुपए, मई महीने में 38 मरीजों को 77, 73, 500 रुपए और जून महीने में 17 मरीजों को 48, 85, 000 रुपए की आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई गई। जिसकी मदद से लोगों ने अपना उपचार कराया। जिनमें प्रयागराज शहर दक्षिणी विधानसभा क्षेत्र के मुट्ठीगंज, चौक, नार्थ मलाका, साउथ मलाका, नैनी, शाहगंज, सदियापुर, कांशीराम आवास नैनी, अकबरपुर, अहमदगंज, हिम्मतगंज, मालवीय नगर, खुशहाल पर्वत, जीटीबी नगर करेली, कटघर, मीरापुर, कीडगंज, तुलसीपुर के साथ ही अन्य जनपदों एवं विधानसभा क्षेत्रों के लोग शामिल हैं।

मंत्री नन्दी के आवास, कार्यालय या फिर लखनऊ आवास पर कोई जरूरतमंद ईलाज में आर्थिक मदद की मांग करता है तो मंत्री नन्दी द्वारा सरकारी प्रक्रियाओं को पूरा कराते हुए उसे आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने का पूरा प्रयास किया जाता है। मंत्री नन्दी द्वारा सरकार के द्वितीय कार्यकाल में अब तक प्रयागराज शहर दक्षिणी विधानसभा क्षेत्र ही नहीं बल्कि अन्य जनपदों एवं अन्य क्षेत्रों के 1700 से अधिक लोगों को गम्भीर बीमारियों का ईलाज कराने के लिए मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से 29 करोड़ से अधिक की धनराशि उपलब्ध कराई जा चुकी है।

रेडिसन होटल ग्रुप ने खोला पहला अंतरराष्ट्रीय पाँच सितारा होटल

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। रेडिसन होटल ग्रुप और प्रेसिडेंसी इंटरनेशनल होटल्स प्राइवेट लिमिटेड ने आज प्रयागराज के सिविल लाइंस स्थित सरोजिनी नायडू मार्ग पर रेडिसन होटल प्रयागराज का भव्य उद्घाटन किया। यह 108 कमरों वाला लक्ज़री होटल प्रयागराज का पहला अंतरराष्ट्रीय पाँच सितारा होटल है, जो शहर के ऐतिहासिक और आध्यात्मिक केंद्र में विश्वस्तरीय आतिथ्य सेवा प्रदान करता है। रेडिसन होटल प्रयागराज आधुनिक डिज़ाइन और स्थानीय विरासत का सुंदर संगम है। होटल में 13 मंज़िलों में फैले 108 कमरे और सुइट्स हैं, जो व्यापारिक यात्रियों, परिवारों और तीर्थयात्रियों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए डिज़ाइन किए गए हैं। होटल में प्रयागराज का सबसे बड़ा बैंक्वेटिंग स्थल है, जिसमें इनडोर और आउटडोर दोनों प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध हैं। इसके अतिरिक्त, रूफटॉप इन्फिनिटी पूल, जिम, स्पा-सैलून, और लाइव किचन के साथ कई डाइनिंग विकल्प भी मौजूद हैं। प्रेसिडेंसी इंटरनेशनल होटल्स प्रा. लि. के प्रबंध निदेशक ओवैस उस्मानी ने कहा, 'हमें प्रयागराज में पहला अंतरराष्ट्रीय पाँच सितारा होटल प्रस्तुत करते हुए अत्यंत गर्व हो रहा है। यह होटल सेवा, सुरक्षा और डिज़ाइन के नए मानक स्थापित करेगा।' रेडिसन होटल ग्रुप के दक्षिण एशिया के एमडी

और सीओओ निखिल शर्मा ने कहा, 'रेडिसन होटल प्रयागराज का उद्घाटन हमारे लिए एक नया अध्याय है। यह होटल प्रयागराज को एक मूल्यवर्धित योगदान देता है, जो स्थानीय संस्कृति का सम्मान करते हुए विश्वस्तरीय आराम प्रदान करता है।' होटल में ऑल-डे डाइनिंग रेस्टोरेंट, विशेष लाउंज, टी लाउंज और पेस्ट्री शॉप भी है। व्यापारिक यात्रियों के लिए अत्याधुनिक ऑडियो-विजुअल तकनीक से सुसज्जित मीटिंग रूम और बॉलरूम उपलब्ध हैं। सुरक्षा के लिए 24 घंटे निगरानी और स्वास्थ्य एवं सुरक्षा प्रोटोकॉल लागू हैं।

रेडिसन होटल प्रयागराज अपने सुविधाजनक स्थान और विश्वस्तरीय सुविधाओं के साथ प्रयागराज के आतिथ्य क्षेत्र में एक नया मील का पत्थर साबित होगा।

यूपी में मीट कारोबारियों पर इनकम टैक्स और जीएसटी रेड, संभल-बरेली-हापुड़ में छापेमारी

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश में सोमवार तड़के मीट कारोबार से जुड़े प्रमुख व्यापारियों के ठिकानों पर इनकम टैक्स और जीएसटी विभाग की संयुक्त टीमों ने बड़ी कार्रवाई की। टीमों ने संभल, बरेली और हापुड़ में एक साथ छापेमारी की। बताया जा रहा है कि 70 से अधिक वाहनों में अफसरों की टीमें रवाना हुईं, जो सुबह से ही कारोबारियों के आवासों, फैक्ट्रियों और दफ्तरों की तलाशी ले रही हैं।

संभल और गाजियाबाद में आयकर विभाग ने हाजी इमरान और हाजी इरफान के घर और फैक्ट्री पर छापा मारा। बताया जा रहा है कि इमरान और इरफान की कंपनी इंडिया फ्रोजन फूड्स का कारोबार करीब 1000 करोड़ रुपये का है। टीम ने कंपनी के चार वरिष्ठ अधिकारियों के आवासों पर भी कार्रवाई की है।

बरेली में मार्या फ्रोजन कंपनी के मालिक शकील कुरैशी के ठिकानों पर जांच चल रही है। जानकारी के मुताबिक, संभल स्थित इंडिया फ्रोजन की बिल्डिंग के मालिक भी शकील ही हैं। उन्होंने वर्ष 2003 में कारोबार की शुरुआत की थी और अब उनकी कंपनियां मिडिल ईस्ट, एशिया-पैसिफिक और अफ्रीकी देशों तक उत्पाद भेजती हैं।

हापुड़ में भी इनकम टैक्स और जीएसटी विभाग की कार्रवाई जारी है। मीट कारोबारी हाजी यासीन, दाना कारोबारी असलम कुरैशी, और वकील नितिन गर्ग के घर व ऑफिस पर एक साथ छापे मारे गए हैं। सूत्रों के मुताबिक, ये सभी हाजी यासीन की कंपनी से जुड़े हुए हैं।

दिसंबर 2022 में भी आयकर विभाग ने शकील कुरैशी के स्लॉटर हाउस और दफ्तर पर छापा मारा था। उस समय बरेली और कानपुर में हुई इस छापेमारी से दस्तावेजों और खातों की जांच हुई थी। हालांकि कंपनी ने तब इसे नियमित जांच बताया था और किसी भी अनियमितता से इनकार किया था। मार्या फ्रोजन के पीआरओ ईशान ने बताया, 'सुबह से टीमें मौजूद हैं। हमें अभी तक जांच की वजह की जानकारी नहीं दी गई है। शकील कुरैशी घर पर हैं, लेकिन हमें अंदर जाने की अनुमति नहीं मिली है।

बम रख दिया है, मकसद याद रखना हिंदुओं को मारना है..पाकिस्तान जिंदाबाद

यूपी के साहिल का पाकिस्तानी कनेक्शन मैसेज देख दौड़ी-दौड़ी पहुंची एसटीएफ

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के बिजनौर जिले से चौंकाने वाला मामला सामने आया है। जिले के चांदपुर निवासी सफी को व्हाट्सएप पर पाकिस्तान के एक नंबर से ''हां भाई काम हो गया बम रख दिया है चांदपुर पर मकसद ध्यान रखना हिंदुओं को मारना है पाकिस्तान जिंदाबाद' जैसा धमकी भरा मैसेज आया है। जिसके बाद से इलाके में हड़कंप मचा हुआ है। पुलिस ने जांच के बाद एक युवक साहिल को गिरफ्तार किया है, जिसने इंस्टाग्राम विवाद में सफी को फंसाने के लिए अपने पाकिस्तानी फॉलोअर से 11 अक्टूबर को यह मैसेज भिजवाया था। साहिल ने अपने पाकिस्तानी फॉलोअर को मैसेज भेजकर यह धमकी भरा संदेश सफी की इंस्टाग्राम आईडी पर डलवाया है।

पुलिस जांच में सामने आया है कि चांदपुर निवासी साहिल ने 21 सितंबर को शिव मंदिर पर एक वीडियो अपलोड किया था। इसके विरोध में सफी ने 11 अक्टूबर को अपनी आईडी से एक वीडियो अपलोड किया। जिसके बाद साहिल ने गुस्से में आकर कराची में रहने वाले अपने पाकिस्तानी फॉलोअर अतीक अहमद भट्ट से सफी को फंसाने के लिए व्हाट्सएप और इंस्टाग्राम पर धमकी भरे मैसेज डलवाए।

सफी के मोबाइल पर पाकिस्तान से भेजे गए मैसेज ने पुलिस विभाग में तुरंत हड़कंप मचा दिया। चार थानों की पुलिस फोर्स ने शहर की चेकिंग कराई, लेकिन कहीं कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। पुलिस ने साहिल का मोबाइल जब्त कर लिया है, जिससे पाकिस्तानी फॉलोअर से बातचीत और धमकी भरे मैसेज के स्क्रीनशॉट बरामद हुए हैं। पुलिस अब साहिल से पूछताछ कर रही है कि वह कब से पाकिस्तानी फॉलोअर के संपर्क में था। इस गंभीर मामले को देखते हुए एलआईयू, पुलिस, एटीएस और आईबी की टीमें मिलकर साहिल से गहन पूछताछ कर रही हैं। खुफिया विभाग भी अलर्ट मोड पर है।

मस्जिद को छोड़कर मौलाना रवाना, कहा- परिवार खत्म हो गया तो अब यहां क्या करूगा?

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के बागपत में दोघट थाना क्षेत्र की मस्जिद में हुई मौलाना के परिवार की हत्या के मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है तो वही मस्जिद का मौलाना भी मस्जिद छोड़कर आज अपने गांव के लिए रवाना हो गया है। मौलाना इब्राहिम मस्जिद से अपना सामान गाडी लेकर जनपद शामली अपने गांव के लिए रवाना हो गए। उन्होंने कहा कि जब पूरा परिवार खत्म हो गया तो अब मैं यहां पर क्या करूगा।

वहीं पूर्व आईपीएस अमिताभ ठाकुर ने भी मामले में हुए खुलासे पर सवाल खड़े किए है। उन्होंने कहा कि मामले की जांच के लिए आजाद अधिकार सेना का प्रतिनिधिमंडल मौके पर जाकर जांच करेगा। सच्चाई को सामने लाएगा। वह पुलिस के खुलासे से संतुष्ट नहीं है।

आपको बता दें कि दोघट थाना क्षेत्र के गांगनोली गांव में स्तिथ मस्जिद के मौलाना इब्राहिम की पत्नी इसराना ओर उसकी दो बेटियों की धारदार हथियार से वार कर निर्मम हत्या कर दी थी ओर पुलिस के खुलासे में दो नाबालिग को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। आरोपी मदरसे के ही दो छात्रों है। आज मदरसे का मौलाना आज मदरसे से अपना सामान लेकर शामली जनपद के अपने गांव रवाना हो गया है उसने कहा है कि मेरा तो परिवार है उजड़ गया तो अब में यहां रहकर क्या करूंगा । वहीं इस मामले में खुलासे पर पूर्व आईपीएस अमिताभ ठाकुर ने भी सवाल खडे किए है ओर कहां है इस निर्मम हत्या कि जांच पड़ताल के लिए आजाद अधिकार सेना का एक प्रतिनिधि मंडल मौके पर जाकर जांच पड़ताल करेगा ।

हर नागरिक की सेवा, सुरक्षा और सम्मान करना सरकार का मुख्य उद्देश्य-सीएम योगी

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को 'जनता दर्शन' कार्यक्रम में फरियादियों की शिकायतें सुनीं और अधिकारियों को हर मामले का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, विभिन्न जिलों से आये 50 से अधिक फरियादियों ने पुलिस कार्रवाई, बिजली आपूर्ति, वित्तीय सहायता और भूमि विवाद से संबंधित शिकायतें और निवेदन सामने रखे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हर फरियादी से बातचीत की। उनके आवेदन प्राप्त किये और अधिकारियों को उनका समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। आदित्यनाथ ने जनता की सेवा, सुरक्षा और सम्मान के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि यह सिद्धांत उनकी सरकार के गठन के पहले दिन से ही उसका मार्गदर्शन करता रहा है। बयान के अनुसार, मुख्यमंत्री योगी ने शिकायतकर्ताओं के साथ आए बच्चों से भी बातचीत की, उनके सिर पर हाथ फेरा, उन्हें चॉकलेट और टॉफियाँ दीं और उन्हें खूब पढ़ाई करने के लिए प्रोत्साहित किया।

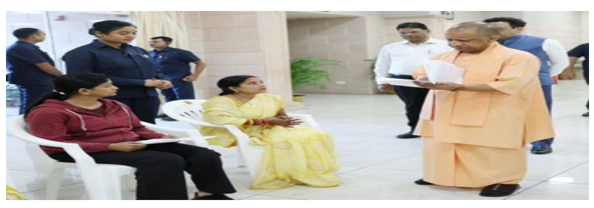

रामनगरी में महंत की मौत से सनसनी, राम मिलन दास की संदिग्ध परिस्थितियों में गई जान

बेची थी अयोध्या मंदिर की जमीन, बैंक खाते में थे 9 करोड़

अयोध्या **(एजेंसी)**। रामनगरी अयोध्या से ऐसी खबर सामने आई है जिसने पूरे जिले में सनसनी फैला दी है। अयोध्या के प्रतिष्ठित रावत मंदिर के महंत राम मिलन दास की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। रावत मंदिर में शनिवार शाम महंत की तबीयत अचानक बिगड़ गई और मुंह से झाग निकलने लगा। शिष्य महंत को अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में मौत का कारण हार्ट अटैक बताया गया है। हृदयगति रुकने से पहले ब्लड प्रेशर बढ़ा हुआ था। बता दें कि वह पहले से डायबिटीज के मरीज थे।

महंत राम मिलन दास मूल रूप से कुशीनगर के रहने वाले थे। वह पिछले 15 सालों से रावत मंदिर की देखरेख कर रहे थे। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, उन्होंने दो महीने पहले रामघाट स्थित मंदिर की बहुमूल्य जमीन 8 करोड़ रुपये में बेची थी। इसके अलावा, उनके बैंक खाते में पहले से करीब डेढ़ करोड़ रुपये थे। इसका मतलब है कि उनकी मौत से पहले उनके पास कुल 9.5 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति थी। जिसने उनकी मौत पर संदेह गहरा दिया है। महंत की मौत को लेकर फिलहाल संदेह बना हुआ है, हालांकि अब तक कोई भी लिखित शिकायत पुलिस को नहीं मिली है। एसपी सिटी चक्रपाणि त्रिपाठी का कहना है कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में मौत का कारण हार्ट अटैक है। फिर भी पुलिस की जांच जारी है। पुलिस परिजनों या शिष्यों की ओर से तहरीर मिलने का इंतजार कर रही है।

जन सुराज ने उतारे 65 और उम्मीदवार

बिहार में जातीय समीकरण साधने की कोशिश, पीके का नाम फिर गायब

पटना **(एजेंसी)**। प्रशांत किशोर के नेतृत्व वाली जन सुराज पार्टी ने सोमवार को बिहार चुनाव के लिए 65 सीटों के लिए अपने उम्मीदवारों की दूसरी सूची जारी की। हालांकि, किशोर का नाम इस सूची से गायब था। प्रशांत किशोर को लेकर चर्चा है कि वह राजद नेता तेजस्वी यादव के खिलाफ राघोपुर सीट से चुनाव लड़ सकते हैं। पार्टी ने कमलेश पासवान को हरनौत से उम्मीदवार बनाया है, जो लंबे समय से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का गढ़ माना जाता रहा है, हालाँकि उन्होंने पिछले तीन दशकों से वहाँ कोई विधानसभा चुनाव नहीं लड़ा है।

नई सूची में 20 आरक्षित निर्वाचन क्षेत्रों (19 अनुसूचित जाति और 1 अनुसूचित जनजाति के लिए) और 46 अनारक्षित सीटों के लिए उम्मीदवार शामिल हैं। पार्टी ने घोषणा की कि सूची में 14 अति पिछड़ा वर्ग (10 हिंदू और 4 मुस्लिम), 10 अन्य पिछड़ा वर्ग, 11 आरक्षित वर्ग और 14 अल्पसंख्यक समुदायों के उम्मीदवार शामिल हैं। व्यापक भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए, हरनौत बर्धमान विधानसभा सीट–जो एक सामान्य श्रेणी का निर्वाचन क्षेत्र है–से भी एक अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति उम्मीदवार को मैदान में उतारा गया है। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, किशोर ने कहा कि इसके साथ ही पार्टी ने कुल 116 सीटों पर उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। उन्होंने कहा, 'पहली सूची में हमने 51 सीटों के लिए उम्मीदवारों की घोषणा की थी, और दूसरी सूची में हमने 65 सीटों के लिए उम्मीदवारों के नामों की घोषणा की है। बाकी सीटों के लिए उम्मीदवारों की घोषणा बाद में की जाएगी।' किशोर ने बताया कि अब तक घोषित उम्मीदवारों में 31 अत्यंत पिछड़े वर्ग, 21 अन्य पिछड़ा वर्ग और 21 मुस्लिम हैं। 9 अक्टूबर को, प्रशांत किशोर की पार्टी ने आगामी बिहार विधानसभा चुनाव के लिए 51 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की। इस सूची में कई प्रमुख नाम शामिल हैं, जनिमें पूर्व केंद्रीय मंत्री आरसीपी सिंह की बेटी लता सिंह, जिन्हें अस्थावा से मैदान में उतारा गया है, और महान समाजवादी नेता कर्पूरी ठाकुर की पोती जागृति ठाकुर, जो समस्तीपुर के मोरवा से चुनाव लड़ेंगी, शामिल हैं। लोकप्रिय भोजपुरी गायक रितेश पांडे को भी करगहर से चुनाव लड़ने का टिकट मिला है। पार्टी ने पटना की कुम्हरार सीट से प्रसिद्ध गणितज्ञ केसी सिन्हा को भी मैदान में उतारा है।

नए आपराधिक कानून से 'देरी से न्याय' खत्म अमित शाह बोले- 2027 तक बड़ा बदलाव

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को राजस्थान में नए आपराधिक कानूनों पर एक प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि नए कानून समय पर, सुलभ और सरल न्याय सुनिश्चित करेंगे क्योंकि ये हमारी आपराधिक न्याय प्रणाली को दंड के बजाय न्याय के आधार पर काम करने के लिए प्रेरित करेंगे। जयपुर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए, शाह ने कहा कि भारत की न्यायिक प्रणाली ने न्याय में देरी करने की अपनी एक पहचान बना ली है। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि नया आपराधिक कानून इसमें बदलाव लाएगा।

अमित शाह ने कहा कि हमारी न्यायिक प्रणाली समय पर न्याय न देने के लिए बदनाम हो गई है। मुझे राजस्थान के लोगों को यह विश्वास दिलाते हुए पूरा विश्वास है कि तीन आपराधिक न्याय कानून समय पर, सुलभ और सरल न्याय सुनिश्चित करेंगे।

प्रधानमंत्री मोदी ने जीवन को आसान बनाने के लिए कई बदलाव किए हैं। लेकिन इन कानूनों के लागू होने के साथ ही न्याय की सुगमता में भी महत्वपूर्ण बदलाव आएगा। शाह ने कहा कि इन कानूनों के माध्यम से हमारी आपराधिक न्याय प्रणाली दंड के बजाय न्याय से प्रेरित होकर काम करेगी। इसे पूरे देश में प्रभावी ढंग से लागू किया गया है और गृह मंत्रालय सभी राज्यों को सहायता और अनुवर्ती मार्गदर्शन प्रदान कर रहा है।

न्याय प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने के भाजपा के प्रयासों पर प्रकाश डालते हुए, मंत्री ने बताया कि 2027 के बाद दर्ज की गई किसी भी प्राथमिकी पर तीन साल के भीतर सर्वोच्च न्यायालय में मुकदमा चलाया जाएगा। शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 160 साल पुराने कानूनों को खत्म करने वाले तीन नए कानूनों के तहत, 2027 के बाद भी देशभर में कोई भी एफआईआर दर्ज की जा सकेगी। पूरी व्यवस्था लागू होने में अभी दो साल और लगेंगे। हालाँकि, इस कानून की बदौलत 2027 के बाद दर्ज की गई किसी भी एफआईआर पर तीन साल के भीतर सुप्रीम कोर्ट में मुकदमा चलाया जा सकेगा।

अमित शाह ने आगे बताया कि इन कानूनों के लागू होने के एक साल के भीतर ही राजस्थान में दोषसिद्धि दर में 60 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि राजस्थान में पहले दोषसिद्धि दर केवल 42इ थी। तीन नए कानून लागू हुए हैं और अभी केवल एक साल ही हुआ है, फिर भी यह दर बढ़कर 60इ हो गई है। जब ये पूरी तरह से लागू हो जाएँगे, तो दोषसिद्धि दर 90इ तक पहुँच जाएगी। इन कानूनों में सभी प्रकार के वैज्ञानिक तरीकों का प्रावधान है।

सिद्धारमैया के बेटे का आरएसएस पर वार बताया तालिबान जैसा, भाजपा आगबबूला

बेंगलुरु **(एजेंसी)**। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के बेटे यतींद्र सिद्धारमैया ने भाजपा के वैचारिक संरक्षक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की तुलना अफ़ग़ानिस्तान पर नियंत्रण रखने वाले कट्टरपंथी इस्लामी समूह तालिबान से करके विवाद खड़ा कर दिया है। यतींद्र ने सोमवार को पत्रकारों से बात करते हुए दावा किया कि आरएसएस हिंदू धर्म की कठोर व्याख्याएँ उसी तरह थोपना चाहता है जैसे तालिबान इस्लाम के अपने संस्करण को लागू करता है। उन्होंने कहा कि आरएसएस की मानसिकता तालिबान जैसी ही है। तालिबान इस्लाम को एक खास तरीके से लागू करने के लिए हुक्म जारी करता है और महिलाओं की आज़ादी पर पाबंदी लगाता है। इसी तरह, आरएसएस भी हिंदू धर्म को एक ही तरीके से लागू करना चाहता है।

यतींद्र ने यह भी माँग की कि आरएसएस को एक पंजीकृत संगठन बनाया जाए और उसकी गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाए जाएँ। उन्होंने कहा कि आरएसएस के पास हज़ारों करोड़ रुपये की इमारतें और संपत्तियाँ हैं, लेकिन वह बिना पंजीकरण के काम करता है। इतने शक्तिशाली संगठन को कानून के दायरे में लाया जाना चाहिए। उनकी टिप्पणी को कांग्रेस के भीतर भी समर्थन मिला, कर्नाटक के आईटी मंत्री प्रियांक खड़गे और वरिष्ठ नेता बीके हरिप्रसाद ने भी इसी तरह के विचार व्यक्त किए। हरिप्रसाद ने आरएसएस को 'भारतीय तालिबान' करार दिया और उस पर बिना अनुमति के सरकारी स्कूलों में शाखाएँ (प्रशिक्षण सत्र) चलाने का आरोप लगाया।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बेटे खड़गे ने मुख्यमंत्री से सरकारी संस्थानों और सार्वजनिक परिसरों में आरएसएस की गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाने का आग्रह किया और उन्हें विभाजनकारी और संविधान की भावना के विपरीत बताया। भाजपा ने तीखा पलटवार करते हुए इस टिप्पणी को 'राष्ट्र-विरोधी' करार दिया और कांग्रेस नेताओं पर शासन के मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए आरएसएस को निशाना बनाने का आरोप लगाया। कर्नाटक भाजपा अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र ने एक्स पर कहा, 'आरएसएस पर कोई प्रतिबंध या अंकुश नहीं लगा सकता। राष्ट्रवाद और सामाजिक सुधार की उसकी विचारधारा हमेशा राष्ट्र-विरोधी कांग्रेस पर विजय प्राप्त करेगी।' उन्होंने आगे कहा, 'कांग्रेस सरकार के तहत कर्नाटक में 'टुकड़े-टुकड़े गैंग' फिर से उभर आया है।

पवन सिंह से तलाक विवाद के बीच ज्योति सिंह की चुनावी हुंकार, काराकाट से लड़ेंगी निर्दलीय

पटना **(एजेंसी)**। सार्वजनिक वैवाहिक विवाद के बीच, भोजपुरी सुपरस्टार पवन सिंह की पत्नी ज्योति सिंह ने सोमवार को घोषणा की कि वह रोहतास ज़िले की काराकाट सीट से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में बिहार विधानसभा चुनाव लड़ेंगी। यह घोषणा उनके पिता रामबाबू सिंह द्वारा उनके राजनीति में आने की पुष्टि के एक दिन बाद की गई है। रामबाबू सिंह ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि ज्योति सिंह बिहार विधानसभा चुनाव लड़ेंगी। किस सीट से, किस पार्टी के बैनर तले, या निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में, यह जल्द ही तय किया जाएगा। रामबाबू सिंह ने कहा कि ज्योति को काराकाट से चुनाव लड़ाने की जनता की माँग बढ़ रही है, जहाँ उन्होंने 2024 के लोकसभा चुनाव में अपने पति के लिए प्रचार करते हुए निवासियों के साथ घनिष्ठ संबंध बनाए थे। उन्होंने आगे कहा कि काराकाट के लोगों का ज्योति सिंह से गहरा नाता है और वे उनसे विधानसभा में प्रतिनिधित्व करने का आग्रह कर रहे हैं। यह राजनीतिक घोषणा ऐसे समय में हुई है जब ज्योति सिंह और पवन सिंह सार्वजनिक रूप से वैवाहिक विवाद में उलझे हुए हैं।

रामबाबू सिंह ने अभिनेता पर क्रूरता और बेईमानी का आरोप लगाते हुए कहा कि उन्होंने सुलह के सभी प्रयासों को ठुकरा दिया है। उन्होंने कहा, 'मैंने उनसे अपनी बेटी को स्वीकार करने की विनती की, लेकिन उन्होंने केवल अदालत का ही हवाला दिया।' उन्होंने आगे कहा, 'जब तक तलाक कानूनी रूप से अंतिम रूप नहीं ले लेता, ज्योति को अपने पति के साथ रहने का पूरा अधिकार है।' कथित तौर पर, पवन सिंह ने तीन महीने पहले हुई अपनी आखिरी मुलाकात में रामबाबू से कहा था कि अब मामला अदालत में सुलझाया जाएगा।

दुर्गापुर कांड : ममता की टिप्पणी पर गरमाई राजनीति, रिजिजू बोले- लिबरल गैंग कहां गायब?

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। दुर्गापुर बलात्कार मामले पर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की टिप्पणी पर कटाक्ष करते हुए केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने मीडिया के कुछ वर्गों पर उनकी टिप्पणियों पर चुप्पी साधने का आरोप लगाया, जिन्हें पीड़िता को दोषी ठहराने के रूप में देखा गया है। रिजिजू ने एक्स पर लिखा, कल्पना कीजिए, अगर यह बयान किसी भाजपाई मुख्यमंत्री ने दिया होता! पूरा इको-सिस्टम और स्वघोषित उदार पत्रकार (वास्तव में अनुदार गिरोह) देश में असहनीय स्थिति पैदा कर देते। पश्चिम बंगाल के दुर्गापुर स्थित एक निजी मेडिकल कॉलेज की द्वितीय वर्ष की छात्रा के साथ कथित सामूहिक बलात्कार के बाद ममता बनर्जी द्वारा पीड़िता के रात में कॉलेज परिसर से बाहर जाने पर सवाल उठाने के बाद राजनीतिक घमासान छिड़ गया है।

उन्होंने कहा हम बंगाल में ऐसे मामलों को बहुत गंभीरता से लेते हैं। तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है और जाँच जारी है। लेकिन छात्रा रात में कॉलेज परिसर से कैसे निकल सकती है? यह एक जंगली इलाका है। निजी मेडिकल कॉलेज को अपने छात्रों का ध्यान रखना चाहिए। ममता बनर्जी ने बाद में मीडिया पर उनके शब्दों को तोड़-मरोड़कर पेश करने का आरोप लगाया। एएनआई के अनुसार, मुख्यमंत्री ने कहा कि मीडिया ने मेरे शब्दों को तोड़-मरोड़ कर पेश किया। आप मुझसे सवाल पूछते हैं, मैं उसका जवाब देती हूँ, और फिर आप उसे तोड़-मरोड़ कर पेश करते हैं। इस तरह की राजनीति मत कीजिए।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने महिलाओं की सुरक्षा में विफल रहने का आरोप लगाते हुए ममता बनर्जी सरकार पर निशाना साधा, जबकि सत्तारूढ़ दल ने भाजपा पर इस घटना का राजनीतिकरण करने का आरोप लगाया। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने ममता बनर्जी को नारीत्व पर कलंक बताया। उन्होंने एक्स पर लिखा कि बेशर्म ममता बनर्जी नारीत्व पर एक कलंक, एक मुख्यमंत्री होने के नाते तो और भी ज़्यादा...आरजी कर और संदेशखली के बाद, अब बलात्कार का यह भयावह मामला और न्याय के बजाय, वह पीड़िता को ही दोषी ठहरा रही हैं।

बांगर ने रोहित की फिटनेस और लगन की सराहना की, ऑस्ट्रेलिया वनडे सीरीज से पहले सकारात्मक संकेत देखे

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। पूर्व भारतीय क्रिकेटर संजय बांगर ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आगामी वनडे सीरीज़ से पहले रोहित शर्मा की फिटनेस और तैयारी की सराहना की। उन्होंने कहा कि रोहित ने 2011 विश्व कप से चूकने के बाद की तरह फिर से दृढ़ संकल्प और लगन दिखाई है।

बांगर ने कहा, 'रोहित शर्मा ने आखिरी बार इतना कड़ा फिटनेस रूटीन 2011 विश्व कप से बाहर होने के बाद अपनाया था। उस बहिष्कार ने उनके दिल पर गहरा प्रभाव डाला था। अब हम उनमें उसी तरह का दृढ़ संकल्प और मेहनत देख रहे हैं। उनकी तैयारी और मानसिकता में यह साफ़ दिखाई देता है।'

बांगर ने यह भी कहा कि रोहित एक क्षेत्ररक्षक के रूप में भी योगदान देने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। उन्होंने कहा, 'एक कप्तान के रूप में, आपको 30-यार्ड सर्कल के भीतर हमेशा खेलना नहीं पड़ता; कभी-कभी आपको आउटफील्ड पर नजर रखनी होती है, डाइव लगानी होती है। रोहित खुद को इस चुनौती के लिए पूरी तरह तैयार कर रहे हैं, और यह बहुत ही सकारात्मक संकेत है।'

बांगर ने कहा कि रोहित की कप्तानी अब तक की सबसे महान सफेद गेंद कप्तानी में से एक मानी जाती है, जिसमें टीम ने तीन टूर्नामेंटों में 23 में से केवल एक मैच गंवाया और दो खिताब जीते।

इंग्लैंड के खिलाफ टी20 आई सीरीज के लिए न्यूजीलैंड टीम का ऐलान, सैंटनर को कप्तानी, दो बड़े खिलाड़ी बाहर

नई दिल्ली/वेलिंगटन। न्यूजीलैंड के सीमित ओवरों के कप्तान मिशेल सैंटनर और स्टार ऑलराउंडर रचिन रविंद्र को इंग्लैंड के खिलाफ आगामी केएफसी टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के लिए ब्लैककैप्स टीम में शामिल किया गया है जबकि बेन सियर्स और केन विलियमसन इस श्रृंखला में नहीं खेलेंगे। न्यूजीलैंड क्रिकेट की प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार रविंद्र चेहरे की चोट के कारण ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हालिया श्रृंखला से बाहर होने के बाद टीम में वापसी कर रहे हैं, जबकि सैंटनर हाल ही में हुई पेट की सर्जरी से उबर चुके हैं और शनिवार से क्राइस्टचर्च के हेगले ओवल में शुरू होने वाली तीन मैचों की श्रृंखला में टीम की कप्तानी करेंगे।

विलियमसन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों से बाहर रहेंगे और रविवार, 26 अक्टूबर से तौरंगा में इंग्लैंड के खिलाफ शुरू होने वाली एकदिवसीय श्रृंखला के दौरान अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी की उम्मीद है। सीयर्स पिछले हफ्ते प्रशिक्षण के दौरान बाएं हैमस्ट्रिंग में चोट लगने के बाद इंग्लैंड श्रृंखला से भी बाहर रहेंगे। बाद में स्कैन में हैमस्ट्रिंग में खिंचाव का पता चला है, जिससे उबरने में तीन से चार हफ्ते लगेंगे। रवींद्र की जगह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आखिरी मैच में प्रभावशाली प्रदर्शन करने वाले जिमी नीशम को तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर के रूप में चुना गया है। उनके साथ जैकब डफी, जैक फॉल्क्स, मैट हेनरी और काइल जैमीसन की तेज गेंदबाजी टीम भी शामिल है।

माइकल ब्रेसवेल स्पिन विभाग में सैंटनर के साथ जुड़ेंगे जबकि ईश सोढ़ी पिछली टीम में नहीं थे। विज्ञप्ति के अनुसार, विकेटकीपर टिम सीफर्ट विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी संभालेंगे और उसी बल्लेबाजी इकाई में शामिल होंगे जिसने ऑस्ट्रेलिया का सामना किया था। ब्लैककैप्स के कोच रॉब वाल्टर ने कहा कि यह श्रृंखला टी20 टीम के लिए एक और महत्वपूर्ण कदम है। वाल्टर ने कहा, 'ऑस्ट्रेलिया से भिड़ने के बाद एक और विश्व स्तरीय टीम का हमारे यहां आना बहुत अच्छा है। हम जानते हैं कि हैरी ब्रुक और उनके टी20 खिलाड़ी कितना रोमांचक क्रिकेट खेलते हैं और मुझे यकीन है कि हमारे खिलाड़ी इस चुनौती का डटकर सामना करने के लिए उत्सुक हैं।'

वाल्टर ने रवींद्र और सैंटनर की वापसी का स्वागत किया और विलियमसन की वापसी को लेकर भी आशा व्यक्त की। उन्होंने कहा, 'मिशेल की वापसी बहुत अच्छी है। हमारे कप्तान होने के साथ-साथ वह दुनिया के सर्वश्रेष्ठ सीमित ओवरों के स्पिनरों में से एक हैं और उनका कौशल और अनुभव टीम के लिए एक स्वागत योग्य अतिरिक्त होगा। इसी तरह, रचिन का भी स्वागत है, जो दुर्भाग्य से ऑस्ट्रेलिया दौरे से चूक गए थे और मुझे पता है कि वह इस श्रृंखला के लिए बहुत उत्साहित हैं।'

वाल्टर ने आगे कहा, 'केन को पिछले महीने एक छोटी सी चिकित्सा समस्या से उबरना पड़ा था और हम इस बात पर सहमत थे कि उन्हें वापसी के लिए शारीरिक रूप से तैयार होने के लिए कुछ और समय चाहिए।' सीयर्स की अनुपस्थिति पर कोच ने कहा, 'पिछले मंगलवार को गेंदबाजी करते समय बेन को थोड़ी असुविधा हुई थी और उसके बाद हैमस्ट्रिंग में आई चोट के कारण वह इस श्रृंखला से बाहर हो गए हैं। हम उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हैं और आशा करते हैं कि निकट भविष्य में वह फिर से टीम में वापसी करेंगे।'

इंग्लैंड के खिलाफ न्यूजीलैंड की टी20आई टीम : मिशेल सैंटनर, माइकल ब्रेसवेल, मार्क चैपमैन, डेवोन कॉनवे, जैकब डफी, जैक फॉल्क्स, मैट हेनरी, बेवोन जैकब्स, काइल जैमीसन, डेरिल मिशेल, जिमी नीशम, रचिन रवींद्र, टिम रॉबिन्सन, टिम सीफर्ट (विकेटकीपर)।

वनडे सीरीज से पहले ऑस्ट्रेलियाई कप्तान मार्श का बड़ा बयान

भारत के साथ हमारी जबरदस्त प्रतिद्वंद्विता

पर्थ **(एजेंसी)**। ऑस्ट्रेलिया के एकदिवसीय और टी20 कप्तान मिशेल मार्श ने भारत के खिलाफ आने वाली तीन मैचों की ओडीआई सीरीज़ को लेकर बड़ा बयान दिया है। मार्श ने कहा कि यह सीरीज़ उनके लिए आगामी एशेज़ के लिए तैयारियों का एक शानदार मौका है।

मार्श ने कहा, 'हमारे पास सभी खिलाड़ी एशेज़ के लिए तैयारी कर रहे होंगे, लेकिन हर कोई भारत के खिलाफ खेलना पसंद करता है। हमारे बीच शानदार प्रतिद्वंद्विता और सम्मान है। एशेज़ से ठीक पहले भारत के खिलाफ खेलना समय की दृष्टि से बिल्कुल सही है। यह सीरीज़ काफी अहम होने वाली है।'

इस सीरीज़ में भारत के लिए रोहित शर्मा और विराट कोहली अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी कर रहे हैं। दोनों मार्च 2025 में न्यूजीलैंड के खिलाफ आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी फाइनल के बाद से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में नहीं खेले थे।

तीन ओडीआई मैचों की सीरीज़ की शुरुआत 19 अक्टूबर को पर्थ के ऑप्टस स्टेडियम से होगी। दूसरा मैच 23 अक्टूबर को अडिलेड और अंतिम ओडीआई 25 अक्टूबर को सिडनी में खेला जाएगा। इसके बाद पांच मैचों की टी20 आई सीरीज़ 29 अक्टूबर से शुरू होगी। टीम इंडिया : शुभमन गिल (कैप्टन), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर (उप-कप्तान), अक्षर पटेल, केएल राहुल (विकेटकीपर), नितीश कुमार रेड्डी, वॉशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, मोहम्मद सिराज, अर्शदीप सिंह, प्रासिद्ध कृष्णा, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), यशस्वी जायसवाल

ऑस्ट्रेलिया टीम : मिशेल मार्श (कैप्टन), जेवियर बार्टलेट, एलेक्स कैरी, कूपर कोनॉली, बेन ड्वार्शियस, नाथन एलिस, कैमरन ग्रीन, जोश हेज़लवुड, ट्राविस हेड, जोश इंग्लिस, मिशेल ओवेन, मैथ्यू रेंसॉ, मैथ्यू शॉर्ट, मिशेल स्टार्क, एडम ज़ाम्पा।

फॉलो-ऑन देकर भी करनी पड़ेगी बल्लेबाजी, वेस्टइंडीज के खिलाफ भारत का अनोखा रिकॉर्ड

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। दिल्ली टेस्ट में कुछ ऐसा देखने को मिला जो भारतीय क्रिकेट में बहुत कम बार हुआ है। वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट में टीम इंडिया ने फॉलो-ऑन दिया, लेकिन फिर भी उसे चौथी पारी में बल्लेबाज़ी करनी पड़ी – ऐसा भारतीय टेस्ट इतिहास में सिर्फ चौथी बार हुआ है। पहली पारी में भारत ने यशस्वी जायसवाल (175) और कप्तान शुभमन गिल (नाबाद 129) की शानदार पारियों की बदौलत 518 रन पर अपनी पारी घोषित की थी। जवाब में वेस्टइंडीज की टीम पहली पारी में केवल 248 रन बना सकी। कुलदीप यादव ने 5 विकेट झटके, जबकि रवींद्र जडेजा ने 3 विकेट हासिल किए।

वेस्टइंडीज की दूसरी पारी में शुरूआती 2 विकेट 35 रन पर गिर गए थे, लेकिन इसके बाद जॉन कैंपबेल और शाई होप ने 177 रनों की साझेदारी की। कैंपबेल ने 115 रन बनाए, ये उनके टेस्ट करियर का पहला शतक था। वह 2002 के बाद भारत में टेस्ट शतक लगाने वाले पहले बल्लेबाज बने। जॉन को जडेजा ने अपना शिकार बनाया। इसके बाद शाई होप (103) ने भी अपना शतक पूरा किया, उन्हें मोहम्मद सिराज ने बोल्ड किया। जैसे ही वेस्टइंडीज ने 270 का आंकड़ा पार किया, यह तय हो गया कि भारत को चौथी पारी में बल्लेबाज़ी करनी होगी। गौरतलब है कि आखिरी बार ऐसा नवंबर 2012 में हुआ था, जब भारत को फॉलो-ऑन देने के बाद भी फिर से मैदान पर उतरना पड़ा था।

पाकिस्तान की हॉकी खिलाड़ियों को सलाह भारतीय खिलाड़ियों के साथ टकराव से बचें

लाहौर **(एजेंसी)**। पाकिस्तान हॉकी महासंघ (पीएचएफ) ने अपनी राष्ट्रीय टीम के खिलाड़ियों को सलाह दी है कि वे मैदान पर भारतीय खिलाड़ियों के साथ किसी भी तरह के टकराव से बचें और मंगलवार को मलेशिया के जोहर बाहरू में सुल्तान जोहोर कप मैच के दौरान सिर्फ अपने खेल पर ध्यान केंद्रित करें।

पहलगाम में आतंकी हमले के मद्देनजर भारतीय क्रिकेट टीम ने हाल ही में संपन्न एशिया कप के मैचों के दौरान पाकिस्तानी खिलाड़ियों से हाथ नहीं मिलाया था, जिसमें फाइनल भी शामिल था। इससे विवाद पैदा हो गया था और पाकिस्तान ने एशियाई क्रिकेट परिषद और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद में विरोध दर्ज कराया था।

पूरी संभावना है कि भारतीय जूनियर हॉकी टीम पाकिस्तान के खिलाफ मंगलवार को होने वाले मैच में अपनी क्रिकेट टीम की तरह ही रवैया अपनाएगी। पीएचएफ के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि खिलाड़ियों को भारतीय टीम की हाथ न मिलाने की नीति के लिए मानसिक रूप से तैयार रहने को कहा गया है।

उन्होंने कहा, 'खिलाड़ियों से कहा गया है कि अगर भारतीय खिलाड़ी मैच से पहले या बाद में हाथ नहीं मिलाते हैं तो उन्हें अनदेखा कर देना चाहिए और आगे बढ़ जाना चाहिए। उन्हें खेल के दौरान किसी भी तरह के भावनात्मक टकराव से बचने के लिए भी कहा गया है।' पाकिस्तान ने अगस्त में बिहार के राजगीर में आयोजित पुरुष एशिया कप के लिए अपनी टीम भारत नहीं भेजी थी। अधिकारी ने कहा कि उन्होंने खिलाड़ियों से कहा है कि वे सिर्फ अपने खेल पर ध्यान केंद्रित करें।

लोढ़ा डेवलपर्स ने दूसरी तिमाही में 2, 300 करोड़ रुपए की परियोजना के लिए मुंबई में एक भूखंड खरीदा

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। रियल एस्टेट क्षेत्र की कंपनी लोढ़ा डेवलपर्स लिमिटेड ने अपने कारोबार के विस्तार के लिए 2, 300 करोड़ रुपए की आवासीय परियोजना विकसित करने को चालू वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर तिमाही में मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर) में एक भूखंड का अधिग्रहण किया है। इस जमीन के अधिग्रहण के साथ लोढ़ा डेवलपर्स ने चालू वित्त वर्ष में कई भूखंड खरीदने का लक्ष्य पूरा कर लिया है, जिनसे कुल 25, 000 करोड़ रुपए की आय होने की संभावना है।

वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही के परिचालन विवरण में कंपनी ने कहा, ''वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही में हमने मुंबई महानगर क्षेत्र में 2, 300 करोड़ रुपए के सकल विकास मूल्य (जीडीवी) वाली एक परियोजना जोड़ी है।'' हालांकि, इसमें यह उल्लेख नहीं किया गया कि भूमि अधिग्रहण एकमुश्त खरीद थी या भूस्वामी के साथ संयुक्त विकास समझौता था। व्यवसाय विकास के संबंध में, लोढ़ा डेवलपर्स ने कहा, ''हमने चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में ही 25, 000 करोड़ रुपए का वार्षिक लक्ष्य प्राप्त कर लिया है और हमारे पास आगे के लिए मजबूत परियोजनाएं मौजूद हैं।''

हरभजन सिंह को उम्मीद, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विराट कोहली कम से कम शतक लगाएंगे

मुंबई **(एजेंसी)**। पूर्व भारतीय स्पिनर हरभजन सिंह ने स्टार भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली की ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए वनडे टीम में वापसी पर खुशी जताई और उम्मीद जताई कि 19 अक्टूबर से शुरू होने वाले तीन मैचों के ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान वह कम से कम दो शतक जड़ेंगे। विराट रोहित शर्मा के साथ ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घर से बाहर होने वाली तीन वनडे मैचों की सीरीज के लिए भारतीय टीम में अपनी बहुप्रतीक्षित वापसी करेंगे।

टी20 और टेस्ट मैचों से पहले ही संन्यास ले चुके विराट कोहली की वनडे क्रिकेट में वापसी किसी उत्सव से कम नहीं लग रही है, खासकर ऑस्ट्रेलिया में, जहां उनका रिकॉर्ड शानदार रहा है। शुभमन गिल के नए वनडे कप्तान बनने और अभिषेक शर्मा, प्रभसिमरन सिंह और तिलक वर्मा जैसी कई नई प्रतिभाओं के साथ उन्हें 2027 आईसीसी क्रिकेट विश्व कप की दौड़ में बने रहने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा, क्योंकि टूर्नामेंट से पहले उनकी उम्र क्रमशः 39 और 40 वर्ष होगी।

हरभजन ने कहा कि विराट उन खिलाड़ियों में से एक हैं जो बड़े मौकों पर शानदार प्रदर्शन करते हैं

और यही बात उन्हें दूसरों से अलग बनाती है। उन्होंने कहा, 'वह बड़े मौकों और दबाव वाले मैचों का इंतजार करता है और तभी वह दिखाता है कि वह चैंपियन क्यों है। जब आप सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करते हैं, तभी आप सम्मान अर्जित करते हैं और उसने यह सम्मान अर्जित किया है, खासकर ऑस्ट्रेलिया में शतक लगाने और टीम की कप्तानी की जिम्मेदारी संभालने के बाद। यही वो चुनौतियां हैं जिनका वह बेसब्री से इंतजार करता है। ऑस्ट्रेलिया उसका पसंदीदा शिकारगाह है और अब वह आईपीएल के बाद वापसी कर रहा है। मैं उसे उन तीन वनडे मैचों में बल्लेबाजी करते देखने के लिए उत्सुक हूं और उम्मीद है कि उन तीन में से वह भारत के लिए कम से कम दो शतक लगाएगा।'

हरभजन ने विराट को फिटनेस गुरु भी कहा और आग्रह किया कि इस स्टार बल्लेबाज की फिटनेस को लेकर कोई सवाल या चिंता न उठाई जाए। उन्होंने आगे कहा, 'वह फिट हैं, शायद उनके साथ खेलने वाले कई खिलाड़ियों से ज़्यादा फिट। आज के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वह यकीनन सबसे फिट खिलाड़ी हैं। अब मैं विराट को फिर से खेलते हुए देखने के लिए उत्सुक हूं। प्रशंसकों ने उन्हें देखना मिस किया है, और निजी तौर पर मैं उन्हें कुछ और समय तक वनडे इंटरनेशनल फॉर्मेट में खेलते देखना पसंद करूंगा क्योंकि उनमें अभी भी बहुत कुछ है। जब उन्होंने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लिया, तो मुझे सचमुच लगा कि उनमें अभी भी 4-5 साल बाकी हैं, न सिर्फ खेलने के लिए बल्कि दबदबा बनाने के लिए भी, क्योंकि वह उस तरह के बल्लेबाज हैं।' इस स्पिनर ने विश्वास जताया कि विराट ऑस्ट्रेलिया में एक बार फिर अपनी 'दमदार' दिखाएंगे। उन्होंने कहा, 'हमने उन्हें पहले भी उन परिस्थितियों में ढेरों रन बनाते देखा है, और मुझे विश्वास है कि वह फिर से ऐसा करेंगे। रोहित के लिए भी यही बात लागू होती है, मैं इन दोनों दिग्गजों को भारत के लिए बड़े स्कोर बनाते और टीम को मैच जिताने में मदद करते देखने के लिए उत्सुक हूं।'

सीसीआई के आदेश पर एशियन पेंट्स की याचिका पर सुनवाई से उच्चतम न्यायालय का इनकार

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। उच्चतम न्यायालय ने एशियन पेंट्स की उस याचिका पर विचार करने से सोमवार को इनकार कर दिया, जिसमें कंपनी ने डेकोरेटिव पेंट खंड में अपनी दबदबे की स्थिति का दुरुपयोग करने के आरोपों की जांच करने के आदेश को चुनौती दी थी। भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) ने एशियन पेंट्स के खिलाफ भारतीय डेकोरेटिव पेंट्स के निर्माण और बिक्री के बाजार में अपनी दबदबे की स्थिति का दुरुपयोग करने के आरोप में जांच शुरू करने का निर्देश दिया था।

न्यायमूर्ति जे.के. महेश्वरी और न्यायमूर्ति विजय बिश्नोई की पीठ ने मुंबई उच्च न्यायालय के उस आदेश में हस्तक्षेप करने से इनकार किया, जिसमें सीसीआई के जांच के आदेश को सही ठहराया गया था। शीर्ष अदालत ने उच्च न्यायालय के फैसले के खिलाफ दायर याचिका सुनने की इच्छा न जताते हुए इसे 'वापस ले लिया गया' मानकर खारिज कर दिया। प्रतिस्पर्धा आयोग ने बिड़ला पेंट्स की इकाई ग्रासिम इंडस्ट्रीज की शिकायत के बाद एशियन पेंट्स के खिलाफ जांच का आदेश दिया था। आयोग ने महानिदेशक को जांच पूरी कर 90 दिन में रिपोर्ट पेश करने को कहा था। ग्रासिम ने आरोप लगाया था कि एशियन पेंट्स ने घरेलू डेकोरेटिव पेंट्स बाजार में उसके प्रवेश और वृद्धि को रोकने के लिए प्रतिस्पर्धा बाधित करने वाले तौर-तरीके अपनाए। सीसीआई ने यह भी कहा कि एशियन पेंट्स के इस व्यवहार से नई कंपनियों के लिए बाजार में बाधाएं उत्पन्न हो रही हैं और प्रतिस्पर्धा आंशिक रूप से बंद हो रही है। हालांकि, सीसीआई के आदेश में अस्थायी दृष्टिकोण बताते हुए कहा गया था कि यह मामले के निहितार्थ पर अंतिम निर्णय नहीं है।

'लापता लेडीज़' स्टार नितांशी गोयल ने पकड़ा आनंद देवरकोंडा का हाथ, नेटफ्लिक्स पर 'तक्षकुडु' का ऐलान!

नितांशी गोयल ने बॉलीवुड की एक फिल्म की और उससे ही हिंदी सिनेमा में छा गयी। ऑस्कर-नामांकित 'लापता लेडीज़' में अपनी चमक बिखेरने के बाद, अभिनेत्री नितांशी गोयल ने नेटफ्लिक्स की अगली तेलुगु परियोजना 'तक्षकुडु' के लिए तेलुगु अभिनेता आनंद देवरकोंडा के साथ मिलकर काम किया है। सोमवार को नेटफ्लिक्स पर आगामी फिल्म के फर्स्ट-लुक पोस्टर के साथ इसकी घोषणा की गई।

पोस्टर को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा गया जल्द ही आ रही है, सिर्फ़ नेटफ्लिक्स पर तक्षकुडु, जिसमें आनंद देवरकोंडा आग की लपटों में घिरी बंदूक लिए हुए दिखाई दे रहे हैं। नागा वामसी और साई सौजन्या द्वारा निर्मित, 'तक्षकुडु' का निर्देशन विनोद अनंतोजू ने किया है। आगामी फिल्म के बारे में अधिक जानकारी का इंतज़ार है।

आनंद देवरकोंडा आखिरी बार 'बेबी' में नज़र आए थे। 'बेबी' (2023), एक तेलुगु रोमांटिक ड्रामा जिसने जेन-ज़ी दर्शकों के दिलों को छुआ, आनंद, वैष्णवी चैतन्य और विराज अश्विन के जीवन के माध्यम से युवा प्रेम, महत्वाकांक्षा और दिल टूटने की जटिलताओं को दर्शाती है। भावनात्मक उथल-पुथल से जूझते एक निम्न-मध्यम वर्गीय लड़के के रूप में आनंद के सहज, ज़मीनी अभिनय ने उन्हें व्यापक प्रशंसा दिलाई।

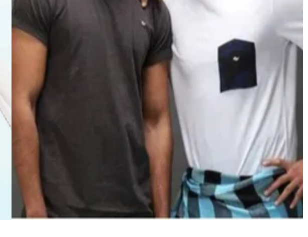

दूसरी ओर, नितांशी गोयल को हाल ही में किरण राव की 'लापता लेडीज़' में उनके प्रशंसित अभिनय के लिए फिल्मफेयर पुरस्कार 2025 में सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम की मेजबानी शाहरुख खान और फिल्म निर्माता करण जौहर ने की, जबकि नितांशी को यह पुरस्कार अक्षय कुमार ने प्रदान किया। समारोह के वीडियो सोशल मीडिया पर तेज़ी से वायरल हो गए, जिसमें नितांशी और शाहरुख के बीच एक दिल को छू लेने वाला पल कैद हुआ।

एक वीडियो में, जब नितांशी अपना पुरस्कार लेने मंच पर जा रही थीं, तो शाहरुख का हाथ पकड़े हुए वह लड़खड़ा गईं, लेकिन सुपरस्टार ने तुरंत उनके दोनों हाथ पकड़कर उन्हें संभाल लिया। पीले रंग का लहराता हुआ गाउन पहने, नम आँखों वाली नितांशी ने शाहरुख के साथ एक छोटा सा भावुक पल बिताया, जब शाहरुख ने आगे बढ़ते हुए उनकी ड्रेस को ठीक करने में मदद की। बाद में करण जौहर ने उन्हें गले लगाया, पूछा कि वह ठीक हैं या नहीं, और प्यार से उनके सिर पर चुंबन किया।

एक्टिंग से राइटिंग की ओर रीज़ विदरस्पून, उपन्यास से जगाएंगी छोटी लड़कियों में सर्जन बनने का सपना

रीज़ विदरस्पून ने आधिकारिक तौर पर अपने लेखन युग में प्रवेश कर लिया है। उन्होंने शनिवार को लॉस एंजिल्स में अपने सह-लेखक हरलान कोबेन के साथ अपने पहले उपन्यास, 'गॉन बिफोर गुडबाय' के लिए पुस्तक दौरे की शुरुआत की।

दोनों अपनी थ्रिलर फ़िल्म लेकर आए - जो एक सैन्य शल्य चिकित्सक मैगी मैककेब पर आधारित है, जो खुद को रूसी अरबपतियों और निजी चिकित्सा की दुनिया में पाती है - विदरस्पून की हैलो सनशाइन मीडिया कंपनी द्वारा आयोजित दो दिवसीय शिखर सम्मेलन 'शाइन अवे' में। इस स्टार ने उपस्थित लोगों को बताया कि वह ढाई साल से इस कहानी पर विचार कर रही थीं, लेकिन उन्हें समझ नहीं आ रहा था कि किताब कैसे लिखी जाए, और उन्होंने सालों पहले कोबेन से मिलने के बाद उनसे संपर्क किया।

इस दिलचस्प कहानी में सेना की लड़ाकू सर्जन मैगी मैककेब रूसी अरबपतियों, निजी चिकित्सा और अत्याधुनिक तकनीक की एक उच्च-दांव वाली दुनिया में कदम रखती हैं। विदरस्पून ने उपन्यास के लिए अपने मिशन को साझा करते हुए कहा: 'इस किताब के लिए मेरा सबसे बड़ा लक्ष्य ज़्यादा से ज़्यादा छोटी लड़कियों को सर्जन बनने के लिए प्रेरित करना है, ठीक उसी तरह जैसे एले वुड्स ने उन्हें वकील बनने के लिए प्रेरित किया था।'

अपने अभिनय करियर के विपरीत, जहाँ वह अक्सर पहले से मौजूद भूमिकाओं में ही काम करती हैं, विदरस्पून ने उपन्यास लिखने को ज़मीन से एक कहानी गढ़ने का एक अवसर बताया। उन्होंने बताया, 'यह अभिनय से आगे बढ़कर एक पूरी दुनिया को नए सिरे से रचने की एक बड़ी छलांग थी।'

कोबेन, जिन्होंने कई बेस्टसेलिंग थ्रिलर लिखे हैं, ने स्वीकार किया कि शुरुआत में इस सहयोग में कुछ झिझक ज़रूर थी। उन्होंने कहा, 'हम दोनों को काफ़ी सफलता मिली है, इसलिए हम डरे हुए थे। हम एक बिल्कुल नए क्षेत्र में प्रवेश कर रहे थे। मैंने रीज़ को चेतावनी दी थी, 'हम इसे बनावटी नहीं बना सकते। कमरे में सिर्फ़ हम दोनों ही हैं, और हम इस कहानी में पूरी तरह डूब गए।''

यह थ्रिलर कृत्रिम बुद्धिमत्ता, चिकित्सा नैतिकता और निजी सर्जरी की बारीकियों पर आधारित है। विदरस्पून ने बताया कि मैगी, एक्शन थ्रिलर की आम महिला किरदारों से बिल्कुल अलग है। जेसन बॉर्न या जेम्स बॉन्ड की कहानियों में, महिलाएँ

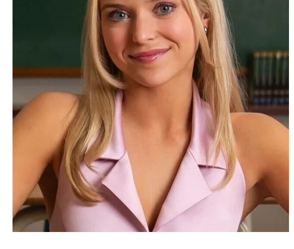

अक्सर आगे बढ़ने के लिए अपनी कामुकता का इस्तेमाल करती हैं। मैं एक ऐसी नायिका चाहती थी जिसकी शक्ति उसके अनोखे कौशल से आती हो। वह एक पुनर्निर्माण सर्जन, एक सैन्य दिग्गज है, और डॉक्टर्स विदाउट बॉर्डर्स के साथ काम कर चुकी है, जो धन और उच्च-दांव वाली चिकित्सा की दुनिया में कदम रखती है।'

मैगी के किरदार को विदरस्पून के शुरुआती जीवन से प्रेरणा मिली। 'मैंने अपने जीवन के पहले पाँच साल जर्मनी के एक सैन्य अड्डे पर डॉक्टरों से घिरे हुए बिताए। रात के खाने की बातचीत जटिल सर्जरी के बारे में होती थी, और छोटी उम्र से ही मैं एक सर्जन बनना चाहती थी,' उन्होंने याद किया।

उनकी माँ के दशकों लंबे नर्स के करियर ने भी कहानी को प्रभावित किया। विदरस्पून ने कहा, 'मैंने सोचा, मैं ही इतनी मशहूर क्यों हूँ? मेरी माँ ने सचमुच लोगों की जान बचाई। यह किताब मेरे माता-पिता के लिए एक प्रेम पत्र है

आयुर्वेद वैश्विक क्षितिज पर स्थापित होने की ओर अग्रसर - डॉ. दया शंकर मिश्रा

वाराणसी। डॉ नितिका कोहली द्वारा आयुमंथन 4 वाराणसी के रुद्राक्ष कन्वेंशन सेंटर में आयोजित किया गया जिसमें आयुर्वेद के क्षेत्र में कार्य कर रहीं विभिन्न प्रतिभाओं और आवाज़ों को एकजुट कर हर घर और समुदाय मेंआयुर्वेद की प्रासंगिकता को उजागर करने का सफल प्रयास हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि डॉ. दया शंकर मिश्रा (राज्य मंत्री, उत्तरप्रदेश, स्वतंत्र प्रभार, आयुष, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन) ने किया। अपने उद्बोधन में उन्होंने कहा किआयुर्वेद सभी के लिए एक स्थायी और समग्र वैश्विक स्वास्थ्य समाधान है। वह दिन दूर नहीं जब आयुर्वेद भी योग की तरह वैश्विक क्षितिज पर लोकप्रिय हो जाएगा। विशिष्ट अतिथि डॉ. एस. एन. संखवार (निदेशक, इंस्टिट्यूट ऑफ़ मेडिकल साइंस, बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी) ने बताया कि काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के संस्थापक भारत रत्न पं मदन मोहन मालवीय जी ने प्रतीत और प्राची के मेल को मूर्त रूप प्रदान करने की दृष्टि से आयुर्वेद महाविद्यालय की स्थापना की थी। बीएचयू का चिकित्सा विज्ञान

संस्थान देश में पहला संस्थान है जहाँ दोनों विधाएँ एक ही छत के नीचे फल फूल रहे हैं। प्रख्यात आयुर्वेद त्वक् रोग विशेषज्ञ डॉ नितिका कोहली द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में फैशन, प्रतिभा और ज्ञान प्रतियोगिताओं का सम्मिलन कियागया, जो आयुर्वेद चिकित्सकों, छात्रों और उत्साही लोगों के लिए एक मंचप्रदान करता है। इस दौरान नृत्य, कविता और गायन जैसी प्रस्तुतियाँ की गईं, और प्रमुख वक्ताओं के विचारोत्तेजक व्याख्यान हुए। यह कार्यक्रम, सशक्तिकरण एवं समग्र स्वास्थ्य के नए मानक स्थापित करता है।

मनोरंजन के साथ-साथ इस अवसर पर आयुर्वेद चिकित्सा एवं शोध के क्षेत्र में कार्य कर रहे ख्याति लब्ध चिकित्सकों प्रो.(वैद्य) जी. एस. तोमर, वैद्य सुरेंद्र चौधरी, वैद्य राज साटपुते, वैद्य नितीन एवं वैद्य हेमा ने अपने विचार प्रस्तुत किए। उनके प्रभावशाली और रोचकव्याख्यानों ने कार्यक्रम की बौद्धिक समृद्धि को और बढ़ाया। इस अवसर पर प्रोफेसर तोमर ने वैश्विक स्वास्थ्य चुनौतियों के परिप्रेक्ष्य में आयुर्वेद की भूमिका पर अपने विचार रखते हुए कहा कि जीवनशैली जन्य रोगों के लिए आयुर्वेद संजीवनी है। अपने शोध एवं चिकित्सा अनुभवों को साझा करते हुए उन्होंने बताया कि बीजीआर - 34 नामक औषधि जहाँ डायबिटीज़ के रोगियों के लिए आशा की किरण साबित हो रही है वहीं नीरी केएफटी क्रोनिक किडनी डिसीजेज में डायलिसिस एवं किडनी ट्रांसप्लानटेशन की ज़रूरत से हज़ारों रोगियों को बचाने का कार्य कर रही हैं। कार्यक्रम में सभी विद्वानों को ऐमिल के एमडी श्री के के शर्मा एवं संचित शर्मा ने अंगवस्त्रम् एवं स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में देश के कोने कोने से आए हज़ारों चिकित्सकों ने प्रतिभाग किया।

खरीफ रकबा में 6.51 लाख हेक्टेयर की हुई बढ़ोतरी, कृषि मंत्री चौहान ने अच्छी बारिश से जताई ये उम्मीद

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि,किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सोमवार को कृषि क्षेत्र की प्रगति की समीक्षा की। इस बैठक में देशभर में खरीफ फसल की स्थिति, रबी फसल की बुवाई, बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में फसलों की स्थिति,मूल्य स्थिति, उर्वरक उपलब्धता, जलाशयों की स्थिति सहित विभिन्न विषयों पर विस्तारपूर्वक चर्चा हुई।

बैठक में अधिकारियों ने खरीफ की बुवाई के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि खरीफ फसलों के अंतर्गत कुल क्षेत्रफल कवरेज पिछले वर्ष की तुलना में 6.51 लाख हेक्टेयर अधिक है। कुल बुवाई क्षेत्र 1121.46 लाख हेक्टेयर है, जबकि गत वर्ष यह 1114.95 लाख हेक्टेयर था। गेहूं, धान, मक्का, गन्ना और दलहन की बुवाई भी वर्ष 2024-25 की तुलना में अधिक हुई है। उड़द बुवाई क्षेत्रफल में वृद्धि की भी जानकारी देते हुए बताया गया कि, उड़द के क्षेत्रफल में 1.50 लाख हेक्टेयर की वृद्धि हुई है। वर्ष 2024-25 में उड़द का बुवाई क्षेत्रफल 22.87 लाख हेक्टेयर था, जो वर्ष 2025-26 में बढ़कर 24.37 लाख हेक्टेयर हो गया है।

इस दौरान कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों को लेकर भी जानकारी ली। अधिकारियों ने बताया कि,बाढ़ और अतिवृष्टि के कारण कुछ प्रदेशों में फसलें प्रभावित हैं, लेकिन यह भी बताया कि अन्य प्रदेशों में अच्छे मानसून के कारण फसल काफी अच्छी है, जिसका उत्पादन वृद्धि के रूप में बेहतर परिणाम देखने को मिलेगा।

केंद्रीय मंत्री को बताया अच्छे मानसून के कारण मिट्टी में नमी है, जिसका अच्छा प्रभाव रबी बुवाई और उत्पादन में वृद्धि के रूप में देखने को मिलेगा। टमाटर और प्याज की बुआई सुचारू रूप से चल रही है। वर्ष 2024-25 की तुलना में प्याज का बुवाई क्षेत्रफल 3.62 लाख हेक्टेयर से बढ़कर 3.91 लाख हेक्टेयर हो गया है, वहीं आलू का क्षेत्रफल 0.35 लाख हेक्टेयर की तुलना में 0.43 लाख हेक्टेयर हो गया है। टमाटर का बुवाई क्षेत्रफल पिछले वर्ष समान अवधि में 1.86 लाख हेक्टेयर था, जो इस वर्ष बढ़कर 2.37 लाख हेक्टेयर हो गया है। आलू, प्याज, टमाटर में निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप अच्छी वृद्धि हुई है। बैठक में बताया गया कि चावल और गेहूं के वास्तविक स्टॉक बफर मानक के मुकाबले ज्यादा हैं।

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह को अधिकारियों ने देश में जलाशयों की स्थिति से भी अवगत कराते हुए बताया कि पूरे देश में पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में कुल संग्रहण स्थिति बेहतर है

महिला ने मराठी को लेकर टिप्पणी की, मनसे नेता ने मारा थप्पड़; वीडियो को लेकर छिड़ा विवाद

ठाणे। महाराष्ट्र में एक महिला ने मराठी भाषा को लेकर विवादित टिप्पणी की, जिसे लेकर मनसे की एक नेता ने महिला को थप्पड़ मार दिया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है और इस पर खूब विवाद भी हो रहा है। पुलिस ने बताया कि इस मामले में कोई शिकायत दर्ज नहीं हुई है और दोनों पक्षों ने आपसी सहमति से मामला खत्म कर दिया।

क्या है पूरा मामला

पुलिस ने बताया कि घटना शुक्रवार रात को ठाणे के कलवा रेलवे स्टेशन की है, जहां एक महिला और पुरुष के बीच विवाद हुआ। इस विवाद के दौरान कथित तौर पर महिला ने मराठी भाषा को लेकर विवादित टिप्पणी की। जिस व्यक्ति के साथ महिला का विवाद हुआ, उसकी पत्नी मनसे की पदाधिकारी है। मनसे नेता ने महिला को ढूंढा और कैमरे पर उससे माफी मंगवाई। महिला ने कैमरे पर स्वीकार किया कि उसकी मराठी भाषा को लेकर की गई टिप्पणी गलत थी और उसने व्यक्ति पर हाथ भी उठाया। इसके बाद महिला ने अपने किए पर पछतावा जाहिर करते हुए माफी मांगी। जब महिला अपनी बात खत्म कर रही थी, तभी वहां बैठी मनसे नेता ने महिला को थप्पड़ मार दिया। मनसे नेता ने महिला को चेतावनी भी दी कि आगे से ऐसा न करे। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है और इसे लेकर विवाद हो रहा है। लोग इसे लेकर तरह-तरह की प्रतिक्रिया दे रहे हैं।

किसी पक्ष ने शिकायत नहीं की

ठाणे राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) की वरिष्ठ निरीक्षक अर्चना दुसाने ने पुष्टि की कि दोनों पक्षों के बीच मामला सुलझ गया है। उन्होंने कहा, 'शुक्रवार रात हुई इस घटना में एक पुरुष और एक महिला शामिल थे। वह व्यक्ति मनसे की एक पदाधिकारी का पति निकला। मराठी और मराठी मानुष के बारे में अपशब्द कहने और गाली देने वाली महिला द्वारा माफी मांगने के बाद, दोनों पक्षों ने वहीं मामला सुलझा लिया।' अधिकारी ने बताया कि बाद में दोनों ने जीआरपी से संपर्क किया और बताया कि उनका समझौता हो गया है और फिर वे परिसर से चले गए।

असम में सरकारी नौकरी का रिकॉर्ड! 1 लाख का आंकड़ा पार, 2 लाख की ओर सरमा सरकार

गुवाहटी। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के नेतृत्व में असम सरकार ने एक लाख से ज़्यादा उम्मीदवारों को लाभकारी रोज़गार प्रदान करके एक और ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है, और अब दो लाख नियुक्तियों के विशाल लक्ष्य की ओर तेज़ी से बढ़ रही है। असम प्रदेश भाजपा ने एक बयान में कहा कि राज्य के महत्वाकांक्षी युवाओं में नई आशा का संचार करते हुए, सरकार अक्टूबर महीने में 35,000 उम्मीदवारों को रोज़गार देने के लिए तैयार है। असम पुलिस में 5,614 कांस्टेबल पदों के लिए बहुप्रतीक्षित परिणामों की घोषणा ने न केवल अनगिनत सपनों को साकार किया है, बल्कि पारदर्शिता, दक्षता और योग्यता के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को भी रेखांकित किया है।

बयान में कहा गया है कि स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत 3,698 तकनीकी और गैर-तकनीकी पदों के लिए परिणामों की घोषणा भी उतनी ही उल्लेखनीय है। जैसा कि मुख्यमंत्री ने अपने फेसबुक लाइव संबोधन में घोषणा की थी, एडीआर परीक्षा के अंतर्गत चतुर्थ श्रेणी पदों के परिणाम 15 अक्टूबर को घोषित किए जाएँगे, उसके बाद 17 अक्टूबर तक स्नातकोत्तर शिक्षक के परिणाम घोषित किए जाएँगे। असम राज्य भाजपा प्रवक्ता ज़फ़रीन मेहजबीन ने एक लाख सरकारी नौकरियाँ प्रदान करने के अपने वादे को साकार करने के लिए मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की गहरी सराहना और हार्दिक बधाई व्यक्त की - एक ऐसा वादा जिसे विपक्ष ने कभी अप्राप्य बताकर खारिज कर दिया था।

बयान में कहा गया है, 'आज यह उपलब्धि मुख्यमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व और दृढ़ कार्यान्वयन का अकाट्य प्रमाण है। नवंबर तक, 38,000 अतिरिक्त नियुक्तियाँ वितरित की जानी हैं, जो रोज़गार सृजन में निरंतर गति को दर्शाती हैं। साथ ही, मुख्यमंत्री के आत्मनिर्भर असम अभियान (ण्ईं) के तहत, एक लाख और युवाओं - पुरुषों और महिलाओं दोनों - को उद्यमशीलता के उपक्रम शुरू करने के लिए 5 लाख रुपये मिलेंगे, जिससे पूरे राज्य में आत्मनिर्भरता की लहर दौड़ेगी। आवेदन प्रक्रिया पहले से ही चल रही है, और जिन लाभार्थियों ने पहली किस्त का विवेकपूर्ण उपयोग किया है, उन्हें सहायता की दूसरी किस्त मिलने की उम्मीद है।'

ज़फ़रीन मेहज़बीन ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में असम की भाजपा-नेतृत्व वाली सरकार ने सरकारी भर्ती को उद्यम-आधारित विकास के साथ सामंजस्य स्थापित करके रोज़गार नीति के पारंपरिक दायरे को पार कर लिया है। असम राज्य भाजपा ने बयान में कहा, 'योग्यता आधारित नियुक्तियों और उद्यमशीलता सशक्तिकरण पर यह दोहरा जोर समग्र सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन की दिशा में एक आदर्श बदलाव का प्रतीक है।'

गाजा युद्धविराम समझौते की पहली जीत हमास ने 7 इजराइली बंधक किए रिहा, अब 2000 फिलीस्तीनी छूटने की बारी

तेल अवीव **(एजेंसी)**। गाजा और इजराइल के बीच लंबे समय से चल रहे संघर्ष के बीच, आज युद्धविराम के तहत पहले 7 इजराइली बंधक ङ रेड क्रॉस को सौंपे गए। यह बंधक विनिमय न केवल बंधकों और उनके परिवारों के लिए राहत लेकर आया है, बल्कि मानवीय और कूटनीतिक प्रयासों में भी महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुआ।सभी बंधक स्वस्थ और सुरक्षित बताए जा रहे हैं। अब वे समन्वित ट्रांसफर मार्ग के जरिए इजराइल की कस्टडी में भेजे जा रहे हैं।

फिलीस्तीनी प्रतिनिधियों और हमास के बीच काहिरा में चल रही बातचीत के अनुसार बंधक सूची और कैदियों की रिहाई पर चर्चा जारी है। हमास कथित तौर पर अपने लोकप्रिय नेता मारवान बरघौती सहित कई आजीवन कैदियों की रिहाई पर जोर दे रहा है; इजराइल ने बरघौती को आतंकवादी कमांडर माना है और इस पर तुरंत टिप्पणी नहीं की।

इजराइल लगभग 2, 000 फलस्तीनी कैदियों की रिहाई करने की तैयारी में है। हमास और इजराइल के बीच काहिरा में चल रही बातचीत में मारवान बरघौती और अन्य आजीवन कैदियों की रिहाई पर जोर है। इजराइल के रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज़ ने बंधकों की रिहाई के बाद गाजा में हमास द्वारा बनाई गई सुरंगों के नेटवर्क को नष्ट करने का निर्देश दिया।

संयुक्त राष्ट्र और मिस्र गाजा में राहत सामग्री भेजने की योजना पर

काम कर रहे हैं। मिस्र ने घोषणा की है कि वह 400 राहत ट्रक भेज रहा है। संयुक्त राष्ट्र के पास लगभग 1, 70, 000 मीट्रिक टन भोजन, दवाइयां और अन्य सहायता सामग्री गाजा भेजने के लिए तैयार है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप सोमवार को इजराइल और मिस्र का दौरा करेंगे, बंधकों के परिवारों से मिलेंगे और नेसेट (इजराइली संसद) को संबोधित करेंगे।

17 सालों में पहली बार ऐतिहासिक पल! अमेरिकी राष्ट्रपति का इजराइल की संसद में होगा भाषण

हमास ने आखिरी 13 इजराइली बंधक भी किए रवाना

यरुशलम **(एजेंसी)**। इजराइल और अमेरिका के संबंधों में तब ऐतिहासिक पल देखने को मिले जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप गाजा में बंदी बनाए गए सभी जीवित इजराइली बंधकों की रिहाई के बाद उन्हें मिलने इजराइल पहुंचे। सबसे बड़ी बात यह है कि ट्रंप इजराइल की संसद 'कनेसट' में भाषण देने जा रहे हैं। यह 17 सालों में पहला मौका है जब कोई सत्ता में मौजूद अमेरिकी राष्ट्रपति सीधे इजराइल की संसद के सामने भाषण देंगे। ट्रंप उसी समय कनेसट पहुंचे जब गाजा में फंसे आखिरी इजराइली बंधकों को रिहा किया गया। इस मौके को संघर्ष में मोड़ और परिवारों के पुनर्मिलन का क्षण माना जा रहा है। ट्रंप का यह दौरा अंतरराष्ट्रीय शांति व्यवस्था के लिए लंबे समय तक प्रयास करने का प्रतीक भी है।ट्रंप ने इजरायली नेसेट में एक साहसिक हस्तलिखित संदेश के साथ आधिकारिक अतिथि पुस्तिका पर हस्ताक्षर किएः'यह मेरे लिए बहुत बड़ा सम्मान है। एक महान और सुंदर दिन। एक नई शुरुआत।' संदेश पर

येरूशलम में हस्ताक्षर किए गए, जिसमें नेतन्याहू उनके साथ खड़े थे, जब 20 बंधकों ने हमास की कैद से इजराइल की ओर अपनी यात्रा पूरी की।

हमास ने बचे हुए 13 इजराइली बंधकों को इजराइल में पहुंचाने के लिए सौंप दिया। इजराइली अधिकारियों ने पुष्टि की कि सभी बंधक सुरक्षित हैं और 'खड़े होकर' यात्रा कर रहे हैं।रिहाई प्रक्रिया में रेड क्रॉस ने सहायता की, और छ्इ की टीमें उनकी आगमन पर स्वागत के लिए तैयार हैं। इससे पहले, आज कुल 20 इजराइली परिवारों अपने प्रियजनों से फिर से मिल पाएंगे। अमेरिकी शांति मिशन के सदस्य स्टीव विटकॉफ़ ने कहा-'मैंने कभी सोचा नहीं था कि यह दिन देख पाऊंगा।

यह जानकर दिल को बहुत राहत मिली कि इतने सारे परिवार आखिरकार अपने प्रियजनों से मिलेंगे।लेकिन इस खुशी के बीच, उनका दिल उन लोगों के लिए दुखी है, जिनके प्रियजन जीवित नहीं लौटेंगे। उनके शवों को लाना उनका सम्मान है और उनकी याद को हमेशा के लिए सम्मानित करेगा।मैं राष्ट्रपति ट्रंप के अदम्य साहस और नेतृत्व के लिए अत्यंत आभारी हूं। यह दिन उनके बिना संभव नहीं होता।'ट्रंप का भाषण न केवल बंधकों की रिहाई का जश्न है, बल्कि यह इजराइल और फिलिस्तीनी क्षेत्रों के लिए स्थायी शांति की दिशा में संकेत भी देता है। राजनीतिक विश्लेषक इसे पारंपरिक संघर्षों को कम करने और दीर्घकालीन शांति ढांचा बनाने का अवसर मान रहे हैं।

भाजपा ने तेजस्वी यादव पर बोला हमला, कहा- घोटाले और जमीन हड़पना ही राजद का शासन मॉडल

नई दिल्ली। भाजपा ने सोमवार को राजद पर तीखा हमला बोलते हुए दावा किया कि घोटाले, सरकारी ठेकों में हेराफेरी और नौकरी का वादा करके लोगों की जमीन हड़पना ही राजद के शासन का मॉडल है। भाजपा की ओर से यह प्रतिक्रिया आईआरसीटीसी मामले में लालू यादव, तेजस्वी यादव और उनके परिवार के खिलाफ अदालत द्वारा आरोप तय किए जाने के बाद आई है।

भाजपा ने जमकर साधा निशाना

वरिष्ठ भाजपा नेता रविशंकर प्रसाद ने एक कहा, तेजस्वी यादव बिहार को बदलने जा रहे हैं, क्योंकि उनके खिलाफ एक सक्षम अदालत द्वारा धारा 420 (पूर्ववर्ती दंड संहिता की धारा 420, जिसमें धोखाधड़ी का उल्लेख है) का आरोप लगाया गया है। इस मामले में तेजस्वी और उनके परिवार के सदस्यों के खिलाफ लगाए गए आरोपों का हवाला देते हुए, प्रसाद ने कहा कि उन्होंने कथित तौर पर नौकरी का वादा करके गरीब लोगों से जमीन हड़पी है।

उन्होंने पूछा कि क्या यही वह 'सामाजिक न्याय' है जिसकी तेजस्वी और उनके परिवार वाले बात करते हैं। उन्होंने आरोप लगाया, चारा खाना, कोलतार पीना, सरकारी ठेकों में हेराफेरी करना और नौकरी का वादा करके जमीन हड़पना लालू प्रसाद का शासन मॉडल था। भाजपा नेता ने लोगों से तेजस्वी के नौकरी के वादों के झांसे में न आने की अपील की। उन्होंने कहा, आपको नौकरी तो नहीं मिलेगी, लेकिन अपनी जमीन गंवानी पड़ेगी।

तेजस्वी यादव ने आरोपों को नकारा

राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव ने सोमवार को भाजपा पर तीखा हमला बोला और कहा कि जब तक दंगाई एवं संविधान विरोधी भारतीय जनता पार्टी सत्ता में है और मेरी उम्र है, उससे लड़ते रहेंगे। उन्होंने यह टिप्पणी भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) होटल भ्रष्टाचार मामले में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की अदालत द्वारा पूर्व रेल मंत्री लालू प्रसाद यादव, बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी और उनके (तेजस्वी) तथा कुछ अन्य के खिलाफ आरोप तय किए जाने के बाद की।

कनाडा पुलिस का कड़ा एक्शन, डाक चोरी के खेल में धरे गए 8 पंजाबी

ओटावा **(एजेंसी)**। कनाडा की पुलिस ने डाक के जरिए मिलने वाले क्रेडिट कार्ड और चेक की चोरी के मामले में भारतीय मूल के आठ लोगों को गिरफ्तार किया है और उन पर 300 से अधिक आरोप लगाए हैं। स्थानीय मीडिया ने इस बारे में खबर दी। खबर में बताया गया है कि आरोपियों में से कुछ निर्वासन का सामना कर रहे हैं। 'सीटीवी न्यूज' की खबर के अनुसार पील पुलिस ने संदिग्धों से 4, 00, 000 कनाडाई डॉलर से अधिक मूल्य के 450 से ज्यादा चोरी के क्रेडिट कार्ड और चेक बरामद किए। रिपोर्ट में शुक्रवार को जारी एक पुलिस विज्ञप्ति के हवाले से कहा गया है, ''जांच में पता चला कि कुछ पंजाबी लोग मिलकर आवासीय मेलबॉक्स को निशाना बना रहे थे और बड़े पैमाने पर चोरी की घटनाओं को अंजाम दे रहे थे, जिससे समुदाय के सदस्यों को परेशानी हुई।'' पील पुलिस, हाल्टन पुलिस और कनाडा पोस्ट ने क्षेत्र में डाक चोरी की सिलसिलेवार घटनाएं रिपोर्ट कीं, जिसकी जांच के लिए अप्रैल में ''प्रोजेक्ट अनडिलीवरेबल'' नामक एक संयुक्त अभियान शुरू किया था। पुलिस ने कहा, ''जांच में पता चला कि कुछ लोग मिलकर आवासीय मेलबॉक्स को निशाना बना रहे थे, जिसके परिणामस्वरूप बड़े पैमाने पर चोरी हुई और समुदाय के सदस्यों के लिए व्यवधान पैदा हुआ।''

पुलिस ने संदिग्धों की पहचान सुमनप्रीत सिंह, गुरदीप चट्ठा, जशनदीप जट्टाना, हरमन सिंह, जसनप्रीत सिंह, मनरूप सिंह, राजबीर सिंह और उपिंदरजीत सिंह के रूप में की है। 'सीबीसी' की शुक्रवार की खबर के अनुसार 21 से 29 वर्ष की आयु के आठ संदिग्धों पर सामूहिक रूप से 344 आरोप दर्ज हैं। पुलिस का कहना है कि वे क्राउन अटॉर्नी कार्यालय और कनाडा सीमा सेवा एजेंसी के साथ आरोपियों में शामिल कुछ विदेशी नागरिकों के निर्वासन पर चर्चा कर रहे हैं।

ट्रंप के 100 फीसदी टैरिफ पर चीन ने दी अमेरिका को चेतावनी, कहा- 'ये तरीके गलत हैं, तुरंत सुधारो'

बीजिंग **(एजेंसी)**। चीन और अमेरिका के बीच व्यापार तनाव एक बार फिर चरम पर पहुँच गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा चीन के दुर्लभ पृथ्वी खनिज पर 100 फीसदी टैरिफ लगाने के ऐलान के बाद चीन ने अमेरिका को कड़ी चेतावनी दी है। चीनी विदेश मंत्रालय ने साफ कर दिया है कि अगर अमेरिका बीजिंग के सामानों पर अतिरिक्त शुल्क लगाने की योजना पर आगे बढ़ता है, तो चीन अपने हितों की रक्षा के लिए उचित और आवश्यक कदम उठाएगा। इस कदम से दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच तनाव काफी बढ़ गया है।

चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने एक मीडिया एजेंसी को कहा कि अमेरिका को अपनी 'गलत परंपराओं को तुरंत सुधारना' चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि कोई भी कार्रवाई आपसी सम्मान, समानता और पारस्परिक लाभ पर आधारित होनी चाहिए।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने घोषणा की है कि चीन पर लगने वाला नया 100इ टैरिफ और महत्वपूर्ण सॉफ्टवेयर पर यूएस नियंत्रण 1 नवंबर 2025 से प्रभावी होंगे। इस नए शुल्क के बाद अमेरिका में चीनी आयात पर कुल टैरिफ बढ़कर 130 इ हो जाएगा। ट्रंप ने टैरिफ लगाने की योजना की पुष्टि करते हुए कहा, 'हाँ... अभी तो यही है। देखते हैं क्या होता है।'

यह विवाद ऐसे समय में सामने आया है जब चीन ने हाई-टेक उत्पादों के निर्माण के लिए आवश्यक रेयर अर्थ मिनरल्स के निर्यात पर अपने नियंत्रण को और कड़ा कर दिया है। दुनिया के करीब 90 इ रेयर अर्थ मिनरल्स की प्रोसेसिंग चीन में होती है। इन खनिजों का उपयोग स्मार्टफोन से लेकर सोलर पैनल और सैन्य उपकरणों तक में होता है। चीन के वाणिज्य मंत्रालय ने अमेरिका पर चीन के खिलाफ निर्यात नियंत्रण उपायों का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.phpid=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharatt=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. MAHHIN/ 2016/65841 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा AIS Printing solution प्लॉट नं0-A- 544 TTC इंडस्ट्रियल एरिया एमआईडीसी माहपे-नवी मुंबई, थाने 400709 से मुद्रित एवं शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012प्रकाशित एवं सम्पादित। कार्यालय : शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012 । फोन : 022-24706563 । कार्यकारी सम्पादक- योगेन्द्र चौधरी
E-Mail : editormantrabharat@gmail.com mantrabharatmumbai@gmail.com । सम्पादक : विनोद आर शर्मा, मोबाइल : 7007837917 । समूह सम्पादक : डॉ दयानन्द तिवारी। वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे के लिए मंत्र प्रधान कार्यालय क्षेत्र प्रयागराज/ इलाहाबाद न्यायालय ही होगा। प्रधान कार्यालयः 80ए मेंहदौरी, तेलियरगंज, प्रयागराज-211004 (नोटः कानूनी पत्र व्यवहार का पता प्रधान कार्यालय ही होगा।)